

वार्षिक प्रतिवेदन 2015-2016



भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था
14, डॉ० बिरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

प्रकाशन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बिरेश गुहा स्ट्रीट

कोलकाता - 700 017

मुद्रण :

टी. सी. दत्ता, मार्चेन्टस् प्रा. ली

P-23/24, राधा बाजार स्ट्रीट

कोलकाता – 700 001

विषय - वस्तु

प्रस्तावना	पृष्ठ संख्या
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की रूपरेखा	
103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का सत्र	3
उद्घाटन सत्र	3
बाल विज्ञान कांग्रेस	3
महिला विज्ञान कांग्रेस	4
विज्ञान संचारक सम्मेलन (SCM)	5
विज्ञान प्रदर्शनी : भारत एक्सपो की शान - 103वाँ आईएससी	6
समापन सत्र	6
तकनीकी कार्यक्रम	7
अनुभागों में कार्यकलाप	13
ISCA अक्षयनिधि पुरस्कार व्याख्यान	13
मुख्य सिफारिशें	15
अन्य कार्यकलाप	
ISCA शाखाएँ	23-26
हिन्दी कार्यक्रम का अवलोकन	27
प्रकाशनें	27
अन्य विषयक्रम	
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठके	27
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का अन्य संस्थाओं में प्रतिनिधित्व	28
सदस्यता	29
संगठनात्मक आकृति	29-30

	पृष्ठ संख्या
अभिस्वीकृति	31
अनुबंध - I	32-33
103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक	
अनुबंध - II	34-35
103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान	
अनुबंध - III	36-37
103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से संबंधित परिसंवाद के शीर्षक	
अनुबंध - IV	38-39
वर्ष 2015-2016 के लिए युवा वैज्ञानिकों का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची	
अनुबंध - V	40-42
2015-2016 के दौरान सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तोता का पुरस्कार पाने वालों की सूची	
अनुबंध - VI	43
इनफॉसिस फाउंडेशन की सूची 2015-2016 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता	
परिशिष्ट - I	44-45
वर्ष 2015-2016 के लिए परिषद् के सदस्य	
परिशिष्ट - II	46-47
वर्ष 2016-2017 के लिए परिषद् के सदस्य	
परिशिष्ट - III	48
कार्मिक	
परिशिष्ट - IV	49-55
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष	
परिशिष्ट - V	56
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव	
परिशिष्ट - VI	57
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष	
लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं लेखे	59-89

प्रस्तावना

31 मार्च 2016 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का 103 वाँ वर्ष पूरा होने के रूप में चिह्नित है। 3-7 जनवरी, 2016 से 103वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस मैसूर विश्वविद्यालय के तत्वावधान में मैसूर में आयोजित किया गया। श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने 3 जनवरी को कांग्रेस का उद्घाटन किये। डॉ. हर्षवर्धन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय मंत्री, भारत सरकार ने भाषण दिया। डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA ने “स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी” फोकल विषय पर अपने भाषण दिये। उद्घाटन समारोह में विदेशी वैज्ञानिक, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद, उपाध्यक्ष, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, संसद के सदस्य, राज्य सरकार एवं केन्द्रीय सरकार की ओर से वरिष्ठ पदाधिकारियाँ, उद्योगों के प्रतिनिधियाँ, छात्रों और विद्वानों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

पूर्ण सत्र, पैनल चर्चा और नोबेल पुरस्कार विजेता, कई प्रख्यात वैज्ञानिकों, प्रौद्योगिकीविदों, नीति-निर्माताओं, औद्योगिक क्षेत्र और सामाजिक कार्यकर्ताओं से औद्योगिक अधिकारियों ने भाग लिया जिसमें फोकल विषय के विभिन्न पहलुओं को समर्पित सार्वजनिक व्याख्यान दिए गए थे। अतीत की परंपरा का पालन, विभिन्न रोचक विषयों पर संगोष्ठियाँ 14 वर्गों में आयोजित की गईं। प्लेटिनम जयंती व्याख्यान और कागज प्रस्तुतियाँ (पोस्टर, मौखिक के माध्यम से) के अलावा विभिन्न वर्गों में आयोजन की अत्यधिक सराहना की गई।

इन्फोसिस ISCA यात्रा पुरस्कार स्कूली बच्चों के लिए प्रस्तुत किए गए। विशेष ज़ोर वर्गों में ISCA युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम पर दिया गया था। इस अवसर पर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार विजेताओं को प्रस्तुत किए गए। पड़ोस के स्कूलों और कॉलेजों से छात्रों की एक बड़ी संख्या ने दौरा किया और बच्चों ने विज्ञान कांग्रेस में भाग लिया।

इसके अलावा 9वीं राष्ट्रीय विज्ञान संचारक सम्मेलन (विज्ञान संचार) NCSTC, डीएसटी, नई दिल्ली की सहायता से आयोजित किया गया था। जहाँ ISCA के विभिन्न शाखाओं से चयनित विज्ञान संचारकों ने भाग लिया।

पाँचवीं महिला विज्ञान कांग्रेस आयोजित की गई जिसका विषय था, “भारत में महिलाओं के स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी” जहाँ सारे देश से महिला वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

103 वाँ सत्र का समापन कार्यक्रम जनवरी 7, 2016 को संपन्न हुआ जिसमें मंच पर निम्नलिखित गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे, श्री वाजुभाई राघुभाई वाला, माननीय राज्यपाल और कुलपति कर्नाटक, श्री एच.डी देवगौड़ा, माननीय भूतपूर्व प्रधान मंत्री और संसद के सदस्य, श्री टी.बी. जयचन्द्र, प्रतिकुलाधिपति, माननीय उच्च शिक्षा और संसदीय मामलों के मंत्री, कर्नाटक, डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA, प्रो. के.एस. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, प्रो. डी. नारायण राव, महाध्यक्ष-निर्वाचित, ISCA प्रो. अरुण कुमार, महासचिव (वैज्ञानिक कार्यक्रम) ISCA, डॉ. एन.बी. बासु, महासचिव (सदस्यता कार्य)। इस अवसर पर युवा वैज्ञानिक अवार्ड और उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड भी दिये गये।

28 ISCA शाखाओं ने आलोच्य वर्ष के दौरान अपनी गतिविधियाँ सेमिनार, संगोष्ठियाँ, व्याख्यान क्विज प्रतियोगिता आदि के द्वारा जारी रखा। विभिन्न गतिविधियों के मध्य, शाखाओं ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, आद्रभूमि दिवस, पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस, विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व पड्स दिवस, राष्ट्रीय बाल दिवस, शिक्षक दिवस आदि को मनाया।

शाखाओं ने 103वीं आई.एस.सी के केन्द्रीय विषय पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया।

संस्था विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के सक्रिय वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए सम्मानित महसूस करती है ताकि कई गतिविधियों पर अमल कर सकें और अपने मौजूदा बुनियादी ढाँचे में सुधार कर सकें। प्रयास है संसाधनों के आधार का विस्तार किया जाए और प्रभावी वित्त प्रबंधन द्वारा निधि की स्थिति में सुधार किए जाए। संस्था कि ताकत सदस्यों से प्राप्त मज़बूत समर्थन में हैं। मैं आश्वस्त हूँ कि इस समर्थन के साथ, संस्था एक बड़े रास्ते से अपने उद्देश्यों को पूरी करने में सक्षम हो जाएगा।



(प्रो. गंगाधर)

महासचिव (सदस्यता कार्य)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

21 सितम्बर, 2016

भारतीय विज्ञान कांग्रेस की रूपरेखा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था 1914 में स्थापित देश की एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्था है। यह संस्था अपने विविध कार्यक्रमों के माध्यम से विज्ञान का संवर्धन एवं वैज्ञानिक मनोभाव का संचार कर रही है। इस संस्था की बैठक जनवरी के प्रथम सप्ताह में वैज्ञानिकों, विज्ञान प्रबंधकों, नीति-निर्माताओं एवं जनसाधारण के वार्षिक सम्मेलन में होती है, ताकि वैज्ञानिक अन्वेषण को अत्यधिक गति व अधिक सुव्यवस्थित दिशा प्रदान की जा सके, देश के विभिन्न भागों में समाज एवं व्यक्ति के मध्य पारस्परिक संबंध को बढ़ावा दिया जा सके तथा पूर्णतः वैज्ञानिक एवं अनुप्रयुक्त उद्देश्यों की ओर जनसाधारण का ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह संस्था भारतीय एवं विदेशी वैज्ञानिकों में राष्ट्रीय विकास के उद्देश्य से अंतः संबंध स्थापित करती है। 1914 से ही प्रति वर्ष संस्था का वार्षिक अधिवेशन बुलाया जाता है, जिसका महाध्यक्ष, अतिप्रतिष्ठित वैज्ञानिक होता है।

संस्था का गठन निम्नलिखित उद्देश्यों से किया गया:

- (1) भारत में विज्ञान को उन्नत करना एवं उसे बढ़ावा देना,
- (2) भारत में उपयुक्त स्थान पर वार्षिक सम्मेलन का आयोजन करना,
- (3) ऐसी कार्यवाहियों, पत्रिकाओं, कार्य-विवरण एवं अन्य प्रकाशनों को प्रकाशित करना जिन्हें वांछनीय माना जा सकता है,
- (4) विज्ञान को बढ़ावा देने के लिए धन एवं वृत्तिदान को सुरक्षित तथा प्रबंधन करना सहित संस्था की संपत्ति के किसी भी हिस्से की बिक्री अथवा निपटान का अधिकार,
- (5) कोई एक या सभी अन्य कार्य करना तथा किसी मामले या विषय को निष्पादित करने में प्रेरक का कार्य करना। स्थापना के समय से ही संस्था ने अपने उच्च उद्देश्यों की पुष्टि के लिए दृढ़तापूर्वक कार्य किया है। आशा के अनुरूप 1914 से अब तक इसके कार्यक्रमों का कई गुना विस्तार हो गया है।

कांग्रेस की पहली बैठक एशियाटिक सोसाइटी, कोलकाता के परिसर में 15 से 17 जनवरी, 1914 तक हुई जिसके महाध्यक्ष कलकत्ता विश्वविद्यालय के तत्कालीन कुलपति माननीय न्यायमूर्ति सर आशुतोष मुखर्जी थे। भारत एवं विदेश के विभिन्न भागों से आए एक सौ पाँच वैज्ञानिकों ने बैठक में भाग लिया और छः अनुभागीय अध्यक्षों के अधीन वनस्पति विज्ञान, रसायन विज्ञान, नृजाति विज्ञान, भू-विज्ञान, भौतिक विज्ञान एवं प्राणी विज्ञान अनुभागों में विभाजित 35 लेख प्रस्तुत किये गए। प्रारंभ में कम सदस्यों वाली भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में अब सदस्यों की संख्या बढ़कर लगभग अठारह हजार हो गई है जो संस्था के 14 विभिन्न अनुभागों में भाग लेते हैं। प्रस्तुति के लिए प्राप्त लेखों की संख्या बढ़कर लगभग एक हजार हो गई है। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का स्वतंत्रता के पश्चात् ब्रिटिश विज्ञान उन्नति संस्था, बीजिंग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्था जैसी विभिन्न विदेशी वैज्ञानिक अकादमियों/संस्थाओं तथा अन्य संस्थाओं से सक्रिय अंतः संबंध रहा है, ताकि पारस्परिक हित वाले विषयों पर उपयोगी विचार-विमर्श हो सके।

वर्ष 1976 में कांग्रेस के दौरान विचार-विमर्श के स्तर पर महत्वपूर्ण बदलाव देखने को मिला। कुछ समय से यह महसूस किया जा रहा था, कि व्यापक आधार वाले वैज्ञानिकों के इस सम्मेलन में वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय प्रभाव वाले राष्ट्रीय मुद्दों को भी लिया जाए। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के तत्कालीन महाध्यक्ष डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन ने 1976 में राष्ट्रीय प्रासंगिकता के केन्द्रीय थीम की संकल्पना का सूत्रपात किया, जिस पर अब वार्षिक अधिवेशन के दौरान प्रत्येक कांग्रेस में चर्चा होती है। इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय थीम के विभिन्न पहलुओं पर कई पूर्ण अधिवेशन आयोजित किये जाते हैं, जिनमें वैज्ञानिकों एवं प्रौद्योगिकीविदों के साथ-साथ नीति-निर्माता व प्रशासक परस्पर विचार-विमर्श करते हैं। इस तरह से संस्था ऐसा मंच बन गई है, जहाँ विभिन्न शाखाओं एवं जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के लोग केन्द्रीय थीम पर चर्चा भाग लेते हैं।

दूसरी महत्वपूर्ण सफलता 1980 में मिली जब भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग ने सचिव की अध्यक्षता में स्थायी कार्यदल गठित किया, जिसमें संस्था के उन प्रतिनिधियों तथा विभिन्न एजेंसियों एवं स्वैच्छिक संगठनों के उन प्रमुखों को शामिल किया गया, जो केंद्रीय थीम संबंधी विभिन्न संस्तुतियों पर अनुवर्ती कार्रवाई के लिए उत्तरदायी होंगे। पूर्ववर्ती विज्ञान कांग्रेस में की गई संस्तुतियों संबंधी अनुवर्ती कार्रवाई पर प्रति वर्ष विज्ञान कांग्रेस के दौरान विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित सामान्य अधिवेशन में चर्चा होती है। इस तरह से भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था सामान्यतः विज्ञान एवं विशिष्टतः राष्ट्रीय विज्ञान नीति के विकास में योगदान कर रही है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने 1981 में अपने 68वें अधिवेशन से युवा वैज्ञानिकों के लाभार्थ कार्यक्रम का शुभारंभ किया है, जिसके अंतर्गत युवा वैज्ञानिक अपने प्रस्तावित अनुसंधान कार्य को प्रस्तुत कर सकेंगे और संगत वैज्ञानिक समस्याओं के संबंध में अपने समकक्ष व्यक्तियों एवं विशेषज्ञों से विचारों का आदान-प्रदान कर सकेंगे। उत्कृष्ट प्रस्तुतियों के लिए ऐसे वैज्ञानिकों को भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्रदान किया जाता है। प्रतिभावान युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए 2006 से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार की राशि रु. 5,000/- से बढ़ाकर रु. 25,000/- कर दी गई है।

कुछ विशेषज्ञों की सहायता से अनुभागीय अध्यक्षों द्वारा सावधानी से की गई छानबीन के आधार पर स्वीकार किए गए अधिकांश लेख पोस्टरों के माध्यम से प्रस्तुत किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए यह निर्णय लिया गया, कि 1999 के अधिवेशन से प्रत्येक अनुभाग की सर्वोत्तम प्रस्तुति के लिए प्रमाणपत्र सहित रु. 1,000/- की नकद राशि के अधिक से अधिक दो पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। वर्ष 2007 से इन पुरस्कारों की राशि से बढ़ाकर रु. 5,000/- कर दिया गया है। दिए गए कुछ चुनिंदा लेखों की मौखिक प्रस्तुति को भी प्रत्येक अनुभाग के कार्यक्रम में शामिल किया जाता है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत में वैज्ञानिकों को सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने के लिए कई पुरस्कारों को देना प्रारंभ किया है। ये पुरस्कार मुख्यतः व्यक्ति-विशेष एवं समूहों से प्राप्त विशेष अक्षय निधि एवं संस्था की निजी निधि से प्रदान किये जाते हैं। पुरस्कार की संकल्पना का आविर्भाव 1965 से हुआ और इस समय भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था द्वारा लगभग 33 से अधिक पुरस्कार दिए जाते हैं। 2013 से आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप वरिष्ठ वैज्ञानिकों के लिए शुरू किया गया है। वर्तमान में 10 नियमित फेलो है।

103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस - 2016

एक अवलोकन

103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने कर्नाटक के माननीय राज्यपाल श्री राधुभाई वाजुभाई वाला, भारत सरकार के (विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान) के माननीय केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन, कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री श्री सिद्धरमैया, मैसूर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. के. एस. रंगप्पा, भारत रत्न प्रो. सी. एन. आर राव और भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना की उपस्थिति में 3 जनवरी, 2016 को उद्घाटन किये। डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और मूल विषय “भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर महाध्यक्षीय भाषण दिए। डॉ. हर्षवर्धन, भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान के माननीय केन्द्रीय मंत्री ने अपना भाषण दिया। श्री सिद्धरमैया, कर्नाटक के माननीय मुख्यमंत्री ने अपना आख्यान दिया।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी ने 103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का पूर्ण कार्यवाही प्रकाशित किया और उन्होंने वैज्ञानिकों को ISCA अवार्ड प्रदान किया (जिसमें 2014-2015 का अवार्ड सम्मिलित है, विक्रम साराभाई स्मारक अवार्ड उन्होंने डॉ. एम. व्हाई. एस. प्रसाद, श्री हरिकोटा को प्रदान किए। उन्होंने नोबेल विजेता प्रो. जॉन बी. गुर्डन, प्रो. डेविड जे. प्रस, प्रो. डान स्केटमैन, इज़राइल, प्रो. सर्ज हारोच, प्रो. अर्थर बी. मैकडोनाल्ड और क्षेत्र प्रदक विजेता प्रो. मंजुल भार्गव को सम्मानित किए और स्मृति चिह्न भेंट किए। उन्होंने विकलांग पर किये गये वैज्ञानिक काम को संबोधित करते हुए विशेष पुरस्कार प्रदान किए। उन्होंने इसके बाद अपना स्वागत भाषण दिया। प्रो. के. एस. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

उद्घाटन सत्र में एक बड़ी संख्या में विदेशी वैज्ञानिक, प्रतिष्ठित वैज्ञानिक, शिक्षाविद्, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, संसद सदस्य, राज्य सरकार की ओर से वरिष्ठ पदाधिकारियाँ, उद्योग, छात्रों और विद्वानों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

बाल विज्ञान कांग्रेस

4 जनवरी, 2016 को मैसूर विश्वविद्यालय के रंगभूमि में उद्घाटन हुआ। मैसूर विश्वविद्यालय के ललित कला महाविद्यालय के छात्रों द्वारा मंगलाचरण के बाद प्रो. अरुण कुमार, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य), ISCA ने सभा का स्वागत किया। बाल विज्ञान कांग्रेस औपचारिक रूप से नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर जॉन गुर्डन और मंच पर उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा उद्घाटन किया गया। कुलपति प्रो. के. एस. रंगप्पा, मैसूर विश्वविद्यालय ने मुख्य भाषण दिया। इस अवसर पर उन्होंने “बिलियन बीट्स” दि प्लस ऑफ इंडिया (वॉल्यूम 1, जनवरी 2016) डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम इंटरनेशनल फाउंडेशन (मुख्यालय रामेश्वरम) द्वारा प्रकाशित विज्ञान कहानियाँ और भारत के युवाओं के सपनों की विशेषता को जारी किया।

इस अवसर पर बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग लेने वाले बच्चों के वैज्ञानिकों द्वारा चर्यानिर्त परियोजना रिपोर्ट की सार पुस्तक का भी विमोचन किया गया।

डॉ. अच्युत सामंत, संस्थापक, के आई. आई.टी और के. आई.एस.एस. भुवनेश्वर, ने इस अवसर पर अपने विचार रखे और हड़प्पा और मोहेनजोदरो सभ्यता के काल से विज्ञान के क्षेत्र में देश के महत्वपूर्ण योगदान पर बल दिया। उन्होंने यह भी सराहना

की है कि गणित में, प्राचीन भारत दुनिया में बड़ी संख्या शून्य, पीआई और ऋणात्मक संख्याओं को दिया था और इस तरह सभी देशों के वैज्ञानिक भवन के लिए एक मज़बूत आधार प्रदान किया।

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA ने अपने भाषण में स्वर्गवासी महाध्यक्ष डॉ. ए.पी.जे. कलाम को याद किये और कहा कि वे खुद एक ऐसे वैज्ञानिक थे जो पूरे बच्चों के समुदाय के लिए प्यारे थे। महान आदमी हमेशा यही इरादा रखते थे कि बच्चे विज्ञान से प्रेरित हो जाएँ और विज्ञान को पसंद करके विकसित करें। उन्होंने कहा कि ISCA इसीलिए न केवल हर युवा के मन में दीपक की भाँति विज्ञान की रोशनी देने की कोशिश कर रहा है बल्कि यह भी सपना डॉ. ए.पी.जे. कलाम का साकार करने का प्रयास कर रही है कि भारत एक भ्रष्टाचार स्वतंत्र राष्ट्र बन जाएँ।

डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव, ISCA ने इंफोसिस ISCA पर्यटन पुरस्कारों की घोषणा की जिन्हें प्रतिवर्ष 12 वें कक्षा तक के छात्रों को ISCA पुरस्कार सत्र दिया जाता है। डॉ. उज्ज्वला टी. तिकी, समन्वयक, राष्ट्रीय बाल विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार, डी. एस.टी, इस अवसर पर भाषण दिये। कार्यक्रम का संपन्न डॉ. एन.बी.बासु, महासचिव, ISCA के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। प्रो. सी. नगन्ना इस उद्घाटन समारोह के मालिक थे।

अंततः बाल विज्ञान कांग्रेस एक बहुत सफल घटना रही जिसमें 58 प्रविष्टियाँ NCSTC के अंतर्गत 30 राज्यों से हुआ जो राष्ट्रीय आयोजन में भाग लिया। इसके अलावा, 14 NCERT 10 राज्यों से प्रविष्टियाँ 4 केन्द्रीय विद्यालय से प्रविष्टियाँ और 2 जवाहर नवोदय विद्यालय से प्रविष्टियाँ हुईं।

समापन समारोह का अंत सीनेट भवन सभागार, मैसूर विश्वविद्यालय में 6 जनवरी, 2016 के 2.30 बजे हुआ। समापन के लिए गणमान्य व्यक्ति प्रो. के. एस. रंगाप्पा, मैसूर विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति, डॉ. अशोक के. सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA, प्रो. अरुण कुमार, महासचिव, ISCA और डॉ. उज्ज्वला तिकी, वैज्ञानिक एफ.डी.एस. टी थे। प्रो. के. एस. मल्लेश, संयोजक, RKVS उपसमिति ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मैडम श्रीमति हरिप्रसाद, उपसमिति के सदस्य ने समापन कार्यक्रम का संचालक किया।

5 वाँ महिला विज्ञान कांग्रेस

5 वाँ महिला विज्ञान कांग्रेस का मूल विषय “भारत में महिलाओं के स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी” पर आयोजित किया गया था।

माननीय केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी ने 4 जनवरी, 2016 को महिलाओं की विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन किया और अतीत और वर्तमान के प्रमुख महिला वैज्ञानिकों द्वारा किए गए योगदान गिनाए। मुख्य भाषण में डॉ. सौम्या स्वामीनाथन, सचिव, डीएचआर, डीजी - आई सी एम आर, नई दिल्ली ने शिक्षा अनुसंधान, विस्तार गतिविधियाँ, प्रबंधन और नीति बनाने निकायों के क्षेत्रों में महिलाओं द्वारा निभाये भूमिकाओं को बताए।

तकनीकी सत्र 5 और 6 जनवरी को आयोजित की गई। पाँच पूर्ण व्याख्यान दिए - डॉ. प्रेमा रामचंद्रन, निदेशक, भारतीय पोषण फाउंडेशन, नई दिल्ली, डॉ. कैसर जमील, प्रमुख - जेनेटिक्स विभाग, हैदराबाद, डॉ. टेसी थॉमस, परियोजना निदेशक, डीआरडीओ, हैदराबाद और प्रो. राजलक्ष्मी श्रीराम, यूजीसी - अवकाश प्राप्त प्राध्यापक, एमएस विश्वविद्यालय, बड़ौदा। प्रख्यात वैज्ञानिक प्रमुख अनुसंधान एवं विकास संस्थानों से व्याख्यान दिए। डी एस टी, नई दिल्ली से वैज्ञानिकों ने लैंगिक समानता को बढ़ावा देने और महिलाओं को सशक्त बनाने के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को अपनाते हुए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा शुरु की गई पहल को प्रस्तुत किये।

घटना के दौरान, महिला वैज्ञानिकों ने निम्न मुद्दों पर अपनी वैज्ञानिक उपलब्धियों पर चर्चा की :-

क) विशेष रूप से ग्रामीण स्तर पर समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार।

ख) छोटे पैमाने पर उद्यमशिलता गतिविधियाँ।

ग) नए बायोमार्कर पर रोग जैसे चिकनगुनिया, फाइलेरिया, लिस्मिनियाशीस आदि पर रोग निदान के लिए अनुसंधान।

घ) लिंग भेदभाव और लिंग भेद के पहलु।

महिलाओं के प्रक्षेप पथ पर काबू पाने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए योगदान करने के लिए अवसरों का भी कवर किया गया। यह समय ऐसा है कि महिलाओं का समर्थन और मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा और भारत में बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के वैज्ञानिकों के पोषण के लिए एक माहौल का पीछा किया गया।

हलाओं के प्रक्षेप पथ पर काबू पाने और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के लिए योगदान करने के लिए अवसरों का भी कवर किया गया। यह समय ऐसा है कि महिलाओं का समर्थन और मान्यता प्राप्त उच्च शिक्षा और भारत में बढ़ावा देने के लिए महिलाओं के वैज्ञानिकों के पोषण के लिए एक माहौल का पीछा किया गया।

सुश्री वसंती हरिप्रकाश, पूर्व एनडीटीवी संवाददाता महिलाओं की विज्ञान कांग्रेस का एंकर थी। महिला विज्ञान कांग्रेस विज्ञान और प्रौद्योगिकी, SEED प्रभाग, भारत सरकार के विभाग द्वारा प्रायोजित किया गया था।

दो दिन के तकनीकी सत्र में 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया जिसमें शिक्षक, शोधार्थियाँ और देश भर में विभिन्न विश्वविद्यालयों, संस्थानों से छात्र मौजूद थे। घटना संगठन और तकनीकी सत्र की गुणवाला में प्रतिभागियों द्वारा उत्कृष्ट रूप में मूल्यांकन किया गया था।

9वीं विज्ञान संचारक सम्मेलन

9वीं विज्ञान संचारक सम्मेलन 5 जनवरी, 2016 को प्रो. डान स्केटमैन, नोबेल विजेता इज़राइल प्रौद्योगिकी संस्थान, हाइफा, इज़राइल द्वारा डॉ. प्रभात रंजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली, प्रो. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय, डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, घर्ण और प्रो. अरुण कुमार, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य), घर्ण की उपस्थिति में उद्घाटन किया गया।

रक्षा अनुसंधान विकास संगठन (डी आर डी ओ, नई दिल्ली, महानिदेशक (जीवन विज्ञान) डॉ. मानस के मंडल इस अवसर पर 'भारत में विज्ञान संचार के अवसर और चुनौतियों पर भाषण दिये और वानिकी और पर्यावरणीय विज्ञान के प्राध्यापक के. एन. गणेशाय्या ने "परंपरागत प्रथाओं और विश्वासों" से निकालने और विज्ञान स्थापित करने में वैज्ञानिकों की भूमिका" पर भाषण दिये। 6 जनवरी, 2016 को पूर्व मणिपाल विश्वविद्यालय के कुलपति बी.एम हेज ने 'विज्ञान, व्यवसाय और वास्तविकता पर भाषण दिये और वैज्ञानिक, प्रधान विज्ञान संचार मल्टीमिडिया द्वारा, नई दिल्ली, गौहर राजा ने व्याख्यान प्रस्तुत किया 'स्वदेशी विकास के लिए आवश्यकता है एक वैज्ञानिक मनोदशा की पर दोहपर के सत्र में, विज्ञान प्रसार, नई दिल्ली, निदेशक आर. गोपीचन्द्रन ने 'भारत में विज्ञान लोकप्रिय बनाने के लिए क्या अतिसरलीकृत है ? बेहतर कार्य के लिए मिशन के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण समर्थन प्रदान किए। पूर्व मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति एस.एन. हेगडे ने 'जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर भाषण दिये और विनोद कुमार, दिल्ली विश्वविद्यालय ने हितधारकों के लिए बुनियादी जीवन विज्ञान अनुसंधान संवाद: एक दृष्टांत न हटाने की प्रतिरूप जरूरता पर प्रकाश डाला। पूर्व कुलपति जे शशिधर प्रसाद, मैसूर विश्वविद्यालय और आर. के. शर्मा, डी आर डी ओ के और प्रो. राजा सभ, टुमकुर विश्वविद्यालय और प्रो. मेवा सिंह ने सत्र की अध्यक्षता की।

मैसूर विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. एस. एन. हेगड़े ने समापन सत्र में एक भाषण दिया। डॉ. गोपीचन्द्रन, निदेशक, विज्ञान प्रसार, विश्वविद्यालय रजिस्टार प्रो. सी बासावराजु और विज्ञान संचार की बैठक के संयोजक प्रो. रविशंकर रूप उपस्थित थे। डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव, घर्षण ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

विज्ञान प्रदर्शनी : भारत गर्व एक्सपो

भारत गर्व एक्सपो (PoI), डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय केन्द्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्री द्वारा उदघाटन किया गया, जहाँ डॉ. अशोक सक्सेना, महाध्यक्ष, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। विशेष मंडप PoI एक्सपो में ‘‘गौरव के हॉल’’ पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जीवन और उनके काम को समर्पित थे जिन्हें मिसाइल मैन और ‘‘एडु टू दृष्टि’’ भी कहा जाता था। एक दिवसीय संगोष्ठी विषय ‘‘उत्पत्ति’’ और ‘‘स्वदेशी विकास के माध्यम से भारत मिशन को साकार - एम एस एमई की भूमिका’’ का आयोजन किया गया था। विज्ञान ज्योत (वीजे) ज्ञान की लौ औपचारिक रूप से झंडी दिखाकर रवाना किया गया, बेंगलुरु से 1 जनवरी 2016 को एक नाव पर मुहिम शुरू की गई और एक भव्य समारोह मैसूर विश्वविद्यालय में प्राप्त किया गया। वीजे PoI एक्सपो के स्थल पर था। डॉ. हर्षवर्धन और अन्य गणमान्य व्यक्ति थे। समापन समारोह के दौरान, वीजे मशाल प्रोफेसर डी. नारायण राव को सौंप दिया गया जो 104 ISC के महाध्यक्ष निर्वाचित है। और उन्हें यह मशाल डॉ. अशोक सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA द्वारा सौंपा गया। लगभग 20,000 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला हुआ, PoI एक्सपो 150 से अधिक संगठनों की भागीदारी के साथ ज़बरदस्त प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। प्रदर्शनी 5 लाख से अधिक दर्शकों ने दौरा किया था।

समापन सत्र

भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 103 वाँ सत्र का समापन कार्यक्रम 7 जनवरी, 2016, को सम्पन्न हुआ। प्रो. के. एस. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय ने स्वागत भाषण दिया। इसके बाद ISCA के महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना ने प्रतिवेदन पेश किए। इस अवसर पर, महाध्यक्ष (निर्वाचित) डॉ. डी. नारायण राव ने 104 वाँ ISC SRM विश्वविद्यालय, चेन्नई में 3 - 7 जनवरी, 2017 को होने का ऐलान किए।

श्री टी.बी. जयचन्द्र, सम कुलाधिपति, माननीय उच्चशिक्षा, कानून एवं संसदीय कार्यकलापों के मंत्री, कर्नाटक सरकार ने अपना भाषण दिए। इस अवसर पर, युवा वैज्ञानिक पुरस्कार और उत्कृष्ट पोस्टर अवार्ड भी दिए गए।

समापन भाषण श्री एच.डी.देवगौड़ा, माननीय पूर्व प्रधानमंत्री और संसदीय सदस्य द्वारा दिया गया और अध्यक्षीय भाषण महामहिम श्री वाजुभाई राधुभाई वाला, राज्यपाल और कुलाधिपति, कर्नाटक ने दिया।

प्रो. सी. वासवाराजु, कुलसचिव, मैसूर विश्वविद्यालय ने औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन किया।

तकनीकी कार्यक्रम

सार्वजनिक और पूर्ण कार्यक्रम अनुसूची

क्रमांक संख्या	विशेष सत्र	सभापति / वक्ताओं के नाम
1.	विशेष सत्र I : पैनल चर्चा नोबेल पुरस्कार विजेताओं के साथ विज्ञान और प्रौद्योगिकी वर्तमान और भविष्य	सभापति : भारत रत्न प्रो. सी. एन. आर. राव, बैंगलुरु सह सभापति 1) प्रो. के. एस. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर 2) डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, ISCA, कोलकाता वक्ता 1) प्रो. अर्थर बी, मैकडोनाल्ड संयुक्त राज्य अमेरिका 2) प्रो. डान स्केटमैन, इजराइल 3) सर प्रो. जॉन गर्डन, इउनाइटेड किंगडम 4) प्रो. सर्ज हारोच, फ्रांस 5) प्रो. डेविड जे, ग्रीस संयुक्त राज्य अमेरिका 6) प्रो. मंजुल भार्गव, क्षेत्र पदक विजेता, संयुक्त राज्य अमेरिका
2.	विशेष सत्र II : “वाल्यू ऑफ साइंस फ़ॉर सोसाइटी एंड पब्लिक”	सभापति : प्रो. आशुतोष शर्मा, सचिव, डीएसटी, भारत सरकार, नई दिल्ली सह-सभापति : प्रो. के. एस. रंगप्पा, कुलपति, मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर प्रो. सी. एन. आर. राव, बैंगलुरु प्रो. अर्थर बी. मैकडोनाल्ड, नोबेल विजेता, संयुक्त राज्य अमेरिका डॉ. के. कस्तूरीरंगन, बैंगलुरु प्रो. डैन स्केटमैन, नोबेल विजेता इजराइल
3.	विशेष सत्र III : एसटीआई नीति	सभापति : डॉ. एम. के. भान, पूर्व डीबीटी सचिव, नई दिल्ली वक्ता : 1) प्रो. आर. सी. सोबती, कुलपति, -बाबासाहेव की भी भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, लखनऊ 2) डॉ. बलदेव राज, निदेशक, राष्ट्रीय उच्च अध्ययन संस्थान, बैंगलुरु 3) प्रो. के. बी. अखिलेश, भारतीय प्रौद्योगिकी विज्ञान, बैंगलुरु 4) प्रो. अम्बुज सागर, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली 5) प्रो. आर. तिवारी, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ 6) डॉ. नीरज शर्मा, सलाहकार और प्रधान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली

क्रमांक संख्या	शीर्षक	सभापति / वक्ताओं के नाम
4.	“सेशन ऑफ नैनोसाइंस”	सभापति : प्रो. ए.के.सूद, बैंगलुरु वक्ता : 1) प्रो. जी.इउ, कुलकर्णी निदेशक, बैंगलुरु 2) डॉ. अशोक गांगुली, मोहाली
5.	“स्पेस साइंस, टेक्नोलाजी एंड अप्लीकेशनस”	सभापति : डॉ. किरणकुमार, ISRO बैंगलुरु सह सभापति : प्रो. डी. एन. राव, चेन्नई वक्ता : 1) एस.के. शिवकुमार 2) व्ही. कोटेश्वराराव 3) विनय के. धाधवाल 4) एस. सोमनाथ 5) एम. अन्नादुराई
6.	लेक्चर ऑफ ISCA अवार्डी	वक्ता : विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर सरकारी दृष्टिकोण वक्ता : डीएसटी के सचिव, डीबीटी डी एस आई आर / सी एस आई आर, एम ओ ई एस। एम ओ ई एफ, एम. एन. आर. ई. डीई आई टी व्वाई, आई सी ए आर आई सी एम आर, डी आर डी ओ, डी ओ एस, डी ए ई, औषध - विभाग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी के नीति स्कंध (डॉ. व्ही के सारस्वत, वरिष्ठ सलाहकार और संयुक्त सलाहकार)
7.	रिसेंट एडवांसेस टुवार्डस सेल्यूलर बेसिस फॉर क्लिनिकल डिसऑर्डर	सभापति : प्रो. एस.एस. पारमार, वक्ता : 1) प्रो. एन्ड्र्यू जे ग्रीनसाव, कनाडा 2) प्रो. जोनाथन डी. गिजर, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) प्रो. अनिल कुमार, संयुक्त राज्य अमेरिका 4) प्रो. एस. जमाल मुस्तफा, संयुक्त राज्य अमेरिका 5) प्रो. माधवन नायर, संयुक्त राज्य अमेरिका 6) प्रो. ओठ मैन ग्रीवी, संयुक्त राज्य अमेरिका 7) प्रो. जयेस एलेन ओम, संयुक्त राज्य अमेरिका 8) पी.के. सेठ, लखनऊ
8.	“सस्टेनाबिलिटी एंड फ्यूचर जेनरेशन वायरलेस नेटवर्कस”	सभापति : नवरति सक्सेना, दक्षिण कोरिया सह-सभापति : अभीषेक राॅय, दक्षिण कोरिया वक्ता : 1) बाययुंगवुजियन, दक्षिण कोरिया 2) प्रो. जुंग हयून जुन, लिट रोपार 3) प्रो. स्नेहानशु साहा, बैंगलुरु 4) वास्कर राय चौधरी, लिट रूरकी 5) हाय इउंग किम, दक्षिण कोरिया 6) आशीष श्रीवास्तव, संयुक्त राज्य अमेरिका

क्रमांक संख्या	शीर्षक	सभापति / वक्ताओं के नाम
9.	सेशन ऑफ़ डायबेटिस	सभापति : प्रो. डी. शांताराम, चेन्नई वक्ता : 1) डॉ. व्ही. सेशीआ, चेन्नई 2) डॉ. व्ही. मोहन, चेन्नई 3) डॉ. प्रसन्न कुमार, बैंगलुरु 4) डॉ. एस. आर. अरविन्द, बैंगलुरु
10.	“इवोल्यूशन : दि फ्रंटीयर्स”	सभापति : प्रो. एच.ए.रंगनाथ, बैंगलुरु वक्ता : 1) प्रो. राघवेन्द्र गडगकर, बैंगलुरु 2) प्रो. रामा शंकर सिंह, कनाडा 3) प्रो. राधे एस. गुप्ता, कनाडा
11.	“नवेल मे का निज़मस अंडरलाइयंग एलार्जीक एयरवे इनफ्लेमेशन एंड ब्रन्कियल आज़मा”	सभापति : देवेन्द्र के अग्रवाल, संयुक्त राज्य अमेरिका सह-सभापति : प्रो. एच.पी. तिवारी, इलाहाबाद वक्ता : 1) डॉ. राजकुमार, नई दिल्ली 2) डॉ. पी.ए. महेश, मैसूर 3) डॉ. ए. संजीव सुर, संयुक्त राज्य अमेरिका
12.	“नवेल मे का निज़मस अंडरलाइयंग एलार्जीक एयरवे इनफ्लेमेशन एंड ब्रन्कियल आज़मा”	सभापति : देवेन्द्र के अग्रवाल, संयुक्त राज्य अमेरिका सह-सभापति : प्रो. एच.पी. तिवारी, इलाहाबाद वक्ता : 1) डॉ. राजकुमार, नई दिल्ली 2) डॉ. पी.ए. महेश, मैसूर 3) डॉ. ए. संजीव सुर, संयुक्त राज्य अमेरिका
13.	“बिगडेटा बायोटेक्नोलॉजी चैलेंजेस एंड अपरच्युनिटिस फ़ॉर इंडिया”	सभापति : प्रो. मदन मोहन, दिल्ली वक्ता : 1) डॉ. विनय पंडा, बैंगलुरु 2) डॉ. ए. के. मिश्रा, नई दिल्ली 3) डॉ. दिनेश गुप्ता, नई दिल्ली 4) डॉ. एम. माइकेल प्रोमीहा, चेन्नई
14.	“एटोमिक एनर्जी”	सभापति : डॉ. आर. के. सिंहा, मुम्बई वक्ता : 1) डॉ. एस.एफ.डी सोज़ा, मुम्बई 2) डॉ. के. बी. सैनिंस, मुम्बई 3) डॉ. पी.के. तिवारी, मुम्बई 4) डॉ. एस. बनर्जी

क्रमांक संख्या	शीर्षक	सभापति / वक्ताओं के नाम
15.	“बायोडाइवर सिटी कन्ज़रवेशन करेन्ट स्टाटस एंड रोड मैप फ़ॉर दि फ्यूचर”	सभापति : प्रो. आर रामामूर्ति, तिरुपति वक्ता : 1) डॉ. एम.एस. नागर, नई दिल्ली 2) डॉ. आर. एस. राना, नई दिल्ली 3) डॉ. गिरिधर ए. किल्हल, भोपाल 4) डॉ. एस. सुब्रमणियान, नई दिल्ली
16.	“मोलिक्यूलर टार्गेट्स एंड कैंसर थेरापिटिक्स”	सभापति : प्रो. सर टॉम ब्लनडेल, कैम्ब्रीज वक्ता : 1) प्रो. पीटर ई. लॉबी, सिंगापुर 2) प्रो. पीटर जे हूटन, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) प्रो. एलान फर्शट, कैम्ब्रीज 4) प्रो. मेरी. एन बीजार्नस्टी, संयुक्त राज्य अमेरिका 5) प्रो. शिन इशिरो निशिमुरा, जापान
17.	“सेफ़ वाटर एंड सेनिटेशन”	सभापति : के.जे. नाथ, कोलकाता सह-सभापति : डॉ. एन. बी. बासु, कोलकाता वक्ता : 1) डॉ. बिन्देशवर पाठक, नई दिल्ली 2) डॉ. सुनीता नारायण, नई दिल्ली 3) डॉ. प्रदीप पी, चेन्नई 4) डॉ. व्ही. एस. चरी, भारत
18.	“ए फ़्रॉन्टियर इन साइंस एंड ह्यूमन बेनिफिट”	सभापति : प्रो. बी.पी. चटर्जी, कोलकाता सह सभापति : प्रो. अभिजीत बनर्जी, कोलकाता वक्ता : 1) डॉ. हाफ़िज़ अहमद, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) प्रो. जॉन जोहानसन, स्वीडन 3) प्रो. जी.वी. मैकसिमोव, रशिया 4) प्रो. एस. मुखोपाध्याय, कोलकाता 5) प्रो. कस्तूरी दत्ता, नई दिल्ली 6) असीम के. दत्ताराय, नरवे
19.	“रिसेंट एडवांसेस इन मेल रिप्रोडकशन”	सभापति : प्रो. पी.पी. माथुर, भुवनेश्वर सह सभापति : मनु सक्सेना, संयुक्त राज्य अमेरिका वक्ता : 1) डॉ. मान्यूएल, सिमोनी-इटली 2) प्रो. सी.व्ही. राव, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) डॉ. वासिलियस, पापाडोपोलस, कनाडा 4) डॉ. डियान क्रिसी, संयुक्त राज्य अमेरिका 5) डॉ. मार्टीन कल्टी, मन्ट्रीयल

क्रमांक संख्या	शीर्षक	सभापति / वक्ताओं के नाम
20.	“प्रीपेयरिंग दि बायोसाइंस वर्कफोर्स फ़ॉर इमेरजिंग टेक्नोलॉजीस”	सभापति : प्रो. सुलथा द्वारकानाथ, संयुक्त राज्य अमेरिका वक्ताएँ : 1) डॉ. रस एच रीड, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) डॉ. लिनिया फ्लेचर, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) डॉ. सोनिया वालमैन, संयुक्त राज्य अमेरिका 4) डॉ. एलिन जॉनसन, संयुक्त राज्य अमेरिका
21.	“नवेल ट्रांसलेशनल टार्गेट्स इन कैंसर एंड अदर डिज़िज़ेश”	सभापति : प्रो. श्रीकंठनन्त, संयुक्त राज्य अमेरिका सह सभापति : व्ही. एल. सक्सेना, कानपुर वक्ता : 1) प्रो. जर्ज विनर, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) प्रो. राय जेनसन, कैन्सास, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) प्रो. विक्टोरिया एल. सीवाल्डट, संयुक्त राज्य अमेरिका 4) प्रो. विनता बी. लोकेश्वर, संयुक्त राज्य अमेरिका
22.	“बायोडाइवरसिटी डेटाबेस इंटीग्रेशन फ़ॉर दि बेनेफिट ऑफ़ ह्यूमन काइन्ड”	सभापति : प्रो. सुदर्शन कुमार, लखनऊ सह-सभापति : प्रो. एस. पी. सिंह, कुरुक्षेत्र वक्ता : 1) डॉ. आर.सी. अग्रवाल, नई दिल्ली 2) डॉ. जी.पी. एस. राघव, चंडीगढ़ 3) डॉ. अनिल राय, नई दिल्ली 4) डॉ. मुनाज्जा योयूसरा, पाकिस्तान
23.	“जेनेटिक डिससेकेशन ऑफ़ कमप्लेक्स डिज़िज़ेश”	सभापति : प्रो. एच. एस. शरत चन्द्र, बैंगलुरु वक्ता : 1) प्रो. आर.एन.के बामेज़ाई, दिल्ली 2) प्रो. अरविन्द चक्रवर्ती, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) डॉ. सतीश एस. राघवन, बैंगलुरु
24.	“इंसेक्ट बायोलॉजी”	सभापति : प्रो. एल. एस. शशिधर, पुणे वक्ता : 1) प्रो. वोल्कर हार टेनस्टाइन, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) प्रो. डी. चन्नेगौडा, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) प्रो. एल. एस. शशिधारा, पुणे
25.	“प्रिवेन्शन एंड थेरापेटिक एप्रोचेस इन कैंसर एंड अदर डिज़िज़ेश”	सभापति : प्रो. अनिमेश धर, संयुक्त राज्य अमेरिका सह सभापति : डॉ. मनोज चक्रवर्ती, कोलकता वक्ता : 1) चेन्डिल दामोदरन, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) डॉ. प्रजना धर, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) डॉ. बालकृष्ण लोकेश्वर, संयुक्त राज्य अमेरिका

क्रमांक संख्या	शीर्षक	सभापति / वक्ताओं के नाम
26.	“बायोगैस प्रोडक्शन, पावर जेनेरेशन एंड प्युरीफिकेशन ऑफ वेहिकूलर प्लीकेशनस”	सभापति : प्रो. वीरेन्द्र के. विजय, दिल्ली वक्ता : 1) डॉ. वर्षा जोशी, दिल्ली 2) डॉ. हॉयसाल एन. चाणक्य, बैंगलुरु 3) डॉ. दीपक शर्मा, उदयपुर 4) डॉ. देबेन सी बरूआ, तेज़पुर
27.	“रिसेंट एडवांसेस इन मेडिकल एंड न्यूबायोलॉजी”	सभापति : डॉ. आर.रविकुमार, संयुक्त राज्य अमेरिका वक्ता : 1) डॉ. आर. ललिथा, संयुक्त राज्य अमेरिका 2) डॉ. प्रसाद धूलिपला, संयुक्त राज्य अमेरिका 3) डॉ. रोहिणी धूलिपला, संयुक्त राज्य अमेरिका 4) डॉ. कृष्णा द्रोणामराजु, संयुक्त राज्य अमेरिका 5) डॉ. अरुणालोक चक्रवर्ती, चंडीगढ़
28.	“पैनेल डिसेक्शन ऑन स्विचल डेवलपमेन्ट इन इंजीनियरिंग मैनुफैक्चर फ़ॉर मेक इन इंडिया इनिशियेटिव्स”	सभापति : प्रो. एन.के. आत्रे सह सभापति : प्रो. एल.एस. सत्यमूर्ति वक्ता : 1) कर्नल एच.एस.शंकर, बैंगलुरु 2) डॉ. आर. एम. वसागैम, चेन्नई 3) डॉ. एच. महेशप्पा, बेलजियम 4) डॉ. जी. राज नारायण, बैंगलुरु
29.	“डिज़ीज़ेश एंड ड्रग डेवलपमेन्ट”	सभापति : प्रो. तेजपाल सिंह वक्ता : 1) एम.आर.एस. राव 2) तापस के कुन्दु 3) प्रो. तेजपाल सिंह 4) मंजू नथाकिनी
30.	“नैनी मेटेरियल्स एंड बायोटेक्नोलॉजी”	सभापति : के. एन. थिम्मैय्या वक्ता : 1) के.जी.राव, बैंगलुरु 2) के. बायप्पा, मैंगलोर 3) व्ही. एस. चौहान, नई दिल्ली
31.	“पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप फ़ॉर दि स्वच्छ भारत मिशन इनिशियेटिव”	सभापति : प्रो. इन्द्र चक्रवर्ती, कोलकाता वक्ता : 1) श्रीमती संथाशील नायर 2) श्री नितिश कपूर 3) श्री संजीव मेहता 4) श्री सिराज चौधरी 5) डॉ. सरस्वती प्रसाद

अनुभागों में कार्यकलाप

14 अनुभागों में अनुभागीय अध्यक्षों (अनुबंध-1) के वक्तव्य के साथ विचार-विमर्श हुआ। तत्पश्चात प्रत्येक अनुभाग में प्लेटिनम जयंती व्याख्यान (अनुबंध-2) आयोजित किए गए। विशिष्ट विषयों (अनुबंध-3) पर तथा अधिकांश आमंत्रित/विशेष व्याख्यानों पर अनुभागीय अध्यक्षों द्वारा परिसंवाद का आयोजन किया गया जो 103 वें विज्ञान कांग्रेस के तकनीकी कार्यक्रम का अभिन्न अंग रहा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिकों के कार्यक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के युवा वैज्ञानिक कार्यक्रम के अंतर्गत अनुभागों में 4 जनवरी, 2016 को लेख प्रस्तुत किए गए। इस वर्ष कार्यक्रम के अंतर्गत 10 युवा वैज्ञानिकों को अनुसंधान संबंधी क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए पुरस्कार प्रदान किया गया। भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था युवा वैज्ञानिक पुरस्कार (प्रमाणपत्र एवं रु 25,000/- का नकद पुरस्कार) 7 जनवरी 2016 को 103 वें विज्ञान कांग्रेस के समापन सत्र में प्रदान किया गया। इन युवा वैज्ञानिकों के नाम और इनके लेखों के शीर्षक (अनुबंध-4) में दिए गए हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार कार्यक्रम

वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करने के लिए ISCA ने प्रत्येक अनुभाग में दो उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार की स्थापना किए। इन पुरस्कारों की राशि रु 5,000/- है और इसके अलावा एक योग्यता प्रमाण पत्र भी है। इस वर्ष 28 उत्कृष्ट पोस्टर पुरस्कार 7 जनवरी, 2016 को 103 वें विज्ञान कांग्रेस के समापन समारोह में प्रस्तुत किए गए। उन पुरस्कार विजेताओं के नाम और उनके लेख के शीर्षक अनुबंध-5 में दी गई है।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था अक्षयनिधि पुरस्कार / व्याख्यान

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
प्रो. हीरालाल चक्रवर्ती पुरस्कार व्याख्यान	डॉ. प्रियंका अग्निहोत्री, लखनऊ
प्राण वोहरा पुरस्कार	डॉ. शर्मिष्ठा पाल, चंडीगढ़
प्रो. अर्चना शर्मा स्मारक पुरस्कार	प्रो. मैत्री दासगुप्ता, कोलकाता
डॉ. व्ही पुरी स्मारक पुरस्कार	प्रो. आर.एस. त्रिपाठी, लखनऊ
डॉ. बी.सी. देव स्मारक पुरस्कार मृदा / भौतिक रसायन के लिए	डॉ. प्रमोद झाँ, भोपाल
डॉ. बी.सी. देव स्मारक पुरस्कार विज्ञान को लोकप्रिय करने के लिए	श्री तरूण कुमार जैन, जयपुर

पुरस्कार का नाम	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
प्रो. के.पी. रोड स्मारक व्याख्यान	डॉ. एच.वी. श्रीवास्तव, वाराणसी
प्रो. जी. के. मन्ना पुरस्कार व्याख्यान	डॉ. एच.पी. पुट्टराजु, बैंगलोर
प्रो. आर.सी. साहा स्मारक व्याख्यान	प्रो. डी. एस. रावत, दिल्ली
प्रो. सुशील कुमार मुखर्जी स्मारक व्याख्यान	डॉ. सरोज कुमार सन्याल, कोलकाता
प्रो. एस.एस. कटियार अक्षयनिधि व्याख्यान	प्रो. रंजना अग्रवाल, कुरुक्षेत्र
प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक व्याख्यान	डॉ. अजय, अहमदाबाद



डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का महाध्यक्ष
103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस, मैसूरु

डॉ. अशोक के सक्सेना अपनी स्नातकोत्तर डिग्री प्राणीशास्त्र में मेरठ विश्वविद्यालय से, मेरठ 1967 में प्राप्त किये, और कानपुर विश्वविद्यालय से पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। डॉ. सक्सेना पहले प्राणीशास्त्र विभाग में प्राध्यापक के रूप में डी ए वी कॉलेज कानपुर, उ.प्र. में 1967 में शामिल हुए और 1986 में रीडर बने और प्राचार्य के रूप में 2005 से 2011 तक सेवा की है। डॉ. सक्सेना सी एस जी एम विश्वविद्यालय, कानपुर में प्राणीशास्त्र में अध्ययन के बोर्ड के एक संयोजक के रूप में कार्य किये। वे जून, 2010 में सी एस जी एम विश्वविद्यालय, कानपुर के विज्ञान संकाय के डीन के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

डॉ. सक्सेना प्राणीशास्त्र विभाग, डी ए वी कॉलेज, कानपुर के यूजीसी के अवकाश प्राप्त फेलो, नई दिल्ली (2011-2013) थे। वर्तमान में, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सर आशुतोष मुखर्जी (2013-2016) के फेलो है। और के आई आई टी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के सलाहकार है।

डॉ. सक्सेना को शोध का 45 वर्ष का अनुभव है और उनके शोध के मार्गदर्शन में 27 छात्रों को पी एच डी डिग्री से सम्मानित किया गया है। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अधिक से अधिक 69 शोध पत्र प्रकाशित किये है। डॉ. सक्सेना के किताबों, संगोष्ठियों के कार्यवाही के रूप में अधिक से अधिक 21 प्रकाशन है। वे संपादकीय बोर्ड 'ट्रेन्ड्स इन लाइफ साइंसेस एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका के संयोजक है, संपादकीय बोर्ड 'लाइफ साइंसेस एडवांसेस एक अंतर्राष्ट्रीय पत्रिका का सदस्य, और नई दिल्ली के ICAR कृषि भवन के रेफरी रहे हैं। वे 'एवरीमैन्स साइंस' भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के द्विमासिक पत्रिका के मुख्य संपादक भी हैं। डॉ. सक्सेना ने यूजीसी, सीएसआई आर, डीएसटी, डीबीटी नई दिल्ली के बड़ी और छोटी अनुसंधान परियोजनाओं की संख्या पूरी की। डॉ. सक्सेना ने भी एक अंतर्राष्ट्रीय संयुक्त अनुसंधान परियोजना जो J.S.P.S. जापान से मंजूर था पूरा किया।

डॉ. सक्सेना ने अपने मेधावी शोध कार्यो की मान्यता में कई सम्मान/पुरस्कार प्राप्त किये है। जिनमें से कुछ इस प्रकार है पर्यावरण विज्ञान हरिद्वार के इंडियन एकाडेमी के स्वर्ण पदक के प्राप्त कर्ता, विज्ञान की सीमाओं में नवीन अनुसंधान की दिशा में योगदान के लिए, भारत के जूलॉजिकल सोसाइटी, प्रायोगिक विज्ञान, एन एम बसु मेमोरियल पुरस्कार के एशियन जर्नल के सलाहकार बोर्ड के सदस्य द्वारा सम्मानित बौद्धिक और संभावित नेतृत्व, कोलकाता, गौरवशाली के लिए लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किये। अमेरिकी सलाहकार जीवनी संस्थान, रिसर्च फेलो अमेरिकी जीवनी संस्थान के अनुसंधान बोर्ड के सदस्य है। भारतीय जूलॉजिकल सोसायटी ने प्राणी विज्ञान की सेवा के लिए उन्हें सोने की पदक से सम्मानित किया है। मान्यता के अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार दुनिया के 5000 व्यक्तित्व के उत्कृष्ट अनुसंधान और अध्यापन के पेशे में सेवाओं के लिए अमेरिकी जीवनी संस्थान द्वारा उन्हें योगदान के लिए सम्मानित किया गया। कानपुर में 20 जून, 1998 को लायंस क्लब इंटरनेशनल सम्मानित शिक्षा सेवा पुरस्कार से उन्हें सम्मानित किया गया।

डॉ. सक्सेना विभिन्न शिक्षाविद समाज के आजीवन सदस्य है और पेशेवर समाज में संस्थापक महासचिव भारतीय समाज के जीवन विज्ञान के रहे हैं। वे ISCA से पीछले 35 सालों से जुड़े हुए हैं और ISCA के प्राणीशास्त्र, कीट विज्ञान और मत्स्य पालन के अनुभागीय समिति के सदस्य के रूप में पहले निर्वाचित हुए हैं। वे दो साल यानी 1992-1993 और 1993-1994 में प्राणीशास्त्र, कीट विज्ञान और मत्स्य पालन अनुभाग में रिकार्डर के रूप में निर्वाचित हुए हैं। बाद में वे परिषद के सदस्य के रूप में 2004-2005 और 2005-2006 और 2006-2007 में ISCA के कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए। 2007 में डॉ. सक्सेना ISCA के महासचिव (बाह्य) के रूप में 3 साल यानी 2010 तक निर्वाचित किये गये। डॉ. सक्सेना ISCA के कार्यकारी सदस्य के रूप में 2010-2011, 2011-2012 और 2012-2013 तक निर्वाचित हुए।

डॉ. सक्सेना को कई बार विज्ञान की उन्नति के लिए अमेरिकन एसोसिएशन, संयुक्त राज्य अमेरिका में बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किये गये। दक्षिण कोरिया के SKKU विश्वविद्यालय में एक वक्तव्य देने के लिए आमंत्रित किये गये। वे व्यापक रूप से दुनिया को कूच किये है।

103वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस का उद्घाटन कार्यक्रम



भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी उद्घाटन भाषण देते हुए ।



माननीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान केन्द्रीय मंत्री डॉ. हर्षवर्धन भाषण देते हुए ।



डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष, महाध्यक्षीय भाषण देते हुए ।



डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष और प्रो. के.एस. रंगप्पा, मैसूर विश्वविद्यालय के कुलपति भारत के माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को स्मृतिचिह्न भेंट करते हुए।



गणमान्य व्यक्ति मंच पर विज्ञान संचारक सम्मेलन की कार्यवाही का विमोचन करते हुए।



बाल विज्ञान कांग्रेस के दौरान “बीलियन बीट्स” भारत का नस जो डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम अंतर्राष्ट्रीय फाउंडेशन द्वारा मंच पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों द्वारा प्रकाशित किया गया।



महिला विज्ञान कांग्रेस के दौरान मंच पर माननीय मानव संसाधन विकास केन्द्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी, डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष और अन्य गणमान्य व्यक्तिगण।



भारत का गर्व (Pol) एक्सपो का उद्घाटन माननीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी और पृथ्वी विज्ञान, केन्द्रीय मंत्री, डॉ. हर्षवर्धन के साथ डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, महाध्यक्ष करते हुए।



समापन सत्र के दौरान भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री, श्री एच.डी. देवेगौड़ा और अन्य गणमान्य व्यक्ति।

अनुभागों से प्राप्त सिफ़ारिशें

कृषि और वानिकी विज्ञान अनुभाग

- असंतुलित और अपर्याप्त संयंत्र पोषक तत्व प्रयोग कम फसल उत्पादकता, कम खेत लाभप्रदता और भारतीय खेतों में कम पोषक तत्व उपयोग दक्षता के लिए एक प्रमुख कारण है। सटीक पोषक तत्व 4R पोषक तत्व प्रबंध सिद्धांतों के आधार पर प्रबंधन खेतों में पोषक तत्व उपयोग का अनुकूलन के लिए आवश्यक है।
- सटीक पोषक तत्व निर्णय आधारित जैसे पोषक तत्व विशेषज्ञ, हरे साधक, जीआई एस - आधारित उर्वरता नक्शे, STCR आदि विस्तृत मदद बेहतर पोषक तत्व प्रबंधन उपकरणों के उर्ध्व पैमाने होने चाहिए।
- पानी की कमी सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक है जो कि हमारी खाद्य सुरक्षा समझौता में से एक हो सकता है। जल संरक्षण संरचनाओं के विकास भागीदारी की दुकान है और वर्षा का पानी और अतिरिक्त नहर के पानी, और सटीक जल प्रबंधन रणनीति है कि फसल जड़ क्षेत्र के पास पानी की आपूर्ति जल उपयोग दक्षता में सुधार का उपयोग करें। सुरक्षा के मुद्दे इस संबंध में सिंचाई के पानी की गुणवत्ता (जैसे अपशिष्ट जल, दूषित सतह और भूमिगत जल, अनुपचारित सीवेज, औद्योगिक अपशिष्ट, आदि) के रूप में जैव संबोधित करने के लिए विचार किया जाना चाहिए।
- संरक्षण कृषि और अकार्बनिक अवशेषों की रीसाइक्लिंग के अंगीकरण में सामान्य रूप में मिट्टी कार्बनिक कार्बन स्टॉक और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार आवश्यक है। क्षमता और व्यावहारिक समाधान उपलब्ध कराने के अवशेष जल रहा है और उचित हैंडलिंग और ग्रामीण और शहरी कचरे की रीसाइक्लिंग को कम करने के लिए 'धन को बर्बाद' पर एक राष्ट्रीय रणनीति के विकास के लिए आवश्यक है। उत्तरार्द्ध वापस मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार के लिए क्षेत्रों के लिए जैविक अवशेषों की रीसाइक्लिंग के लिए राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन के साथ जोड़ा जा सकता है।
- 1:10000 पैमाने पर भूमि संसाधन सूची के कार्यान्वयन सूक्ष्म को पकड़ने के लिए आवश्यक है। ताकि भूमि क्षरण और सुधारात्मक उपायों पर विशेष जोर देने के साथ कृषि उत्पादन प्रणाली की विशिष्टताओं और उचित भूमि उपयोग की योजना बनाने का प्रस्ताव भी किया जा सके।
- जलवायु परिवर्तन दृढ़ता से हमारे कृषि उत्पादन प्रणालियों को प्रभावित करेगा। जनता के माध्यम से गर्मी, सूखे और अन्य जैविक और अजैविक तनाव सहिष्णु किस्मों के विकास के लिए अनुसंधान - निजी भागीदारी, और किसानों के लिए गुणवत्ता के बीज की आसान पहुँच अनुकूलन और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का शमन के लिए महत्वपूर्ण बने हुए हैं।
- आई सी ए आर और केन्द्र सरकार से डाटा अधिग्रहण की ज़रूरत है - वित्त पोषित लंबे - अवधि बहु - स्थान अनुसंधान परियोजनाएँ और उनके उचित भंडारण की ज़ोरदार सिफ़ारिश की गई थी। कई एजेंसियों द्वारा विश्लेषण के लिए डेटा पहुँच कृषि नीति मार्गदर्शन के लिए सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

- किसानों को खेतों में बेहतर तकनीकों के पैमाने के प्रभाव - मजबूत जोर बड़े दोहन के लिए विस्तार की ज़रूरत है। प्रौद्योगिकियों और लक्षित समूहों की सिनर्जी, आधुनिक ऑडियो का उपयोग, दृश्य एड्स, साथ ही आई सी टी - आधारित निर्णय का समर्थन उपकरण पोषक तत्व विशेषज्ञ की तरह मृदा स्वास्थ्य कार्ड कार्यक्रम के साथ संयोजन के रूप में वांछनीय है।
- गैर पेड़ वन की लोकप्रियता उत्पाद आजीविका सुरक्षा और आदिवासी क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए आवश्यक है।
- नहर बांध और तटीय बेल्ट के साथ बंजर भूमि जैव ईंधन के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उच्च तेल की उपज पेड़ की परवरिश, जिससे वाणिज्यिक ईंधन के प्रयोग से पर्यावरण पदचिह्न को कम करने से उत्पादक उपयोग करने के लिए रखा जा सकता है।

पशु, पशु-चिकित्सा और मात्स्यिकी विज्ञान

1. पशु व्यवहार जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक आपदा की ज़रूरत से संबंधित अध्ययनों संभावित अनुसंधान के लिए एक क्षेत्र के रूप में लिया जा सकता है।
2. जैवसंसाधन प्रकृति के अद्भुत उपहार हैं जिसका मानवजाति स्थिरता को प्रभावी ढंग से ग्रामीण आजीविका एवं आर्थिक विकास से जोड़ा जा सकता है, इसलिए विज्ञान की शिक्षा उचित प्रबंधन और जैव संसाधनों के सतत उपयोग के लिए छात्रों को आकर्षित करने के उद्देश्य होना चाहिए।
3. प्रजातियों की जमावड़ा के साथ हम ग्रह साझा करते हैं जो प्रतिनिधित्व करता है एक विशाल अप्रयुक्त आनुवंशिक पुस्तकालय, अनदेखा दवा और फायदेमंद पदार्थों के साथ। इसीलिए कार्यक्रम की ज़रूरत है एक दृश्य के साथ जीवन रूपों के अन्य कम ज्ञात संभावित किस्मों के अन्वेषण के लिए शुरू किया जा रहा है जिसे करने के लिए ग्रामीण आजीविका, भोजन, स्वास्थ्य और वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।
4. आसपास के क्षेत्र में पारिस्थितिक पदचिह्न को कम करने और स्वास्थ्य और स्वच्छता बनाए रखने के लिए व्यक्तियों की जैव विविधता संरक्षण भूमिका पर जनता में जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए।
5. पारंपरिक तकनीकी ज्ञान (TTK) और स्वदेशी प्रौद्योगिकी इसके पुररूद्धार और जैव संसाधनों और जलवायु परिवर्तन के अनुकूलन के क्षेत्र में सतत विकास के लिए मजबूत बनाने के दस्तावेज़ बनाया जाना चाहिए।
6. सार्वजनिक भागीदारी निर्णय बनाने में सुनिश्चित किया जाएगा और लोगों की भोजन, स्वास्थ्य और आजीविका सुरक्षा के साथ, पर्यावरण, आर्थिक और सामाजिक स्थिरता के एकीकरण किया जाना चाहिए।
7. जैव प्रौद्योगिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान, जैव सूचना विज्ञान और आधुनिक विषयों में स्नातक अध्ययन - मूल जीव विज्ञान स्नातक और पद का अभिन्न अंग बनाया जाना चाहिए।
8. इस कार्यक्रम के एक दृश्य के साथ जीवन रूपों के अन्य कम ज्ञात किस्मों के अन्वेषण के लिए शुरू किया जा रहा है जिसके लिए आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने की ज़रूरत है।
9. वन्यजीवों के संरक्षण के लिए आणविक उपकरण, विशेष रूप से लुप्तप्राय प्रजातियों के आवेदन के लिए अधिक से अधिक महत्व दिया जा सकता है।

10. रेशम के कीड़ों की मल्टीवॉल्टाइन दौड़ के सुधार दक्षता का उचित मूल्यांकन करने के लिए भारत के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के तहत परीक्षण किया जाना चाहिए।
11. जैव-आर्थिक मॉडलिंग अलग तालाबों और मछली उत्पादन में वृद्धि करने के दृश्य के साथ जलाशय प्रबंधन बाहर किया जाना चाहिए।
12. विभिन्न रोगों की समस्याओं और उनके प्रबंधन (मत्स्य पालन और पशुपालन आदि में) विवरण में बाहर काम किया जा सकता है।
13. सार्वजनिक - निजी भागीदारी (पी पी पी) के पर्यावरणीय समस्याओं और संरक्षण और ऐसे सभी प्रकार के जीवन है, जो भोजन, स्वास्थ्य और आजीविका सुनिश्चित करने के समुचित दोहन के हल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
14. जनसंख्या वृद्धि की जांच के लिए एक दृश्य के साथ, पुरुष प्रजनन के दोनों स्वदेशी और हाल ही में नवीन अनुसंधान के एकीकरण को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

मानव विज्ञान और व्यवहार परक विज्ञान

1. गरीबी पूर्वधारणा और राजनीतिकरण तीन पी, स सामाजिक सदभाव के लिए एक शर्त दोनों राष्ट्रीय और एकीकरण को परेशान कर रहा है। इसलिए, गरीबी उन्मूलन के प्रयासों, समूह के पूर्वधारणा को कम करना और वोट बैंक की राजनीति के लिए नेतृत्व हतोत्साहित राजनीतिकरण के लिए किया जाना चाहिए।
2. देश के स्वदेशी ज्ञान विशेष रूप से स्वास्थ्य के क्षेत्र कृषि, कला, शिल्प और हस्तकला के क्षेत्र में समृद्ध किया जाना चाहिए। स्वदेशी कौशल विकास स्वच्छता और साफ़ - सफ़ाई और आर्थिक गतिविधियाँ हैं।
3. स्वदेशी सबसोनिक मिसाइल (अक्टूबर, 2014 में निर्भया) की तर्ज पर हथियारों के स्वदेशी विकास आगे के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। डी आरडीओ के कई और अधिक हथियारों और मिसाइलों का विकास किया गया था और अधिक आवश्यकता इस दिशा में नए हथियारों को विकसित करने के लिए उत्पन्न हो गई है।
4. नीति - निर्माताओं को जोरदार तरीके से 'आयुष' को लागू करना चाहिए विशेष रूप से 'आयुर्वेद' और 'योग' के क्षेत्रों में। योग के लाभ वैज्ञानिक रूप से साबित कर दिया है। योग की स्वीकृति किया गया है, लेकिन अधिक से अधिक प्रयास कई शारीरिक और मानसिक बीमारियों को रोकने के लिए आवश्यक है। मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के योग से मदद की जा सकती है।
5. तनाव और अवसाद हमारे देश में बढ़ रही है। इससे किसानों, छात्रों और अन्य लोगों के अनुभाग की आत्महत्या की दर की वृद्धि इसके परिणामस्वरूप हो रहे हैं। यह सिफ़ारिश है कि सक्रिय नीतियों का मानसिक स्वास्थ्य बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित किया गया है। आत्महत्या के तीन चरणों के विचार है। प्रसास और 'आत्महत्या के विचार पैमाने पर' परीक्षा के माध्यम से पहचान के द्वारा प्रतिबद्धता बढ़ी। आत्मघाती लोगों की संख्या को कम किया जा सकता है।
6. हमारे स्कूल प्रणाली में एक नियमित दिनचर्चा परामर्श का हो जाना चाहिए।

7. पुरुषों का विकास ब्रह्मांड के लिए अलग-अलग व्यवहारवादी (वैदिक दार्शनिक) द्वारा दी गई लाइनों के आधार पर यतपिंडे-तत-ब्रह्मांडे है।

रसायन विज्ञान

1. प्रारंभिक चरण में रोगों के निदान के लिए सस्ते निदान किट के लिए प्रौद्योगिकी के विकास पर एक ज़ोर होना चाहिए।
2. विभिन्न जैव मार्करों को सेंसर - अनुसंधान के रासायनिक और जैव विकास के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
3. नैनोमेटेरियल्स के क्षेत्र में अनुसंधान आयोजित किया जाना चाहिए जो प्रदर्शन, इमेजिंग और प्रकाश अनुप्रयोगों में इस्तेमाल किया जाएगा।
4. हरी संश्लेषण और विद्युत कार्बनिक संश्लेषण विभिन्न विषमचक्रों और विषमचक्रीय स्काफोल्ड्स के तेजी से और कुशल संश्लेषण के लिए अनुकूलित किया जाना चाहिए।
5. ग्राफीन क्वांटम डॉट ऑप्टो इलेक्ट्रॉनिक और फोटोवोल्टिक अनुप्रयोगों के लिए बहुलक का आयोजन समय की मांग कर रहे हैं।
6. विद्युत और फोटोकैटालिटिक प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग के विभिन्न पर्यावरण जैविक प्रदूषण की खनिज के लिए विस्तार किया जाना चाहिए।
7. स्थायी दृष्टिकोण सौर ऊर्जा फसल के लिए फोटोगैलवानिक कोशिकाओं पर शोध अनुसंधान की प्राथमिकता क्षेत्र में होना चाहिए।

पृथ्वीतंत्र विज्ञान

1. हाल के भूवैज्ञानिक अनुसंधान और विकास में खनिज और राष्ट्रीय विकास के लिए खनन आधारित उद्योगों के साथ समामेलित किया जाएगा।
2. ऊर्जा और पानी की मांग में वृद्धि के साथ उनके उचित प्रबंधन और उपयोग के लिए भूवैज्ञानिक जांच के माध्यम से रणनीतियों और तौर-तरीकों को तैयार करने के लिए तत्काल आवश्यकता है।
3. बंगाल की खाड़ी में खनिज और ऊर्जा संसाधनों के चल रहे अध्ययन को बढ़ाने के लिए, अरब सागर और हिंद महासागर कड़ाई से ऊपर ले जाया जाएगा। ऐसे अंटार्कटिका और आर्कटिक के रूप क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन के अध्ययन की बेहतर समझ के लिए संदर्भ के साथ जारी रखा जा सकता है।
4. एक ज़रूरी शमन और प्राकृतिक खतरों (लगातार भूकंप, बाढ़, चक्रवात और तूफान, सुनामी, जन आंदोलन, ज़मीनी स्तर के उतार चढ़ाव आदि) भूवैज्ञानिक नज़रिए से जलवायु परिवर्तन सहित के प्रबंधन पर गौर करने की ज़रूरत है।
5. भूवैज्ञानिक चिंताओं के स्मार्ट शहरों की योजना बनाने में आवश्यक है।

6. भूविज्ञान उच्च और उच्चतर माध्यमिक स्तर के स्कूल के पाठ्यक्रम में वैकल्पिक विज्ञान विषय प्रशिक्षित स्नातकोत्तर द्वारा सिखाया एक रूप में शामिल किया जाना है।

अभियांत्रिकी विज्ञान

- नैनो प्रौद्योगिकी प्रस्ताव सुविधाओं में हाल के अग्रिमों के अगली पीढ़ी के पानी के उपचार और आपूर्ति प्रणाली विकसित करने के लिए किया गया है। नैनो प्रौद्योगिकी सक्षम पानी और अपशिष्ट जल उपचार-सरकार, विश्वविद्यालय और अनुसंधान संगठनों के बीच एक समन्वित प्रसास का समर्थन और परियोजनाओं को उजागर करने के लिए होना चाहिए।
- पारंपरिक साबित प्रौद्योगिकी में सुधार हुआ है, और विशेष रूप से आर्सेनिक और फ्लोराइड प्रभावित क्षेत्रों में ग्रामीण समुदाय के लिए पेयजल आपूर्ति की लागत प्रभावी समाधान के लिए आधुनिक तकनीक के साथ सहयोग में उपयोग किया जाना चाहिए।
- नदी ग्रेड नियंत्रण, बैंक संरक्षण, पानी की गुणवत्ता और जलीय निवास स्थान है और ये टिकाऊ पर्यावरण के लिए कार्यरत होने की जरूरत है जिसके रूप में पर्यावरणीय विशेषताएं नदी सुधार और प्रशिक्षण संरचनाओं आजकल जो सभी पनबिजली में शामिल नदी इंजीनियरिंग के सर्वाधिक महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक है। मेड़, फलक जम्मू जैसे डब्ल्यू के कई पर्यावरण के अनुकूल जलीय संरचनाओं के हुक और दलबदलुओं लॉग ऑन इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए नियोजित किया जा रहा है।
- पानी पकड़े सामग्री दोनों कपास और कोयले की राख की क्षमता खोजने पर अनुसंधान भीतरी मंगोलिया के दुर्गम क्षेत्र में रेतीले दुमट के रूप में प्रयोग किया गया था और यह भारतीय परिदृश्य में मूल्यांकन जलधारण की वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव का आकलन करने के लिए। इसके अलावा कोयले की राख की क्षमता, संयंत्र पर छिड़काव कण फिल्म के रूप में कृत्रिम जीयोलाइट के प्रभाव - पत्ते भी आगे बंजर मिट्टी में लवणता शमन के लिए अपनी क्षमता का उपयोग विविधता लाने के लिए मूल्यांकन किया जा सकता है।

पर्यावरण विज्ञान

1. इसे बनाने के लिए एक स्थायी रास्ता में जैव विविधता के संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए इतना हुआ कि इस नई अवधारणा स्वदेशी उद्योगों को स्थानीय संसाधनों के दोहन के विकास को बढ़ावा देंगे और इस तरह की लकड़ी, जलाऊ लकड़ी, फल के रूप में विभिन्न आजीविका सामग्री प्रदान करेगा जिसके लिए 'स्मार्ट ग्रीन बेल्ट' मॉडल की सिफारिश की गई है जो सब्जियों, पशु आहार, रेशम, लाख, शहद, बिजली, उर्वरक और दवा खपत के साथ ही पैदा आय के लिए किया गया।
2. यह पता लगाने के लिए दस्तावेज़ और बेहतर आजीविका के लिए बंजर भूमि और झीलों के संरक्षण के उद्धार और एक लागत प्रभावी और कार्यान्वयन तरीके से स्थायी परिस्थितिकी तंत्र को बनाए रखने के लिए सिफारिश की है।
3. यह स्थापित करने के लिए सिफारिश की है कि एक अखिल भारतीय सह-आकलन और हवा की गुणवत्ता (इनडोर और आउटडोर वायु गुणवत्ता) भारत के प्रमुख शहरों में से शमन अकार्बनिक की शर्तें (NO_x, SO_x, एसपीएम आदि) में और कार्बनिक पर समन्वित परियोजना (पराग और बीजाणु के कारण एलर्जी) प्रदूषकों पर किया जाय।

पदार्थ विज्ञान

1. गंगा नदी की सफाई के लिए और आवश्यक ध्यान दिया जाना है और निम्नलिखित जोर अनुसंधान और विकास के क्षेत्रों में डीएसटी द्वारा प्रोत्साहित किया जाना है :

- (क) चर्मशोधन-शालाएँ और अन्य उद्योगों से अपशिष्ट से ऊपर नाम रासायनिक अंशों को हटाने के लिए सरल तकनीक विकसित किया गया है ताकि गंगा नदी स्वच्छ हो जाता है।
- (ख) अंतिम गुणवत्ता से समझौता किए बिना चमड़े का कमाना के लिए बेसिक क्रोमियम सल्फेट प्रतिस्थापन के लिए पर्यावरण - अनुकूल वैकल्पिक सामग्री कम - डाली, विकास के लिए शोध कार्य किया गया।
- (ग) पोर्टेबल परीक्षण किट (पारंपरिक रासायनिक सेंसर और सेंसर नैनो सामग्री के आधार पर) औद्योगिक अपशिष्ट से क्रोमियम का पता लगाने के लिए किया गया है।
- (घ) नैनो फिल्टर, क्रियाशील सीएनटी के साथ छितरी विकसित किया जाना है।

गणितीय विज्ञान (सांख्यिकी सहित)

1. प्रायोगिक गणित पर अधिक बल दी जानी चाहिए।
2. डेटा विश्लेषण, कोडन सिद्धांत, सॉफ्ट कम्प्यूटिंग और मशीन खुफिया भी गणित विभाग में शामिल किया जा सकता है।
- 3) गणित, इंजीनियरिंग और अन्य विज्ञान विषयों के बीच सहयोग होना चाहिए।
- 4) उपरोक्त तथ्य यह गणितीय मॉडलिंग और शारीरिक समस्याओं का अनुकरण, 'मेक इन इंडिया' का नारा सफल होने के लिए समय और दोहराया प्रयोगों की लागत बचाने के कारण है।
- 5) गणितज्ञों (शुद्ध, प्रायोगिक, सांख्यिकी) आपने अनुसंधान के साथ एक सा आवेदन ज़रूरत के अनुसार परिणामों के बारे में सोच की ज़रूरत है।
- 6) तकनीकी (शिक्षा और अनुसंधान) संस्थानों के गणित का विषय है और सबसे आगे में संबंधित सुविधाओं के रखने का कारण है यह केवल ऐसा विषय है जो बिना किसी अन्य विषयों के सफलता परिणामों के लिए विकसित हो सकता है।
- 7) सभी के लिए गुणवत्ता गणित शिक्षा प्रदान करना है।
- 8) सभी शिक्षकों को अवसर उपलब्ध कराने के लिए अपने गणितीय ज्ञान में निरंतर व्यावसायिक विकास किया जाए
- 9) गणितज्ञों के गणित के लिए सभी स्तरों पर शिक्षण में सुधार की आवश्यकता की पहचान करनी चाहिए।
- 10) गणित के लिए एक सुसंगत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विकसित किया जाना चाहिए।
- 11) शिक्षण और सीखने के गणित में आधुनिक समाज की ज़रूरतों के साथ तालमेल रखना चाहिए।

आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)

- क) हमारे देश में स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण और जीवन शैली प्रक्रिया में सुधार किया जाना चाहिए। इसलिए विषयों पर चर्चा की जानी चाहिए और शानदार तरीकों से अनुभाग द्वारा ध्यान रखा जाना चाहिए।
- ख) उचित स्वच्छता प्रधानमंत्री का नारा गूँज बनाए रखा जा रहा है 'स्वच्छ भारत' का जिसका अर्थ है साफ़-सफ़ाई और हमारे देश का उचित स्वच्छता।

ग) पोषण : भारत में एक सौ तीस करोड़ की आबादी है, जिसमें से जो 60% से अधिक है दोनों को कैलरी बिंदु के रूप में अच्छी तरह से सूक्ष्म पोषण आहार सहित तैयार करने से पोषण के नीचे पीड़ित हैं। वे खाद्य पदार्थों के उचित प्रकार नहीं कर रहे हैं। इन अंतः विभिन्न संक्रमण रोगों के लिए गरीब प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया में यह परिणाम है। दूसरी तरफ विभिन्न संक्रमण रोगों के लिए गरीब प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया परिणाम में आमंत्रित किया है। बजाय दूसरी ओर रोगों को आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा, गरीब पोषण या पोषण से अधिक और संचारी रोगों के विभिन्न प्रकार बनाना है। यह हमारे समाज को बोझ के साथ (1) हृदय दुर्घटना (2) मस्तिष्क संवहनी दुर्घटना (3) कैंसर (4) मधुमेह देगा इसे ठीक से संबोधित किया जाना चाहिए।

(घ) हमारे पर्यावरण की आबादी सीओपीडी के कई मानव रोग, विभिन्न हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, कैंसर, मधुमेह, बांझपन आदि के लिए नेतृत्व कर रहे हैं।

न केवल आधुनिक चिकित्सा विज्ञान, हम भी आयुर्वेदिक, होमियोपैथी, परंपरा औषधीय प्रथाओं और चिकित्सा सहित हमारे स्वदेशी चिकित्सा पद्धतियों पर अध्ययन के बराबर तनाव को देखते हुए करते हैं। इस संबंध में, हमारी लोक दवाएं जो भी इन बातों के केंद्र में आते हैं उसे भी संबोधित किया जाना चाहिए। अब एक दिन, उदाहरण के लिए, ग्रामीण क्षेत्र में करीब 50,000 लोग प्रतिवर्ष विष साँप के कारण मर रहे हैं, ताकि यह काटने से संबोधित किया गया है इसकी इस कटिबंधों के लिए सबसे उपेक्षित रोग है। इसलिए इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए।

नवजीव विज्ञान

- 1) नवजीव विज्ञान एक व्यापक क्षेत्र है। तदनुसार, यह वांछित था कि प्रस्तुतियाँ, आगे से विशिष्ट विषयों के आधार पर वर्गीकृत किया जाना चाहिए।
- 2) माइक्रोबायोलॉजी के क्षेत्र में ज्यादा ध्यान दिया गया क्योंकि इन वर्षों में कई आवेदन इसके आने है। यह महसूस किया गया है कि इस क्षेत्र को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- 3) कोशिका जीव विज्ञान और संकेत तंत्र कई लोगों के लिए ब्याज का क्षेत्र था।
- 4) मधुमेह पर प्रस्तुतियाँ अच्छी तरह से आणविक पहलुओं में अंतर्दृष्टि से शुरू की सराहना कर रहे थे।
- 5) प्रोटीन और साँप के जहर के संबंध में एंजाइमों के क्षेत्र हित का एक क्षेत्र था और प्रोत्साहित किया जाना चाहिए था।
- 6) ग्लाइकोसामिनोग्लाइकानस सहित सेल संचार हित का एक क्षेत्र था।

पादप विज्ञान

1. संयंत्र - माइक्रो बियल जड़ प्रणाली के संबंध में संयंत्र रोगों और उत्पादकता में वृद्धि से सुरक्षा की फसल के लिए पृथ्वी की सतह के नीचे सूक्ष्म जीव जो लाभकारी गुण प्रदान पाया गया है, वह और अधिक अनुसंधान बाहर के संयंत्र को और आगे बढ़ा सकता है।
2. आदेश में विकसित करने और प्रमाण के माइक्रोबियल आइनोकूलांटस तैयारियाँ और किसान के क्षेत्र में अपने आवेदन के लिए बड़े पैमाने पर उत्पादन करने के लिए, स्वदेशी उपभेदों की जांच की और विभिन्न कृषि पर पदोन्नत किया जा सकता है - देश के विशिष्ट क्षेत्र की जलवायु परिस्थितियाँ।

3. स्वदेशी उपलब्ध ज्ञान, आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान के साथ सम्मिश्रण के रूप में फसल के पौधों की औसत उपज के मामले में बढ़ती किसान की अर्थव्यवस्था में अपने व्यावहारिक अनुप्रयोग को लागू करने के लिए विचार किया गया है।
4. शैक्षिक स्तर के और कार्यान्वयन एजेंसियों के माध्यम से इस क्षेत्र में कौशल विकास के लिए, तरीके ईजाद करने के लिए सरकारी प्रयास किया जा सकता है।
5. वहाँ कौशल आधारित शिक्षण प्रदान करने की ज़रूरत है - 4 साल स्नातक कार्यक्रम की शुरुआत के माध्यम से पर्यावरण की चिंता सहित पाठ्यक्रम में संशोधन के मध्यम से पादप विज्ञान के क्षेत्र में सीखा जा सकता है।
6. वहाँ कौशल आधारित शिक्षण प्रदान करने की ज़रूरत है - 4 साल स्नातक कार्यक्रम की शुरुआत के माध्यम से पर्यावरण की चिंता सहित पाठ्यक्रम में संशोधन के मध्यम से पादप विज्ञान के क्षेत्र में सीखा जा सकता है।
7. औषधीय पौधों और योगों से संबंधित पारंपरिक ज्ञान के वैज्ञानिक मान्यता के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए और स्वदेशी विकास और हर्बल उपचार के मानकीकरण को बढ़ाया जा सकता है।
8. जैव विविधता की कमी मानवजनित तनाव और आक्रामक विदेशी पौधों की विलासी विकास की वजह से काफ़ी आदेश पारिस्थितिकी तंत्र स्थिरता बनाए रखने के लिए कम किया जाना चाहिए।

अन्य कार्यकलाप

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था - शाखा

1962-1963 से इस संस्था ने भारत के विभिन्न केन्द्रों के द्वारा लोकप्रिय विज्ञान संबंधी व्याख्यानों का आयोजन करना प्रारंभ किया। इस परियोजना ने सृजनात्मक कार्य द्वारा विज्ञान को लोकप्रियता एवं विकास की गतिशीलता का वर्ष भर बनाये रखा। 1985-1986 पर्यंत देश के सतरह केन्द्रों तक व्याख्यानों का क्रम जारी रहा। क्षेत्रीय ध्यायों जिसका निर्माण 1986-1987 में हुआ उसके साथ ही इनके क्रियाकलापों की पुनर्संरचना की गई।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का प्रमुख लक्ष्य है लोगों में वैज्ञानिक कि आस्था का संचार करना और युवा वैज्ञानिकों को प्रोत्साहित करना ताकि वे महत्वपूर्ण मौलिक, प्रायोगिक एवं क्रियाशीलकार्यों से संबंधित कार्यक्रमों में संलग्न होकर तीव्रगति से विकसित हो सकें। इन लक्ष्यों को दृष्टिकोण में रखते हुए भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था ने भारत के विभिन्न स्थानों पर 1986-1987 से नये अध्यायों को प्रारंभ किया। अभी भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के 27 अध्याय इन स्थानों पर लागू किए गए, यथा इलाहाबाद, अमरावती, औरंगाबाद, वनस्थली, बेंगलूरु, बड़ोदा, भोपाल, भुवनेश्वर, कोचीन, चेन्नई, कोयम्बटूर, दिल्ली, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, जयपुर, जम्मू, कानपुर, कोलकाता, कुरुक्षेत्र, नागपुर, पटियाला, सागर, पटना, पांडिचेरी, शिलांग और तिरुपति।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था शाखाओं का मुख्य आकर्षण (2015-2016)

ISCA बड़ोदा शाखा

‘प्राकृतिक संसाधनों के हाइपरस्पेक्ट्रल सुदूर संवेदना’ पर राष्ट्रीय कार्यशाला वनस्पति विज्ञान विभाग, बड़ौदा के महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के साथ संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम का जन्म दिवस मनाया गया, जी आई एस और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी ISTAR वल्लभ विद्यानगर के साथ दो दिनों का राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जैव विविधता पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है और अंतर्राष्ट्रीय मासिक धर्म दिन भी मनाया गया।

ISCA बंगलौर शाखा

कला, विज्ञान और वाणिज्य के एम.एस. रमैया कॉलेज के साथ सहयोग में “विज्ञान और भारत में स्वदेशी के विकास के लिए प्रौद्योगिकी” पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। पाँच वक्ताओं, एक मुख्य भाषण, चार पूर्ण व्याख्यान, 48 शोध पत्र, 8 सत्रों और 42 पोस्टर में प्रस्तुत किए गए जीवन विज्ञान के प्रख्यात हस्तियों की अध्यक्षता में हुई। विज्ञान और समाज पर एकदिवसीय कार्यशाला और स्वास्थ्य और चिकित्सा पर जैवआणविक अनुसंधान पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। स्वर्गीय डॉ. ए.पी.जे अब्दुल कलाम की 84 वीं जन्म दिवस के अवसर पर उत्सव का आयोजन किया गया। प्रो. बी.थीम गौड़ा, कुलपति, बंगलौर विश्वविद्यालय, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के योगदान को युवा लोगों के लिए प्रेरणा का एक फव्वारे के रूप में प्रकाश डाला।

ISCA भुवनेश्वर शाखा

स्वर्गीय ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का जन्मदिन मनाया गया। एक अंतर्विद्यालयी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है और एक लोकप्रिय व्याख्यान प्रो. व्ही चन्द्र प्रशेखर, निदेशक, NISER द्वारा दिया गया था। 200 से अधिक छात्रों और संकाय सदस्यों ने कार्यक्रम में भाग लिया। एक तीन दिन का राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन विषय भारत में स्वदेशी के विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर आयोजन किया गया जहाँ 400 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। कुल मिलाकर 26 आमंत्रित वार्ता पूरे भारत से प्रख्यात वैज्ञानिकों और संकाय सदस्यों के द्वारा दिया गया था। 250 से अधिक युवा शोधकर्ताओं ने संगोष्ठी का पोस्टर सत्र में काम किए

जो उन्होंने प्रस्तुत भी किया था। पोस्टर का मूल्यांकन किया गया और सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस 2016 के आई आई टी विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर में मनाया गया। 200 से अधिक प्रतिभागियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। एक लोकप्रिय व्याख्यान प्रो. अजीत कुमार मोहंती, निदेशक, साहा इंस्टीट्यूट ऑफ़ न्यूक्लियर फिज़िक्स, कोलकाता द्वारा दिया गया था।

ISCA चेन्नई शाखा

चेन्नई शाखा गतिविधियों को सक्षम करने को लिए सुविधा के माध्यम से स्वदेशी घटनाओं की झलक को दिखाने और सामाजिक निर्माण किया गया है। 4 दिनों का एक दिवसीय संगोष्ठी कार्यशाला और ‘ऊर्जा, पर्यावरण और सशक्तिकरण के रूप में तीनों ई के सामाजिक वैज्ञानिक कार्यों के 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन हुए। आजीवन और वार्षिक सदस्यों के सरकारी पदाधिकारियों के साथ सहयोग में यह करवाया गया। कुछ इस प्रकार है: ‘: प्रो. गुंथर एंडरसन की बात - 29 अक्टूबर 2015, दो विज्ञान संचारकों का चयन, 30 अक्टूबर 2015, विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन- भारत में स्वदेशी विकास - NCST - IDI 2015, 26-28 नवम्बर 2015, राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह, 28 फरवरी 2016, स्वदेशी भारत (SII) के लिए विज्ञान - 28 मार्च 2016 करवाया गया।

ISCA कोचीन शाखा

भारत में स्वदेशी के विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संगठित संगोष्ठी, 6 सत्रों में 16 आमंत्रित वार्ता की रचना की; प्रकाश और प्रकाश आधारित प्रौद्योगिकियों का अंतरराष्ट्रीय वर्ष; भारतीय योगदान, आदमी और पर्यावरण; मछली के घरेलू विपणन - उभरती प्रौद्योगिकियाँ, भारत में सतत विकास हिविया फसल के विशेष संदर्भ के लिए संयंत्र आनुवंशिक संसाधनों की उपयोगिता, बायोप्लॉक - जल कृषि के विकास के लिए एक अभिनव प्रौद्योगिकी, मछली पकड़ने के लिए प्रौद्योगिकी का विकास, गुण और मछली प्रोटीन हाइड्रोलाइसेट्स के अनुप्रयोग - एक समीक्षा, समुद्र खाद्य एलर्जी - एक समीक्षा, समुद्री न्यूट्रिसिटिक्स और मानव, समुद्री तट जमा के सतत प्रबंधन के लिए तलछट बजट; संभावित संयंत्र प्रोबायोटिक सूक्ष्मजीवों के लिए केरल के स्वदेशी जैव विविधता की खोज, प्रबंधकीय उत्कृष्टता की ओर; अवसरों और खतरों - भारत में बनाने के बुनियादी ढांचा क्षेत्र से एक प्रबंधन के नज़रिए, स्वदेशी तकनीकी ज्ञान, पारंपरिक मछली पालन परिदृश्य के लिए एक वरदा, वेमबनाद झील में मछली अभयारण्यों के माध्यम से प्राकृतिक संसाधनों के सतत प्रबंधन के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकी, फसल और स्वदेशी के घटनाक्रम - मत्स्य पालन में योगदान।

ISCA कोयम्बटूर शाखा

बायोमेडिकल एप्लीकेशन ऑफ नैनोफिबरिल्स पर व्याख्यान, ‘साइंटिफिक अप्रोचेस इन जुडिसियस मैनेजमेन्ट ऑफ नेचुरल रिसोर्स’ पर एक दिवसीय संगोष्ठी, ‘एरोपोनिक्स-सॉयललेस कल्टीवेशन’ पर व्याख्यान, डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जन्मदिन समारोह पर स्मरणोत्सव, पेड़ पौधे लगाए, स्कूल और कॉलेज के छात्रों के लिए फोकल थीम ‘भारतीय पारंपरिक ज्ञान पर प्रदर्शनी रखी गयी। स्कूल के छात्रों को जैविक विज्ञान में हॉल के रूझानों को पता करने के लिए संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। पारंपरिक ज्ञान पर एक दिवसीय संगोष्ठी, राष्ट्र निर्माण के लिए एक वरदान, राष्ट्रीय विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग कोयम्बटूर जिले के तीन अलग-अलग ग्रामीण स्कूलों में आयोजित किया गया। अपनाया गाँव धनलक्ष्मीपुरम में शौचालय का निर्माण किया गया और दलित लोगों को सौंप दिया गया। अलगगाव के लिए गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे, अलग डिब्बे में प्रदान किया गया।

ISCA दिल्ली शाखा

डॉ. स्वरूप परिदा को ISCA प्राण वोहरा पुरस्कार NRCPB, पूसा संस्थान, दिल्ली के साथ संयुक्त रूप से आयोजन किया गया। दो व्याख्यान मीडिया सेंटर, गुडगाँव में आयोजित किया गया, डॉ. सुनीता गुप्ता, एक्वोपन्कनचरिस्ट और डॉ. रीता बनिक् द्वारा जिन्होंने कैसे कैसर का गठन हुआ उस पर आलोचना किए और उसे कैसे ठीक किया जा सकता है। स्वास्थ्य और स्वच्छता के प्रति जागरूकता वार्ता दो गाज़ियाबाद के स्कूलों में गरीब बच्चों के लिए आयोजित किए गए - जिम किरण फाउंडेशन और सेंट फ्रांसिस स्कूल में एक साथ

डॉ. सचिन भार्गव और डॉ. कांतिझाँ **IMA** गाज़ियाबाद स्पर्श एनजीओ ने बच्चों और उनके माता-पिता का एक स्वास्थ्य जांच शिविर का अंजाम दिया। स्क्रीनिंग सह जागरूकता शिविर दौड़ के सहयोग से (कैंसर में शासनकाल) गैर सरकारी संगठन, रोको (मोबाइल स्क्रीनिंग उपकरण) कमल अस्पताल में आयोजित किया गया था। विरोधी - धूम्रपान जागरूकता चित्रकला प्रतियोगिता 15,000 स्कूली बच्चों **IMA** गाज़ियाबाद के साथ भागीदारी में 3 सबसे अच्छा चित्र प्रत्येक स्कूल से सम्मानित किया गया।

ISCA हरिद्वार शाखा

विज्ञान संचार चयन का आयोजन किया गया। (मंगलौर, रूड़की के पास। गाँव मुनदियाकी अपनाया और एक शौचालय और बाथरूम का निर्माण किया गया जिसका उद्घाटन प्रोफेसर ए.के. सक्सेना, महाध्यक्ष **ISCA** द्वारा किया गया। गौरी गांगुली स्मारक अवार्ड व्याख्यान 2014-15 के लिए आयोजित किया गया। नवीन आविष्कारों की प्रदर्शनी में गई नकद पुरस्कार बहादुराबाद ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित किया गया। 05 लोकप्रिय विज्ञान व्याख्यान गाँव के विद्यालयों में आयोजित किये गये। भारत में स्वदेशी विकास इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के संकाय में आयोजित विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी पर राष्ट्रीय सम्मेलन किया गया। नकद पुरस्कार और प्रमाण पत्र मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियों के लिए दिए गए थे। डॉ. ए.पी.जे. कलाम का जन्म दिन मनाया गया। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस, जवाहर नवोदय विद्यालय रोशनाबाद, हरिद्वार में मनाया गया। वक्ता प्रो. आर. जैन ग्वालियर और प्रो. एस. कुमार, कुलपति, हरिद्वार थे। विज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित किया गया।

ISCA कानपुर शाखा

गाँव मंधना का सर्वेक्षण और गोद लेने के लिए और मुक्त करने के लिए स्वच्छ भारत अभियान और कपड़ों का वितरण, डॉ. महेन्द्र सिंह, मछली आनुवंशिक संसाधनों का राष्ट्रीय ब्यूरो द्वारा व्याख्यान के तहत जाँच शिविर और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता व्याख्यान, डॉ. आरुषि चौधरी, आई आई टी, डॉ. पुनीत कक्कड़, जीवेके बायोसाइंसेज, हैदराबाद द्वारा दिया गया। डॉ. अब्दुल कलाम उत्सव दयानंद गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, कानपुर के परिसर में 15 अक्टूबर, 2015 में आयोजित किया गया। प्रो. अरविंद सक्सेना - पूर्व निदेशक डी.एम.एस.आर. डी.ई ने समारोह का उद्घाटन किया और एक वृत्तचित्र डॉ. कलाम के अत्यंत मूल भावना योगदान चित्रण को प्रदर्शित किया गया था। इसके बाद छात्रों के लिए प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता किया गया। विज्ञान संचारकों का चयन, जूनियर हाई स्कूल में स्वास्थ्य और स्वच्छता पर व्याख्यान, मंधना डॉ. अंशु मिश्रा द्वारा, डी.जी. कॉलेज, कानपुर के सभागार में दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन, “विज्ञान और भारत में स्वदेशी के विकास के लिए प्रौद्योगिकी” पर किया गया। पूर्व कुलपति एस.वी. विश्वविद्यालय और पूर्व महाध्यक्ष, **ISCA** प्रो. रामामूर्ति, सत्र की अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि श्रीमती कुमकुम स्वरूप ने दीप प्रज्वलित कर सेमिनार का उद्घाटन किया। सम्मानीय अतिथि श्री गौरवेन्द्र स्वरूप, **ISCA** के महाध्यक्ष, डॉ. अशोक के. सक्सेना, महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) प्रो. अरुण कुमार और अन्य कार्यकारिणी समिति परिषद के सदस्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को अच्छी तरह से इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया द्वारा प्रसारित किया गया था।

ISCA कोलकाता शाखा

दो दिनों का वैज्ञानिक संगोष्ठी **RCB** सारस्वत मंदिर, नवद्वीप, नदिया में आयोजन किया गया। महाध्यक्ष, प्रो. ए.के. सक्सेना, श्री पुण्डरिकाक्ष साहा, राज्यमंत्री, पी एचई, पश्चिम बंगाल सरकार के साथ समारोह का उद्घाटन किया। चिकित्सा दिवस **NICED**, कोलकाता में संगोष्ठी के साथ मनाया गया। दो ग्रामीण स्कूलों में आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी (श्यामपुर उच्च विद्यालय, हावड़ा और शांतिपुर मुस्लिम हाई स्कूल, नदिया) और विज्ञान संचारक सम्मेलन का विज्ञान कॉलेज में व्यवस्था किया गया।

ISCA कुरुक्षेत्र शाखा

विज्ञान प्रदर्शनी और विज्ञान के प्रति जागरूकता का कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्र के स्कूल के छात्रों के बीच “कलाम के लिए चल” और एक गतिविधि “वैज्ञानिक के साथ” और स्वच्छता के प्रति जागरूकता ग्रामीणों के बीच आयोजन किया गया। RSTTMI-16, भारत में बनाने की दिशा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की भूमिका पर राष्ट्रीय विज्ञान सम्मेलन, उभरती प्रवृत्तियाँ और प्रौद्योगिकी, उभरते परिदृश्य और वैश्विक चुनौतियाँ रसायन विज्ञान का आयोजन किया गया। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत अभियान तत्वावधान में दो शौचालय मर्दों के लिए एक और महिलाओं के लिए अन्य दयालपुर गाँव में निर्माण किया गया है।

ISCA नागपुर शाखा

विश्व पृथ्वी दिवस, राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का उत्सव “स्वच्छ ऊर्जा और स्वच्छ भंडारण प्रौद्योगिकी” प्रशिक्षण हाथ सौर लैंप बनाने के लिए, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कीड़े खाद, मधुमक्खी पालन, प्रोटीन और खुशबूदार तेल निष्कर्षण और जैव उर्वरक उत्पादन तकनीक सहित कई कार्यशालाओं, औषधीय पौधों और उद्यमशीलता की क्षमता का खेती किया गया। वन संसाधनों के दस्तावेज, टडोबा राष्ट्रीय उद्यान के औषधीय पौधों के बाहर किया गया था और लोगों के नवे गाँव खैरी की जैव विविधता रजिस्टर तैयार किया था। संगोष्ठी प्रतियोगिता अनुसंधान विद्वान छात्रों के लिए आयोजित किया गया। विज्ञान और पर्यावरण निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, रैली और विज्ञान प्रदर्शनी उच्च विद्यालय के छात्रों के लिए आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सम्मेलन “कृषि जैव विज्ञान में नवाचार” राष्ट्रीय विज्ञान दिवस प्रदर्शनी, वैज्ञानिक पोस्टर और मॉडल प्रस्तुति और “वर्तमान विज्ञान की शिक्षा प्रणाली पर अंतः वाद विवाद प्रतियोगिता के साथ मनाया गया भारत में वैश्विक चुनौतियों” का सामना कर सकते हैं।

ISCA तिरुपति शाखा

छह व्याख्यान जैव बहुलक प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन, वाटरशेड, हरी ऊर्जा, कार्बन सिंक और जल संचयन के रूप में रामबांस वृक्षापोरण पर प्रख्यात वैज्ञानिकों द्वारा कालेजों में व्यवस्था की गई। उल्लेखनीय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दिन-पृथ्वी दिवस पर्यावरण दिवस, विज्ञान दिवस और खाद्य दिवस मनाया गया। बागवानी विश्वविद्यालय, कृषि विश्वविद्यालय और चित्तौड़ जिले NERDCAP की भागीदारी के साथ एक स्थायी केंद्रित प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में हिन्दी सप्ताह समारोह का आयोजन हिन्दी सप्ताह समारोह का अवलोकन

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था में दिनांक 09.09.15 को हिन्दी सप्ताह का उद्घाटन टिप्पण प्रतियोगिता से किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. अमित कृष्ण दे, कार्यकारी सचिव ने किया। इस कार्यक्रम में डॉ. अरूण कुमार पाण्डेय, सहायक कार्यकारी सचिव भी उपस्थित थे। हिन्दी सप्ताह समारोह में बहुत सी प्रतियोगिताएँ रखी गयीं और लोगों ने खूब मजे लेकर इसमें भाग लिया। दिनांक 14.09.15 को संस्था के हिंदी सप्ताह समारोह का समापन सत्र प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता से मनाया गया। श्री कैलाश नाथ यादव, सदस्य सचिव, नराकास ने हिन्दी कार्यशाला लिया और श्रुतलेख प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका अदा किए। इस कार्यक्रम के पुरस्कार वितरण समारोह में डॉ. विजय लक्ष्मी सक्सेना, भूतपूर्व महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) ने प्रतिभागियों को पुरस्कार वितरण किये।

प्रकाशनें

दिव् वार्षिक जर्नल 'एवरीमैन्स साइंस' (वाल्जूम L नं 1-6) को तैयार किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकाशन थे। आई.एस.सी.ए., 2015-2016, वार्षिक रिपोर्ट 2014-2015 सिनोप्सिस ऑफ द प्रजेन्टेशन्स ऑफ आई.एस.सी.ए. यंग साइंटिस्ट एवार्डीज फॉर 103 वाँ आई.एस.सी., एब्स्ट्रेक्ट्स ऑफ बेस्ट फेस्टर अवार्ड प्रोग्राम फॉर 103 वाँ ISC एंड प्रोसिडिंग्स (कन्टेनिंग प्रेसिडेन्सियल एड्रेस, एब्स्ट्रेक्ट्स ऑफ प्लैटिनम जुबली लेक्चर, एवार्डस लेक्चर, पेपर्स प्रेजेन्टेड तथा विभिन्न अनुभागों, के आमंत्रित व्याख्यान शृंखला।

अन्य विषयक्रम

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की बैठकें

वर्ष 2015-2016 में विभिन्न निकायों की निम्नलिखित बैठकें आयोजित की गईं -

निकायों के नाम	आयोजित बैठकों की अवधि
कार्यकारिणी समिति	मई 05, 2015 अक्टूबर 03, 2015, जनवरी 02, 2016 जनवरी 2016 (जनवरी 07, 2016 तक स्थगित किया गया)
परिषद	मई 06, 2015 अक्टूबर 4, 2016 जनवरी 02, 2016 (जनवरी 07, 2016 तक स्थगित किया गया)
वित्त एवं स्थापना	मई 05, 2015 अक्टूबर 03, 2015 जनवरी 02, 2016
सलाहकार समिति	मई 05, 2015 अक्टूबर 03, 2015

उपर्युक्त विषयों के अतिरिक्त, दो बैठकें महाध्यक्ष का 103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागीय अध्यक्षों के साथ मई 06, 2015 अक्टूबर 04, 2015 को आयोजित की गईं। इसके साथ ही, भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के अध्यायों के संचालकों के साथ जनवरी 02, 2016 को बैठक आयोजित की गईं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था का 2015-2016 के दौरान अन्य संगठनों में प्रतिनिधित्व :

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, नई दिल्ली

प्रो. एस.एस. काटियार : महाध्यक्ष (2001-02) ISCA और पूर्व कुलपति, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और कुलपति, सी.ए.कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के स्नातकोत्तर संस्थान, चंडीगढ़

प्रो. बी.पी. चटर्जी पूर्व महासचिव, ISCA अवकाश प्राप्त प्रोफेसर, पश्चिम बंगाल प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, सेक्टर-1, बी.एफ-142, सॉल्टलेक, कोलकाता।

जे.आई.पी.एम.ई.आर.पुडुचेरी (जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान) :

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, सी.एस.जे.एम विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश

राष्ट्रीय इंजीनियरिंग अकादमी, गुड़गाँव

डॉ. एन.बी.बासु, महासचिव (सदस्यता कार्य) ISCA प्रधान मुख्य इंजीनियर (सी) और सी.एम.ई (पी और डी) कोलकाता नगर निगम, कोलकाता

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान (AIIMS), नई दिल्ली

डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, प्राणी शास्त्र विज्ञान के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान (AIIMS), भोपाल

डॉ. श्रीमती विजय लक्ष्मी सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, प्राणी शास्त्र विज्ञान के प्रमुख, दयानंद गर्ल्स स्नातकोत्तर कॉलेज, कानपुर।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, भुवनेश्वर

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना, पूर्व महासचिव, ISCA, पूर्व डीन, विज्ञान संकाय, सी.एस.जे.एम विश्वविद्यालय, कानपुर, उत्तर प्रदेश

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, जोधपुर

प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सेमती, महाध्यक्ष (2013-14), ISCA, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अम्बेदकर विश्वविद्यालय, लखनऊ - 226 025

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, पटना

प्रो. एस.एस.काटियार महाध्यक्ष (2001-02), ISCA और पूर्व कुलपति, छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर और कुलपति, सी.ए.कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, कानपुर और पूर्व अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा परिषद, लखनऊ उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, रायपुर

प्रो. एच.पी. तिवारी, पूर्व महासचिव ISCA, इलाहाबाद,

चिकित्सा विज्ञान के सभी भारतीय संस्थान, ऋषिकेश

डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती, पूर्व महासचिव ISCA, वैज्ञानिक जी (निदेशक ग्रेड) और प्रधान पैथोफिजियोलॉजी प्रभाग राष्ट्रीय हैजा और आंतों के रोग संस्थान (ICMR) कोलकाता।

सदस्यता

विभिन्न सदस्यता वर्गों का त्रिवार्षिक झुकाव निम्नोक्त तालिका से परिलक्षित होता है।

	101 वाँ सत्र (2013-2014)	102वाँ सत्र (2014-2015)	103वाँ सत्र (2015-2016)
आजीवन सदस्य	24,050	26,782	29,059
वार्षिक सदस्य	8,253	6,642	4,920
सत्रात्मक सदस्य	2,111	2,127	4,195
छात्र सदस्य	755	2,227	3,702
विशिष्ट दाता	18	20	23
संस्थागत दाता	31	31	33
संस्थागत सदस्य	8	12	8
कुल	35,226	37,841	41,940

संगठनात्मक आकृति

जीबी/जीसी/एफसी की रचना :

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासभा (जेनरल बडी) की रचना में सभी सदस्यों (मतदान के अधिकार युक्त) और संस्था के सभी प्रतिष्ठित सदस्यों को समाहित किया है।

परिषद में सन्निहित है - (1) कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य (2) संस्था के सभी वैसे सदस्य या प्रतिष्ठित सदस्य जो कि संस्था में महा अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष (3) अनुभागीय अध्यक्षगण (4) महा सभा द्वारा निर्वाचित संस्था के सात सदस्यगण (5) कोलकाता म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा नामित एक सदस्य (6) वित्त एवं स्थापना समिति के सहयोजित (को अप्टेड) सदस्यगण, (7) एवरीमैन्स साइंस के संपादक प्रमुख (एडिटर-इन-चीफ) और इंडियन नैशनल साइंस अकादमी (आई.एन.एस.ए.) परिषद के एक नामित व्यक्ति जो कि राष्ट्रीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्य हों।

कार्यकारी समिति में सम्मिलित हैं - महाअध्यक्ष, इससे शीघ्र के भूतपूर्व महाअध्यक्ष, महाअध्यक्ष (निर्वाचित), दो महा सचिवगण, कोषाध्यक्ष, महासभा द्वारा निर्वाचित 10 सदस्यगण, विज्ञान एवं तकनीकी विभाग, भारत सरकार के सचिव या उनके द्वारा नामित एक व्यक्ति तथा संभावित सत्र आयोजन के दो स्थानीय सचिवगण।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस के छः संवैधानिक समितियाँ हैं यथा (1) परामर्शदात्री समिति, (2) वित्त समिति (3) स्थापना समिति, (4) प्रकाशन समिति, (5) अक्षय दान (इनडाउमेंट) समिति एवं (6) विज्ञान एवं समाज की स्थाई समिति।

कर्मचारी कल्याणकारी कार्रवाई

सूचना के आधार पर इस वर्ष कर्मचारी कल्याण मद में कोई कार्य नहीं हुआ।

आरक्षण नीति का अनुपालन :

कर्मचारी चयन के मामले में भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है।

* विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डी.एस.टी.) के दिनांक 31.03.2007 के पत्रांक ए.आई/ए.आर/004/2007 दिए गए सुझाव के अनुसार संगठनात्मक ढाँचा संबंधी उपयुक्त सामग्री भी प्रस्तुत की जा रही है।

राजभाषा नीति का अनुपालन :

संस्था ने भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रावधान को ध्यान में रखते हुए उसका समय पर परिवर्तन के आधार पर पत्र के शीर्ष पर मुद्रण, अनेक रजिस्टर के शीर्ष, नाम प्लेट जो अनेक अनुविभागों से संबंधित है, सदस्यता फार्म, वार्षिक रिपोर्ट आदि द्विभाषीय (हिंदी-अंग्रेजी) रूप में बनाने का प्रयास किया गया। एक कनिष्ठ हिंदी अनुवादक की देख रेख में उपर्युक्त कार्यों का निष्पादन होता है।

सूचना उपलब्धता अधिकार अधिनियम :

सूचना उपलब्धता अधिकार के अन्तर्गत वर्तमान अधिकारियों की सूचि से उपयुक्त जन सूचना अधिकारी की पहचान की गई और आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया गया है। उपर्युक्त अधिकारी द्वारा आर.टी.आई. संबंधित सभी गवेषणाओं का निष्पादन किया जाता है।

जन शिकायत निराकरण तंत्र

संस्था के सदस्यों से प्राप्त किसी शिकायत पर समुचित कार्रवाई करने के लिए कार्यकारी सचिव नामित किये गए हैं। साथ ही सतर्कता अधिकारी भी हैं, जिनका नामन आई.एस.सी.ए. वेबसाइट पर प्रदर्शित किया जा चुका है।

नागरिकीय चार्टर

औद्योगिक सामाजिक दायित्व संबंधी आरक्षण नीति :

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति अन्य पिछड़े वर्ग के लिये कर्मचारियों की नियुक्ति संबंधी विषयों पर भारत सरकार द्वारा निर्धारित आरक्षण नीति का संस्था द्वारा अनुपालन किया जाता है और इस मामले में तत्संबंधी रोस्टर किये जाते हैं।

ISCA शाखाओं में (2015-2016) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमलाप



ISCA अमरावती शाखा



ISCA बैंगलोर शाखा



ISCA बड़ोदा शाखा



ISCA भुवनेश्वर शाखा

ISCA शाखाओं में (2015-2016) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA कोचीन शाखा



ISCA चेन्नई शाखा



ISCA कोयंबटूर शाखा



ISCA हरिद्वार शाखा



ISCA हैदराबाद शाखा

ISCA शाखाओं में (2015-2016) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यक्रमलाप



ISCA कोलकाता शाखा



ISCA नागपुर शाखा



ISCA कानपुर शाखा



ISCA कुरुक्षेत्र शाखा



ISCA पांडिचेरी शाखा

ISCA शाखाओं में (2015-2016) के दौरान राष्ट्रव्यापी कार्यकलाप



ISCA पटियाला शाखा



ISCA पटना शाखा



ISCA तिरुपति शाखा



ISCA श्रीनगर शाखा



ISCA (मुख्यालय) का हिंदी कार्यक्रम

अभिस्वीकृति

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था की कार्यकारिणी समिति भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रदत्त दयापूर्ण अंशदान की राशि संस्था को दिये जाने के लिए आभार प्रकट करती है। समिति सतत सहायता एवं सहयोग उपलब्ध कराने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के प्रशंसनीय योगदान की प्रशंसा करती है।

कार्यकारिणी समिति मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूरू को 103वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस के व्यक्तिगत अभिरुचि लेकर आयोजित करने तथा, आतिथ्य प्रदान करने के लिए भूरि-भूरि प्रशंसा करती है। डॉ. एन.बी. रामचन्द्र एवं डॉ. डी.डी. सोमशेखर, स्थानीय सचिवों तथा उनके सहयोगियों के अथक प्रयास कि 103 वाँ भारतीय विज्ञान कांग्रेस की भव्य सफलता प्राप्त हो सकी, उसके लिये समिति हार्दिक बधाई देती है।

कार्यकारिणी समिति, परिषद एवं जेनरल बडी के सभी सदस्यों, संबद्ध सभी समितियों, उपसमितियों के सदस्यों, अनुभागीय अध्यक्षों, अनुभागीय रिकार्डर, स्थानीय अनुभागीय सचिवों, अध्याय संचालकों तथा अनुभागीय समितियों की उनके मार्गदर्शन तथा परामर्श के लिये कृतज्ञतापूर्ण आभार प्रकट करती है। 103 वाँ सत्र की सफलता उपलब्धि के संदर्भ में समिति हर्षोल्लास के साथ महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना के अथक प्रयास के लिए जिसके फलस्वरूप 103 वीं भारतीय विज्ञान कांग्रेस की महत्वपूर्ण एवं स्मरणीय सफलता प्राप्त हुई, उनके प्रति आभार प्रकट करती है।

अंत में पर कम महत्वपूर्ण नहीं, संस्था के सभी कर्मचारियों द्वारा किये गए वर्ष पर्यंत क्रियाकलापों के कारण ही यह संभव हो सका है, अतः उनके प्रति अभिस्वीकृति के बिना इस कार्यक्रम का समापन संभव नहीं।

103 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिका	डॉ. कौशिक मजुमदार हरियाणा	स्टेनेबल फुड सिक्यूरिटी एंड प्लांट न्यूट्रिशन
2.	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो. प्रभुनाथ पाण्डेय रांची	एक्वाटिक इकोलॉजी एंड बेनथिक कम्यूनिटिस आर एट पेरिल एंड पोस सिरीयस इम्पेडिमेन्टस फ़ॉर इन्डीजिनस डेवलपमेन्टस इन इंडिया
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहार परक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान, मनो विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)	प्रो. (डॉ) एन.के. सक्सेना कानपुर	सोशल हार्मनी एंड नेशनल डेवलपमेन्ट
4.	रसायन विज्ञान	डॉ. राजीव जैन ग्वालियर	इलेक्ट्रोएनालिसिस फ्रम टाईनि ड्रप ऑफ़ मरकरी टु माइक्रो फ्लूयिडिक पेपर-बेस्ड एनालिटिकल डिवाइसेस एन ओवरव्यू
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	डॉ. तेजेन्द्र नाथ जौहर देहरादून	डिफ्यूशन मॉडेलिंग स्टाडिस इन मिनरल्स एंड इट्स गियोलॉजिकल एप्लीकेशनस
6.	अभियांत्रिकी	प्रो. अशीष मजुमदार कोलकाता	वाटर क्राइसिस मिटीगेशन इन इंडिया रिमिडियेशन थ्रु सस्टेनेबल इंडिगिनस एंड इमेरजिंग टेक्नोलॉजी
7.	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. गंगाधर मिश्रा रांची	फॉरेस्ट बायोडाइवरसिटी प्रिसरवेशन विस-ए-विस सस्टेनेबल डेवलपमेन्ट। स्मार्ट ग्रीन बेल्ट : ए पाइलट प्रोजेक्ट
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कम्प्यूटर साइंस सहित)	प्रो. कार्भरी विश्वनाथ काले, औरंगबाद	इनफ़ारमेशन एंड कम्यूनिकेशन टेक्नोलॉजी फ़ार सोसाइटी

103 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
9.	पदार्थ विज्ञान	डॉ. अरविन्द कुमार दीक्षित, कानपुर	मल्टीफंक्शनल इनऑर्गेनिक पॉलीमर (पॉलीफॉसफ़ाज़िन्स) फ़ॉर वेटियस अप्लीकेशनस
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	डॉ. स्नेहाधीष चक्रवर्ती राउरकेला	हनेक्शनिस्ट लर्निंग बेस्ड न्यूमेरिकल सल्यूशन ऑफ़ डिफर एनशियल इक्वाशनस
11.	आयुर्विज्ञान (शरीर क्रिया विज्ञान सहित)	प्रो. (डॉ.) चित्तरंजन माइति, कोलकाता	स्नेक एंड स्नेक वेनम रिसर्च : ए पर्सनल एकाउंट
12.	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आणविक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	डॉ. परमहंस व्ही. सालिमात, मैसूरू	चेंजेस इन ग्लाइकोकोन्जुवेट्स ड्यूरिंग डायबेटिक न्यूरोपैथी एंड दि रोल ऑफ़ फुड्स
13.	भौतिक विज्ञान	प्रो. जगदीश राय, बरेली	रोल ऑफ़ फ़िज़िक्स इन टेक्नोलॉजीकल डेवलपमेन्ट
14.	पादप विज्ञान	प्रो. दीनेश कुमार माहेश्वरी, हरिद्वार	एप्लीकेशनस ऑफ़ प्लांट माइक्रोबस इन एनहांसिंग एग्रीकलचरल प्रोडक्टिविटी : सक्सेस स्टोरिज़ एंड बॉटलनेक्स

103 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	डॉ. शुभा चक्रवर्ती NIPGR, नई दिल्ली	क्वेस्ट फ़ॉर अंडरस्टैंडिंग बायोमलिक्यूलर नेटवर्क : ए वे फ़ारवर्ड इनक्रिसिंग न्यूट्रियेन्ट कन्टन्स एंड इम्युनिटी इन प्लांट्स
2.	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	प्रो. पी.सी. जोशी गुरुकूल कांगरी विश्वविद्यालय, हरिद्वार	एन्टोमोफ़ोना एंड इट्स रोल इन सस्टेनिंग ए फ़ारेस्ट इकोसिस्टेम : ए केस स्टाडि इन वेस्टर्न हिमालय, उत्तराखंड, इंडिया
3.	मानवविज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्वविज्ञान, मनो विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)	प्रो. एम. व्ही. आर राजु, आंध्र विश्वविद्यालय विशाखापत्तनम	प्रोमोशन ऑफ़ मेन्टल हेल्थ इन इंडिया : ए प्ली फ़ॉर पॉलिसी मेकर्स
4.	रसायन विज्ञान	डॉ. संदीप वर्मा I.I.T., कानपुर	पीजेएल : इंटरफेरिंग विथ इन्सूलीन एमाइलॉ येडोजेनेसिस : ए कम्बाइन्ड एक्सपेरीमेन्टल एंड कम्प्यूटेशनल एसेसमेन्ट
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	डॉ. ब्रिजेश के बंसल, पृथ्वीतंत्र विज्ञान मंत्रालय, नई दिल्ली	डाइनामिक इंडियन पेट
6.	अभियांत्रिकी	कोई नहीं	
7.	पर्यावरण विज्ञान	डॉ. गुरूनाथ रामानाथन कानपुर	3-नाइट्रो टाल्यून बायोमिनेरलाइजेशन बाइ <i>Diaphorobactu species</i>
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)	कोई नहीं	
9.	पदार्थ विज्ञान	डॉ. जरूगु नरसिम्हा मूर्ति, आई.आई.टी. कानपुर	मोलिक्यूलर कन्ट्रोल ऑफ़ मेटेरियल्स प्रपर्टीस : क्रिस्टालाइन पोरस मेटेरियल्स एंड अमरफस आर्गेनिक लाइट एमिटिंग डायोड्स (OLEDs)
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	डॉ. सोमेश कुमार IIT, खरगपुर	ऑन दि प्रब्लेम ऑफ़ एस्टीमेटिंग पैरा मीटर्स ऑफ़ डाइटेक्शनल डिफ़्ट्रीब्यूशनस

103 वें भारतीय विज्ञान कांग्रेस सत्र में अनुभागीय अध्यक्षों के वक्तव्य का शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	अध्यक्ष	शीर्षक
11.	आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	डॉ. शांता दत्ता NICED, कोलकाता	प्रोवेन्शन ऑफ एन्टेरिक फिवर : करेन्ट सिनारियो
12.	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी आणि जैविकी एवं जैवप्रायोगिकी सहित)	डॉ. सी.डी. नन्दिनी CSIR-CFTRI मैसूर	एफेक्ट ऑफ डायबेटीस ऑन रिमाडेलिंग ऑफ एरिथ्रोसाइट एंड ब्रेन ग्लाइकोसामिनोग्लाइकान्स
13.	भौतिक विज्ञान	डॉ अजय के. सिंह BARC, मुम्बई	कोहेरेन्ट ननलिनियर स्पेक्ट्रोस्कोपि : फेमटोसेकेन्ड डाइनामिक्स टु क्वांटम कंट्रोल
14.	पादप विज्ञान	डॉ. अप्पा राव पोडाइल, हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद	कार्बोहाइड्रेट लिगांड्स एंड देयर कग्नाट रिसेपटर्स इन प्लांट माइक्रोब इंटरएक्शनस

103 वे भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से
संबंधित परिसंवाद के शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	1) ड्राइवर्स ऑफ़ सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड फुड सिक्यूरिटी इन इंडिया 2) कम्यूनिकेशन स्ट्राटेजिस फ़ॉर ट्रांसफर ऑफ़ टेक्नोलॉजीस एमंग स्मल एंड मार्जीनल फारमर्स फ़ॉर एनसूरिंग फुड सिक्यूरिटी इन इंडिया
2.	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	1) इनोवेशन्स इन एनीमल साइंसेस फ़ॉर फुड, हेल्थ एंड लाइवलीहुड सिक्यूरिटी 2) रिसेंट एडवांसेस इन मेल रिप्रोडक्शन
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्वविज्ञान, मनो विज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)	1) बिहेवियरल साइंसेस एंड इनडिजिनस डेवलपमेन्ट इन इंडिया 2) कल्चर एंड इन्डिजिनस डेवलपमेन्ट इन इंडिया
4.	रसायन विज्ञान	1) केमिस्ट्री फ़ॉर इन्डिजिनस डेवलपमेन्ट इन इंडिया। 2) नैनोटेक्नोलॉजी फ़ॉर दि वेलफेयर ऑफ़ मैनकाइन्ड।
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	1) अर्थ सिस्टम साइंस फ़ॉर नेशनल डेवलपमेन्ट स्ट्राटेजिस एंड मॉडेलिटिस
6.	अभियांत्रिकी	1) वाटर क्राइसेस मिटीगेशन इन इंडिया: इनोवेशन्स एंड चैलेंजेस 2) एप्लीकेशन ऑफ़ नैनोटेक्नोलॉजी फ़ॉर इन्डिजिनस डेवलपमेन्ट इन इंडिया
7.	पर्यावरण विज्ञान	1) एक्सप्लोरेशन, डोक्यूमेंटेशन एंड इडेंटिफ़िकेशन ऑफ़ इंडियन हर्बल मेडिसीन फ़ॉर बेटर लाइवलीहुड 2) एसेसमेन्ट एंड मिटीगेशन ऑफ़ एयर क्वालिटी इन मेजर सिटीस ऑफ़ इंडिया इन टर्मस ऑफ़ इनऑर्गेनिक (NO _x , SO _x , CO ₂ , SPM आदि) एंड आर्गेनिक (पॉलेन, स्मॉग, बायोएरोसोल आदि) पल्यूटान्ट्स
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान विज्ञान तथा विज्ञान प्रौद्योगिकी विज्ञान (कंप्यूटर साइंस सहित)	1) ICT फ़ॉर सोसाइटी
9.	पदार्थ विज्ञान	1) मल्टीफंक्शनल पॉलीमेरिक मेटेरियल्स फ़ॉर इन्डिजिनस डेवलपमेन्ट 2) एडवांसड मल्टीफंक्शनल पॉलीमर एंड रिलेटेड मेटेरियल्स

103 वे भारतीय विज्ञान कांग्रेस के अनुभागों द्वारा आयोजित विशिष्ट विषयों से
संबंधित परिसंवाद के शीर्षक

क्रमांक संख्या	अनुभाग	शीर्षक
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	1) एनालिटिकल एंड कम्प्यूटेशनल पैराडिगमस इन डिफिरेन्शियल इकोयेशनस 2) कन्टेम्पॉरेरी ट्रेन्ड्स इन नंबर थियोरी एंड स्टैटिस्टिक्स
11.	आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	1) इन्वेटिरी अप्रोच ऑफ हेल्थ साइंस 2) इन्टीग्रेटेड फिजियोलॉजिकल रिसर्च इन 21-सेंचुरी
12.	नवजीव विज्ञान (जैव- रसायन, जैवभौतिकी, आप्तिवक जैविकी एवं जैवप्रौद्योगिकी सहित)	1) रिसेंट ट्रेन्ड्स इन बायोलॉजिकल साइंसेस 2) एडवांसेस इन मोलिक्यूलर बायोलॉजी फॉर बेटर हेल्थ एंड वेलफेयर ऑफ मैनकाइंड
13.	भौतिक विज्ञान	1) रॉल ऑफ फिजिक्स इन टेक्नोलॉजिकल डेवलपमेन्ट
14.	पादप विज्ञान	1) प्लांट - माइक्रोब इंटरएक्शनस एंड डेवलपमेन्ट ऑफ इन्डिजिनस टेक्नोलॉजीस 2) एडवांसेस इन प्लांट साइंसेस - एन इंडियन परस्पेक्टिव

2015-2016 के लिए युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्त करने वालों का नाम	लेख का शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	सौरभ साहा ICAR, रिसर्च कमप्लेक्स, मिज़ोरम	वाटर इउस एफीसेयेन्सी: ए फंक्शन ऑफ़ एटमोस्फ़ेरिक CO ₂ , एनरिचमेन्ट फ़ॉर चिकपी (<i>Cicer arittinum L</i>)
2.	पशु, पशु चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	भास्कर गांगुली COVAS, जी.बी. पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर	इनहिबिशन ऑफ़ इन्फ़ेकचियस बूरसल डिज़िज़ वाइरस बाइ सिल्वर नैनोपरटिकल्स सिंथेसाइज़ विथ <i>Withania somnifera</i> रूट एक्सट्राक्ट
3.	मानवविज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्वविज्ञान, मनोविज्ञान एवं शिक्षाशास्त्र और सैन्यशास्त्र सहित)	सूजित प्रताप, बी.एच.यू, वाराणसी	टास्क-इररेलेवांट एफ़ेक्टिव वैलेंस इंटेरेक्टस विथ विजिलेंस टास्क परफ़रमेंस
4.	रसायन विज्ञान	अरिजित सेनगुप्ता BARC, मुम्बई	अंडरस्टैंडिंग दि एक्सट्राक्शन मेकानिज़्मस रेडियोलाइटिक स्टेबिलिटी एंड स्ट्रीपिंग बिहेवियर ऑफ़ थोरियम इउसिंग CMPO पिलर (5) एरीन्स इन आयनिक लिक्विड
5.	पृथ्वीतंत्र विज्ञान	अमिय के. सामल बी.एच.यू, वाराणसी	रिलेटिव क्रोनोलॉजी, पेट्रोलॉजी एंड जियोकेमिस्ट्री ऑफ़ डिसटिन्क्ट पैलियो प्रोटेरोज़ोयिक मैफ़िक डाइक स्वार्मस फ़्रम दि इस्टर्न धारवर क्रेटन, इंडिया इमप्लीकेशनस फ़ॉर लार्ज इग्नेयस प्रविंसेस (LIPs) एंड पैलियोकन्टीनेन्टल रिक्नस्ट्रक्शनस
6.	अभियांत्रिकी	एमान्यूएल नेहेमिया, जे, CCET, पांडिचेरी	एरर फ़्री ट्रांसमिशन ऑफ़ मैक Calma सिग्नलस थ्रु मल्टीपल एन्टीनास
7.	पर्यावरण विज्ञान	गौरव सरकार, बोस संस्थान कोलकाता	बायोमॉनीटरिंग ऑफ़ एनवायरनमेन्टल एलर्जेन्स इन कोलकाता मेगासिटी इन रिलेशन टुरेस्पीरेटरी एलर्जी विथ स्पेशल एमफ़ासिस ऑन इम्यूनो बायोकेमिस्ट्री ऑफ़ ए प्रेडोमिनांट फंगल एलर्जेन
8.	सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (कंप्यूटर साइंस सहित)	कोई अवार्ड नहीं	

2015-2016 के लिए युवा वैज्ञानिक का पुरस्कार प्राप्त करने वालों की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्त करने वालों का नाम	लेख का शीर्षक
9.	पदार्थ विज्ञान	गौरव वाट्स आई.आई.टी, पोवाई मुम्बई	जायंट पाइरोइलेक्ट्रिक एनर्जी हारवेस्टिंग एंड नेगेटिव इलेक्ट्रोकेलोरिक एफेक्ट इन PZT/CFO मलटी लेयर्ड नैनोस्ट्रक्चर्स
10.	गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
11.	आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	कोई अवार्ड नहीं	
12.	नवजीव विज्ञान (जैव रसायन, जैवभौतिकी, पाण्डुवक जैविकी, एवं जैवप्रौद्योगिकी सहित)	सोनिया कपूर आई.आई.टी., मुम्बई	डिसटिन्क्टिव बाइंडिंग साइट ऑफ़ D24851 ऑन ए-ट्यूब्यूलिन एक्सप्लेनस इट्स लॉ न्यूरोटॉक्सिसिटी डयूरिंग कमोथेरापी
13.	भौतिक विज्ञान	कोई अवार्ड नहीं	
14.	पादप विज्ञान	मारिया वेरा जेसस दा कोस्टा गोआ विश्वविद्यालय गोआ	टाक्सिक एफेक्ट ऑफ़ मेटल ऑक्साइड नैनोपरटिकल्स ऑन फोटोसिंथेसिस एंड बायोकेमिकल रेस्पंस इन <i>Oryza sativa</i> (Latin)

2015-2016 के लिए उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या	अनुभाग	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम	पेपर का शीर्षक
1.	कृषि एवं वानिकी	छवि सिरौही CCS, HAU, हिसाब अविनाश प्रकाश मैसूर विश्वविद्यालय मैसूर	प्रोडक्शन पोटेनशियल ऑफ विट बैराइटिस एंड न्यूट्रीन्ट स्टाच्यु ऑफ सोएल अंडर पोपलर (Populus deltoides) बेसड एग्रोफॉरेस्ट्री सिस्टेम रॉल ऑफ H ₂ O ₂ एंड एस्कॉरबेट ग्लुटाथियोम पाथवे इन हॉस्ट रेसिसटान्स टु बैक्टेरियल विल्ट ऑफ एगप्लांट
2.	पशु, पशु-चिकित्सा एवं मात्स्यिकी	अमिता हेमब्रोम् एस.एस.एम महाविद्यालय, रांची मनोज कुमार लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	साँयेल मेसो-आर्थोपोड माइनर ग्रुप एंड देयर इकोलॉजिकल फंक्शन्स : ए केस स्टाडि ऑफ कथारा कोल फाइल्ड एरिया ऑफ झारखण्ड, भारत एसेसमेन्ट ऑफ ज़िंक बायोएक्यूमूलेशन इन फिश Channa Punctatus एक्सपोड क्रोनिकॉली
3.	मानव विज्ञान एवं व्यवहारपरक विज्ञान (पुरातत्व विज्ञान एवं मनोविज्ञान, शिक्षाशास्त्र एवं सैन्यशास्त्र सहित)	1) परानन्दी मल्लिकार्जुन, SSC, अनंतपुराम् 2. रचना ठाकुर, डॉ. एच.एस. गौड़, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सागर	नीड ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ योगा फॉर परफेक्शन डिफरेंशियल ऑनसेट ऑफ प्यूबर्टी एंड एडोलेसंस एमंग गर्ल्स एंड बॉयस ऑफ ए सेन्ट्रल इंडियन टाउन (सागर)
4.	रसायन विज्ञान	1. ब्रजेन्द्र एस. कुसमारिया डॉ. एच.एस. गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर 2. ज्योतिर्मय माइति WBSU कोलकाता	सिंथेसीस एंड स्ट्रक्चरल इन्वेस्टीगेशन ऑफ Co (II) एंड Ni (II) कम्प्लैक्स विथ 2 क्लोरो-6 {[(E)-(4) - हाइड्रोक्सि -3 मेथोक्सि फिनाइल) मिथाइलिडीन एमिनो-4 नाइट्रोफेनल स्किफ बेस लिगांड : माइक्रो-टेक्शाचर, थर्मल इलेक्ट्रोकेमिकल एंड थियोरेटिकल एसपेक्टस नोवेल सिंथेसिस, मोलिक्यूलर डॉकिंग एंड स्पेक्ट्रोएकॉपिक एनालिसिस ऑफ एन इन्ट्रामोलिक्यूलर चार्ज ट्रांसफर फ्लूरोससेंट डाइ एंड टु स्टाडि डी एन ए एंड प्रोटीन बाइंडिंग प्रोपर्टीस

2015-2016 के लिए उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या अनुभाग	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम	पेपर का शीर्षक
5. पृथ्वीतंत्र विज्ञान	1. लीना कामरा, WIHG, देहरादून 2. श्रद्धा राजपूत, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	अप्राइसल ऑफ़ रॉडन वेरियाबिलिटी इन सिसमिक एक्टिव गाढ़वाल हिमालय आइडेन्टीफिकेशन ऑफ़ पॉसीबल सोर्सेस ऑफ़ मेजर आइन केमिस्ट्री इन दि एक्यूफरस ऑफ़ गुडगाँव एंड फरीदाबाद डिस्ट्रीक्टस ऑफ़ दिल्ली - NCR थ्रु कोरीलेशन विथ नाइट्रेट
6. अभियांत्रिकी	1. ए.के. नैथानी, NIRM, कर्नाटक 2. अवनी खटकर, MDU, रोहतक	जियोटेक्निकल इनवेस्टीगेशन्स एंड सपोर्ट डिज़ाइन ऑफ़ अंडरग्राउंड पम्प होस कार्वेन -एकेस स्टाडि अनालिसिस ऑफ़ इम्पैक्ट ऑफ़ स्पीड ऑन rtps, ertps एंड ertps प्लोस इन WiMAX नेटवर्कस।
7. पर्यावरण विज्ञान	1. अरुण रत्न लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ 2. प्रवीण ध्यायानी GBPIHED अल्मोरा	फोरेट इन्ड्यूसड गोनाडोटॉक्सिसिटी एंड जेनेटोक्सिसिटी इन फिश Channa punctatus डाइवरसिटी ऑफ़ Bacillus thuringiensis आइसोलेटेड फ्रमडिफरेंट लोकेशन्स ऑफ़ वेस्टर्न हिमालय, भारत
8. सूचना एवं संचार विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी (वंगम्यूटर साइन्स सहित)	1. डी. जयमाला TCE तमिलनाडु	ए नवेल वलनरेबिलिटी एनालिसिस फ्रेमवर्क फ़ॉर सिक्यूरिटी थ्रेट्स ऑफ़ क्रिटिकल ऑनलाइन एप्लीकेशनस इउसिंग डाइनामिक क्वेरी मैचिंग अप्रोच
9. पदार्थ विज्ञान	1. स्वप्ना व्ही. पी. UOC केरल 2. मृत्युंजय के पाण्डेय IU कानपुर	कैराकटेराइजेशन एंड प्रपार्टीस ऑफ़ एसिमेट्रिक पॉलीसल्फोन/पलीहेड्रल ऑलीगोमेरिक सिलसेसक्वि -ऑक्सेन नैनोकम्पोसिट मेम्ब्रेन्स सिंथेसीस ऑफ़ हाइड्रो क्विनोन एंड रिसोर्सिनिल कन्टेनिंग फोसफोनाइट्रिलिक बेस्ट पोलिफथालो नाइट्रिल रिसेन्स
10. गणितशास्त्र (सांख्यिकी सहित)	1. लक्षिका चुटानी, NSIT नई दिल्ली	ए स्टाडि ऑफ़ सर्टन रेसालटस ऑन ए क्लास ऑफ़ एनटायर डिरीचलेट सिरीज़ इन य वैरियेबेल्स

2015-2016 के लिए उत्कृष्ट पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

क्रमांक संख्या अनुभाग	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम	पेपर का शीर्षक
	2. ए.एस. प्रवीण मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूरू	ऑन जेनेरेलाइज़्ड लॉग पैरेटो डिस्ट्रीब्यूशनस
11. आयुर्विज्ञान (शरीरक्रिया विज्ञान सहित)	1. देवज्योति भट्टाचार्य HGC, कोलकाता 2. इ.उ.एच. शाह बलवंत महाविद्यालय महाराष्ट्र	एफेक्ट ऑफ़ हाई कैसिन डाइट ऑन हेमेटोलॉजीकल पैरामीटर्स ऑफ़ स्वीस एलबिनो माइस एक्सपोसड टु मोबाइल फोन रेडियेशन लिफ एक्सट्राक्ट ऑफ़ Aegle mamelos : ए पटेन्ट एन्जियोमोड्यूलैटर
12. नव जीव विज्ञान (जैव रसायन, जैव भौतिकी और आणविक जैविकी एवं जैव प्रौद्योगिकी सहित)	1. रोहित गोयल औषधी विज्ञान विद्यालय सोलन 2. दीनेश. एस. एम NITTE विश्वविद्यालय मंगलौर	एफेक्ट ऑफ़ GAB एर्गीक रेगुलेशन फ़ॉर न्यूरो ह्यूमोरल एमिलियोरेशन ऑफ़ डेनेन्टिया : रोल ऑफ़ वेलेरिक एसीड फ़्रम Valeriana wallichii इन्टीग्रेटेड होल जिनोम सिक्वेंसींग एंड ट्रांसक्रिप्टोम स्टाडि आइडेन टिफाइस रेर क्यूटेशनस इन एथेरोससेलेरोसिस एंड थ्रोम्बोसिस पाथवेस इन ए केस ऑफ़ सिवियर रेस्टेनोस्टिड एथेरोथ्रोम्बोसिस
13. भौतिक विज्ञान	1. संगीता सागर, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ 2. निशांत कुमार लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ	मोलिक्यूलर एसोसियेशन ऑफ़ पलिप्रोपिलीन डायक्राइलेट (PPGDA) 800 विथ-2-मेथोज़ाइ इथानोल (2-ME) एंड N-N डाइमिथाइलइथा नोलामाइन (N-N- DMEA) - एन एकाउसटिकाल एंड HNMR स्टैडि डोमिनांट ग्रीन एमिशन फ़्रम स्क्रीन-प्रिंटेड Zno/Mgo फिल्मस
14. पादप विज्ञान	1. आदित्य आभा सिंह BHU, वाराणसी 2. विथीका कोहली जम्मू विश्वविद्यालय जम्मू	इंटरएक्टिव एफेक्टस ऑफ़ एलिवेटेड कार्बन डाइऑक्साइड एंड ओजोन ऑन मेज़ प्लांटस इन रिलेशन टु ग्रोथ, एन्टि ऑक्सीडेंट स्टेटस, फिज़ियोलॉजी एंड चील्ड कसेस एंड कोन्सीक्वन्सेस ऑफ़ मेलोटिक अबनरएटमालिटीस इन दि मेल सेक्स ट्राक ऑफ़ Allium roylei पर दि गैमेटो फ़ाइटिक एंड आइज़ो एनज़ाइमेटिक लेबेल्स

इनफोसिस फाउंडेशन की सूची - 2015-2016 के लिए ISCA यात्रा पुरस्कार प्राप्तकर्ता

क्रमांक संख्या	पुरस्कार प्राप्तकर्ता का नाम
1.	ग्रीष्मा रेड्डी मसीहा कनिष्ठा महाविद्यालय, बैंगलुरु
2.	ग्रीष्मा रेड्डी मसीहा कनिष्ठा महाविद्यालय, बैंगलुरु
3.	नागश्री एन. आर पी.यू. महाविद्यालय, चन्नारत्यापत्ता
4.	अफ्र बुदनार कूंजीबेट्टु SDM PU महाविद्यालय, उज्जीरि
5.	अश्विन कुमार के. VVS स्वर्णजयंती महाविद्यालय, मैसूर
6.	लावण्य कुरून मेहरोत्रा सेठ आनंद राम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर
7.	दिव्यांश सिंह सेठ आनंद राम जयपुरिया विद्यालय, कानपुर
8.	श्रुंगा व्ही. ई MMK महाविद्यालय एवं SDM लड़की PU महाविद्यालय, मैसूर
9.	साहिबा अंसारी रिवेरियन जनता विद्यालय, देहरादून
10.	सैय्यद हाज़िम सदविद्या अर्द्ध आवासीय PU महाविद्यालय, मैसूर

वर्ष 2015-2016 के लिए परिषद् के सदस्य

महाध्यक्ष

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

कानपुर

निवर्तमान महाध्यक्ष

डॉ. सरजेराव भावराव निमसे

लखनऊ

निर्वाचित महाध्यक्ष

प्रो. डी. नारायण राव

कट्टकुलाथुर

महासचिव (सदस्यता कार्य)

डॉ. नीलांशु भूषण बासु

कोलकाता

महासचिव (वैज्ञानिक कार्य)

प्रो. अरूण कुमार

इम्फाल

कोषाध्यक्ष

प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार

आरा

कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्य

डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना

कानपुर

श्री गौरवेन्द्र स्वरूप

कानपुर

प्रो. एस.एस. काटियार

कानपुर

प्रो. आर. रामामूर्ति

तिरुपति

डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती

कोलकाता

प्रो. गंगाधर

बेंगलूरु

प्रो. संतोष कुमार

भोपाल

प्रो. रणजीत कुमार वर्मा

पटना

प्रो. सी. मुथामिञ्जेलवन

कट्टनकुलाथुर

प्रो. विनय कुमार श्रीवास्तव

भोपाल

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के प्रतिनिधि

डॉ. प्रवीर अस्थाना

नई दिल्ली

स्थानीय सचिव

डॉ. एन.बी. रामचन्द्र

मैसूरु

डॉ. डी.डी. सोमशेखर

मैसूरु

भूतपूर्व महाध्यक्ष

प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन

चेन्नई

प्रो. ए.के. शर्मा

कोलकाता

प्रो. एम.जी.के. मेनन

नई दिल्ली

प्रो. आर.पी. बम्बा

चंडीगढ़

प्रो. सी.एन.आर. राव

बेंगलूरु

प्रो. यशपाल

नोएडा

प्रो. डी. के. सिंहा

कोलकाता

डॉ. एस.जेड. कासिम

नई दिल्ली

प्रो. पी.एन. श्रीवास्तव

गुडगाँव

डॉ. एस.सी. चक्राशी

कोलकाता

प्रो. यू.आर. राव

बेंगलूरु

प्रो. एस.के. जोशी

नई दिल्ली

डॉ. पी. रामाराव

हैदराबाद

डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा

नई दिल्ली

डॉ. आर.ए. माशेलकर

पुणे

डॉ. आर.एस. परौडा

नई दिल्ली

डॉ. के. कस्तूररिंगन

बेंगलूरु

प्रो. आशीष दत्ता

नई दिल्ली

प्रो. एन.के. गांगुली

नई दिल्ली

प्रो. हर्ष गुप्ता

हैदराबाद

डॉ. टी रामासामी

चेन्नई

डॉ. जी. माधवन नायर

त्रिवेंद्रम

प्रो. के.सी. पाण्डेय

लखनऊ

प्रो. गीता बाली

बेंगलूरु

डॉ. मनमोहन सिंह

नई दिल्ली

प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सोबती

लखनऊ

भूतपूर्व महासचिव

डॉ. (सुश्री) शशि प्रभा आर्य

नई दिल्ली

प्रो. एच.पी. तिवारी

इलाहाबाद

प्रो. एस.पी. मुखर्जी

कोलकाता

डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक

वदोदरा

प्रो. उमाकांत

जयपुर

प्रो. बी. सत्यनारायण

हैदराबाद

प्रो. बी.पी. चटर्जी

कोलकाता

प्रो. एस.पी. सिंह

कुरुक्षेत्र

प्रो. अभिजीत बनर्जी

कोलकाता

डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती

कोलकाता

वर्ष 2015-2016 के लिए परिषद् के सदस्य

भूतपूर्व कोषाध्यक्ष

डॉ. एस.बी. माहातो

कोलकाता

अनुभागीय अध्यक्ष

डॉ. कौशिक मजुमदार

गुड़गाँव

प्रो. प्रभुनाथ पाण्डेय

रांची

डॉ. एन.के. सक्सेना

कानपुर

डॉ. राजीव जैन

ग्वालियर

डॉ. तेजेन्द्र नाथ जौहर

देहरादून

प्रो. आशीष मजुमदार

कोलकाता

डॉ. गंगाधर मिश्रा

रांची

प्रो. डॉ. कारभरी विश्वनाथ काले

औरंगाबाद

डॉ. अरविन्द कुमार दीक्षित

कानपुर

डॉ. स्नेहाषीष चक्रवर्ती

राउरकेला

प्रो. (डॉ.) चित्तरंजन माइति

कोलकाता

डॉ. परमहंस व्ही. सालिमाथ

मैसूरू

प्रो. जगदीश राय

बरेली

प्रो. दीनेश कुमार माहेश्वरी

हरिद्वार

परिषद् के निर्वाचित सदस्य

डॉ. अनूप कुमार जैन

मुम्बई

श्रीमती कुमकुम स्वरूप

कानपुर

प्रो. के.एस. रनगप्पा

मैसूरू

डॉ. एस. रामकृष्ण

बेंगलूरू

डॉ. अच्युत सामंत

भुवनेश्वर

डॉ. एम.जी. रघुनाथन

चेन्नई

प्रो. सुनील प्रकाश त्रिवेदी

लखनऊ

कोलकाता नगर नियम के प्रतिनिधि

श्री अनिन्द कारफोर्मा

कोलकाता

एवरीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

कानपुर

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी

(आई.एन.एस.ए.)

प्रो. (डॉ.) जे.पी.मित्तल

नवी मुम्बई

2016-2017 के लिए परिषद के सदस्य

महाध्यक्ष प्रो. डी. नारायण राव	कट्टनकुलाथूर	प्रो. एम.जी.के. मेनन प्रो. आर.पी. बम्बा प्रो. सी.एन.आर. राव प्रो. यशपाल प्रो. डी.के. सिंहा प्रो. पी.एन. श्रीवास्तव डॉ. एस.सी. पक्राशी प्रो. यू.आर. राव प्रो. एस.के. जोशी डॉ. पी. रामाराव डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा डॉ. आर. ए. माशेलकर डॉ. आर. एस. परौडा प्रो. एस.एस. काटियार डॉ. के. कस्तूरीरंगन प्रो. आशीष दत्ता प्रो. एन. के. गांगुली प्रो. हर्ष गुप्ता डॉ. टी रामासामी डॉ. जी. माधवन नायर प्रो. के.सी. पाण्डेय प्रो. गीता बाली डॉ. मनमोहन सिंह प्रो. डॉ. रणवीर चंदर सोबती डॉ. सरजेराव भावराव निमसे	नई दिल्ली चंडीगढ़ बेंगलूरु नोएडा कोलकाता गुड़गाँव कोलकाता बेंगलूरु नई दिल्ली हैदराबाद नई दिल्ली पुणे नई दिल्ली कानपुर बेंगलूरु नई दिल्ली नई दिल्ली हैदराबाद चेन्नई त्रिवेंद्रम लखनऊ बेंगलूरु नई दिल्ली लखनऊ लखनऊ
तत्काल भूतपूर्व महाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	कानपुर		
निर्वाचित महाध्यक्ष डॉ. अच्युत सामंत	भुवनेश्वर		
महासचिव (सदस्यता कार्य) प्राध्यापक गंगाधर	बैंगलोर		
महासचिव (वैज्ञानिक कार्य) प्राध्यापक प्रेमैन्दु पी. कुलपति, माथुर	भुवनेश्वर		
कोषाध्यक्ष प्रो. रणजीत कुमार वर्मा	पटना		
कार्यकारिणी समिति के निर्वाचित सदस्यगण प्रो. कन्हैया लाल श्रीवास्तव प्रो. प्रमोद के. वर्मा श्रीमती कुमकुम स्वरूप डॉ. निवेदिता चक्रवर्ती प्रो. के.एस. रंगप्पा डॉ. एस. रामकृष्ण प्रो. बी सत्यनारायण प्रो. नरेश पधा प्रो. सी. मुथामिज्जचेलवन प्रो. आर. रामामूर्ति	जोधपुर भोपाल कानपुर कोलकाता मैसूर बेंगलूरु हैदराबाद जम्म कट्टनकुलाथुर तिरूपति		
भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रतिनिधि डॉ. प्रवीर अस्थाना	नई दिल्ली		
स्थानीय सचिव प्रो. एन. सेतुरमन प्रो. सी. मुथामिज्जचेलवन	कट्टनकुलाथूर कट्टनकुलाथूर		
भूतपूर्व महाध्यक्ष प्रो. एम.एस. स्वामीनाथन प्रो. ए. के. शर्मा	चेन्नई कोलकाता		
		भूतपूर्व महासचिव डॉ. (सुश्री) शशि प्रभा आर्य प्रो. एच.पी. तिवारी प्रो. एस.पी. मुखर्जी डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक प्रो. उमाकांत प्रो. बी. सत्यनारायण प्रो. बी.पी. चटर्जी प्रो. एस. पी. सिंह प्रो. अभिजीत बनर्जी डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना	नई दिल्ली इलाहाबाद कोलकाता वदोदरा जयपुर हैदराबाद कोलकाता कुरुक्षेत्र कोलकाता कोलकाता कानपुर

2016-2017 के लिए परिषद के सदस्य

डॉ. नीलांशु भूषण बासु
प्रो. अरूण कुमार

कोलकाता
इम्फाल

प्रो. सुग्रीव नाथ तिवारी
प्रो. विजय पाल सिंह

गोरखपुर
बरेली

भूतपूर्व कोषाध्यक्ष
डॉ. एस.बी. माहातो
प्रो. ध्यानेन्द्र कुमार

कोलकाता
आरा

परिषद के निर्वाचित सदस्य

श्री गौरवेन्द्र स्वरूप
डॉ. विद्या पत्नी
प्रो. (डॉ.) के. मुथाचेलियन
प्रो. (डॉ.) एस. राजराजन
प्रो. एम. भूपति नायडु
डॉ. जे. जेम्स पिचाई
प्रो. एस. व्ही. काश्मीर राजा

कानपुर
जयपुर
मदुरै
सोनपत
तिरुपति
चेन्नई
चेन्नई

अनुभागीय अध्यक्ष

डॉ. अशोक के. पात्र
प्रो. बी.बी. कालीवाल
प्रो. शुभो राँय
प्रो. राजनाथ यादव
डॉ. ओकार सिंह चौहान
श्री शिशिर कुमार बनर्जी
प्रो. स्वाति गुप्ता - भट्टाचार्य
श्री देवप्रसन्न सिंहा
डॉ. दुर्गेश नाथ त्रिपाठी
प्रो. तरूण कुमार दास
प्रो. सोमनाथ राँय
प्रो. ध्रुवज्योति चट्टोपाध्याय

भोपाल
दावेनगेरे
कोलकाता
सागर
गोआ
कोलकाता
कोलकाता
कोलकाता
कानपुर
दिल्ली
कोलकाता
कोलकाता

कोलकाता नगर निगम के प्रतिनिधि

श्री अनिन्द्य कारफोर्मा

कोलकाता

एरारीमैन्स साइंस के मुख्य संपादक

डॉ. अशोक कुमार सक्सेना

कानपुर

भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी (आई.एन.एस.ए)

परिषद के प्रतिनिधि

प्रो. कंकण भट्टाचार्य

कोलकाता

31 मार्च, 2016 को कर्मचारियों की संख्या

कार्यकारी सचिव
डॉ. अमित कृष्ण दे

सहायक कार्यकारी सचिव
डॉ. अरुण कुमार पाण्डेय

अनुभाग अधिकारी III
श्रीमती इंद्राणी दास

कार्यालय सहायक I
श्री वरुण हालदार *
श्री संतु कुमार घोष
श्रीमती स्वस्ति राय

कनिष्ठ हिंदी अनुवादक
श्रीमती देवश्री दत्ता (साहा)

कार्यालय सहायक - I
श्री पीयूष घोष

कार्यालय सहायक II
श्री कौशिक कुमार नंदी
श्री सुदीप कुमार बाला
श्री दीपंकर दे
श्री शंभुनाथ चटर्जी

कार्यालय सहायक III
श्री अक्षय कुमार पात्र
श्री ओएन मेकाबियस लकरा
श्री अनित पाल
श्री कृष्ण भुजेल
श्री सुधांशु चौधुरी
श्री प्रभुदयाल सिंह
श्री सुभाष दास
श्री स्वरूप कुमार मंडल
श्री गोपाल नाथ
श्री दीपेश चंद्र घोष
स्टाफ कार ड्राइवर
श्री मनोजित शंकर दासगुप्ता

* 31.01.2016 को सेवानिवृत्त हुए हैं।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
पहला	1914	कोलकाता	माननीय न्यायमूर्ती सर आशुतोष मुखर्जी	विज्ञान कांग्रेस के बारे में
दूसरा	1915	मद्रास	माननीय महासर्जन डब्ल्यू बी. बैनरमान	उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में कार्य कर रहे चिकित्साकर्मियों एवं वैज्ञानिकों के लिए जैविकी के ज्ञान का महत्व
तीसरा	1916	लखनऊ	कर्नल सर सिडनी बर्ार्ड	उत्तर भारत के मैदानी भाग और हिमालय अनुश्रृंखला
चौथा	1917	बैंगलोर	सर अल्फ्रेड जिम्स बॉर्न	वैज्ञानिक अनुसंधान पर
पाँचवाँ	1918	लाहौर	गिलबर्ट टी. वॉकर	विज्ञान-शिक्षा पर
छठा	1919	बंबई	लेफ्टिनेंट कर्नल सर लियोनार्ड रोजर्स	हैजा संबंधी अनुसंधान
सातवाँ	1920	नागपुर	आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र राय	आधुनिक भारत में विज्ञान का प्रारंभ
आठवाँ	1921	कोलकाता	सर राजेंद्रनाथ मुखर्जी	विज्ञान एवं उद्योग पर
नौवाँ	1922	मद्रास	श्री एस.एस. मिडिलमिस	सापेक्षता
10वाँ	1923	लखनऊ	सर एम. विश्वेश्वराय	वैज्ञानिक संस्था एवं वैज्ञानिक
11वाँ	1924	बंगलोर	डॉ. टी.एन. अन्नाडेल	अभिसारी एवं अपसारी विकास
12वाँ	1925	बनारस	डॉ. एम.ओ. फॉर्स्टर	प्रायोगिक प्रशिक्षण पर
13वाँ	1926	बंबई	श्री अल्बर्ट हावर्ड	कृषि एवं विज्ञान
14वाँ	1927	लाहौर	सर जे.सी. बोस	जीवन की एकता
15वाँ	1928	कोलकाता	डॉ. जे.एल. साइमनसन	प्राकृतिक उत्पाद रसायन पर
16वाँ	1929	मद्रास	प्रोफेसर सी.वी. रमन	रमन प्रभाव पर
17वाँ	1930	इलाबाबाद	कर्नल एस.आर. क्रिस्टोफर	विज्ञान एवं रोग

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
18वाँ	1931	नागपुर	लेफ्टिनेंट कर्नल आर.बी.सेमूर सेवेल	विकास की समस्या-शारीरिक संरचना का प्रौद्योगिक रूपांतरण
19वाँ	1932	बैंगलोर	राय बहादुर लाल शिवराम कश्यप	हिमालय और तिब्बत की ऊँचाई पर पाई जानेवाली वनस्पति से संबंधित कुछ पहलू
20वाँ	1933	पटना	सर लूइस एल.फरमोर	राष्ट्रीय जीवन में भूविज्ञान का स्थान
21वाँ	1934	बंबई	प्रोफेसर एम.एन. साहा	आधारभूत ब्रह्मांडीय समस्याएँ
22वाँ	1935	कलकत्ता	डॉ. जे.एच. हट्टन	मानवविज्ञान एवं भारत
23वाँ	1936	इंदौर	सर यू.एन. ब्रह्मचारी	चिकित्सा की नवीनतम प्रगति में विज्ञान की भूमिका
24वाँ	1937	हैदराबाद	राव बहादुर टी.एस. वेंकटरमन	भारतीय गाँव-भूत, वर्तमान एवं भविष्य
25वाँ	1938	कलकत्ता	सर जेम्स एच. जीन्स (नेल्सन के लॉर्ड रदरफोर्ड की असामयिक मृत्यु हो गई)	भारत और ग्रेट ब्रिटेन में अनुसंधान
26वाँ	1939	लहौर	प्रोफेसर जे.सी. घोष	भारत में रासायनिक अनुसंधान
27वाँ	1940	मद्रास	प्रोफेसर बी. साहनी	द डेक्कन ट्रैप्स : तृतीय युग की घटना
28	1941	बनारस	सर अर्देशिर दलाल	विज्ञान एवं उद्योग
29वाँ	1942	बड़ौदा	डॉ. डी.एन. वाडिया	भारत-निर्माण
30वाँ	1943	कलकत्ता	डॉ. डी.एन. वाडिया	युद्ध में खनिजों का शोथ
31वाँ	1944	दिल्ली	प्रोफेसर एस.एन.बोस	संतुलित नियतत्ववाद और क्वांटम सिद्धांत
32वाँ	1945	नागपुर	सर शांति एस. भटनागर	विज्ञान को एक मौका दें
33वाँ	1946	बंगलोर	प्रोफेसर एम. अफ़ज़ल हुसैन	भारत की खाद्य समस्या

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
34वाँ	1947	दिल्ली	पंडित जवाहरलाल नेहरू	राष्ट्र की सेवा में विज्ञान
35वाँ	1948	पटना	कर्मल सर रामनाथ चोपड़ा	भारत में दवा का औचत्य - स्थापन
36वाँ	1949	इलाहाबाद	सर के.एस. कृष्णन	-----
37वाँ	1950	पूना	प्रोफेसर पी.सी.महालानोबिस	आँकड़े क्यों ?
38वाँ	1951	बंगलोर	डॉ. एच.जे. भाभा	प्राकृतिक दुनिया की वर्तमान संकल्पना
39वाँ	1952	कलकत्ता	डॉ. जे.एन. मुखर्जी	विज्ञान और हमारी समस्याएँ
40वाँ	1953	लखनऊ	डॉ. डी.एम. बोस	सजीव एवं निर्जीव
41वाँ	1954	हैदराबाद	डॉ. एस.एल. होरा	वैज्ञानिकों को एक अवसर दें
42वाँ	1955	बड़ौदा	प्रोफेसर एस.के. मित्रा	विज्ञान एवं प्रगति
43वाँ	1956	आगरा	डॉ. एम.एस. कृष्णन	खनिज संसाधन एवं उनकी समस्याएँ
44वाँ	1957	कलकत्ता	डॉ. बी.सी. राय	मानव-कल्याण और देश के विकास के लिए विज्ञान
45वाँ	1958	मद्रास	प्रोफेसर एम.एस. थैकर	वैज्ञानिक विकास का व्याकरण
46वाँ	1959	दिल्ली	डॉ. ए.एल. मुदलियार	आधारभूत विज्ञान की प्रशंसा
47वाँ	1960	बंबई	प्रोफेसर पी. परिजा	विज्ञान और समाज का प्रभाव
48वाँ	1961	रूड़की	प्रोफेसर एन.आर. धर	नाइट्रोजन समस्या
49वाँ	1962	कटक	डॉ. बी. मुखर्जी	मनुष्य पर जीवविज्ञान का प्रभाव
50वाँ	1963	दिल्ली	प्रोफेसर डी.एस. कोठारी	विज्ञान एवं राज्य

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
51वाँ	1964	प्रोफेसर		
52वाँ	1965	कलकत्ता	हुमायूँ कबीर	
53वाँ	1966	चंडीगढ़	प्रोफेसर बी.एन. प्रसाद	भारत में विज्ञान
54वाँ	1967	हैदराबाद	प्रोफेसर टी.आर. शेषाद्रि	विज्ञान और राष्ट्रीय कल्याण
55वाँ	1968	वाराणसी	डॉ. आत्माराम	भारत में विज्ञान - कुछ पहलू
56वाँ	1969	बंबई	डॉ. ए.सी. जोशी (प्रोफेसर ए.सी. बनर्जी का असामयिक निधन हो गया)	चैन की साँस : मानव की सेवा में पादपविज्ञान
57वाँ	1970	खड़गपुर	डॉ. एल.सी. वर्मन	मानकीकरण: त्रिसूत्री विषय
58वाँ	1971	बंगलोर	डॉ. बी.पी. पाल	कृषिविज्ञान एवं मानव-कल्याण
59वाँ	1972	कलकत्ता	प्रोफेसर डब्ल्यू डी. वेस्ट	भारत की सेवा में भूविज्ञान
60वाँ	1973	चंडीगढ़	डॉ. एस. भगवंतम	भारत में विज्ञान के 60 वर्ष
61वाँ	1974	नागपुर	प्रोफेसर आर.एस. मिश्रा	गणित-रानी या नौकरानी
62वाँ	1975	दिल्ली	प्रोफेसर (श्रीमती) असिमा चटर्जी	भारत में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी: वर्तमान एवं भविष्य
63वाँ	1976	वाल्टेयर	डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन	विज्ञान एवं एकीकृत ग्रामीण विकास
64वाँ	1977	भुवनेश्वर	डॉ. एच.एन. सेतना	संसाधनों का सर्वेक्षण, एवं उपयोग
65वाँ	1978	अहमदाबाद	डॉ.एस.एम. सरकार	विज्ञान की शिक्षा एवं ग्रामीण विकास
66वाँ	1979	हैदराबाद	प्रोफेसर आर.सी. मेहरोत्रा	आगामी दशक में विज्ञान और प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
67वाँ	1980	यादवपुर	प्रोफेसर ए.के. साहा	भारत के लिए ऊर्जा रणनीति
68वाँ	1981	वाराणसी	प्रोफेसर ए.के. शर्मा	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के विकास का पर्यावरण पर प्रभाव
69वाँ	1982	मैसूर	प्रोफेसर एम.जी.के. मेनन	विज्ञान और प्रौद्योगिकी के स्वावलंबी आधार के अभिन्न घटक के रूप में आधारभूत अनुसंधान
70वाँ	1983	तिरुपति	प्रोफेसर बी.रामचंद्र राव	मानव और महासागर-संसाधन एवं विकास
71वाँ	1984	राँची	प्रोफेसर आर.पी. बंबा	भारत में बेहतर विज्ञान-उद्देश्य और साधन
72वाँ	1985	लखनऊ	प्रोफेसर ए.एस. पेंटल	उत्तुंगता - अध्ययन
73वाँ	1986	दिल्ली	डॉ. टी.एन. खोशू	पर्यावरण प्रबंधन में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका
74वाँ	1987	बंगलोर	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा	संसाधन और मानवकल्याण - विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान
75वाँ	1988	पुणे	प्रोफेसर सी.एन.आर. राव	विज्ञान और प्रौद्योगिकी में सीमाएँ
76वाँ	1989	मदुरै	डॉ. ए.पी. मित्रा	भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी मिशन
77वाँ	1990	कोचीन	प्रोफेसर यशपाल	समाज में विज्ञान
78वाँ	1991	इंदौर	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा	प्राकृतिक आपदा का सामान: एकीकृत दृष्टिकोण
79वाँ	1992	बड़ौदा	डॉ. वसंत गोवारिकर	विज्ञान, जनसंख्या और विकास
80वाँ	1993	गोवा	डॉ. एस.जेड. कासिम	विज्ञान और बेहतर जीवन
81वाँ	1994	जयपुर	प्रोफेसर पी.एन. श्रीवास्तव	भारत में विज्ञान : उत्कृष्टता एवं जवाबदेही
82वाँ	1995	कलकत्ता	डॉ. एस.सी. पक्राशी	भारत में विज्ञान, प्रौद्योगिकी और उद्योग का विकास
83वाँ	1996	पटियाला	प्रोफेसर यू.आर. राव	खाद्य, आर्थिक और स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
84वाँ	1997	दिल्ली	डॉ. एस.के. जोशी	विज्ञान और अभियंत्रिकी की सीमाएँ तथा राष्ट्रीय विकास में उनकी प्रासंगिकता
85वाँ	1998	हैदराबाद	प्रोफेसर पी. रामाराव	स्वतंत्र भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी: भूत एरां भविष्य
86वाँ	1999	चेन्नै	डॉ. (श्रीमती) मंजु शर्मा	नवजीवविज्ञान: नई सहस्राब्दि में अवसर एवं चुनौतियाँ
87वाँ	2000	पुणे	डॉ. आर.ए. माशेलकर	आगामी सहस्राब्दि में भारतीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
88वाँ	2001	नई दिल्ली	डॉ. आर.एस. परोदा	खाद्य, पोषण एवं पर्यावरण-सुरक्षा
89वाँ	2002	लखनऊ	प्रोफेसर एस.एस. कटियार	स्वास्थ्य-रक्षा, शिक्षा एवं सूचना प्रौद्योगिकी
90वाँ	2003	बंगलोर	डॉ. के. कस्तूररिंगन	फ्रंटीयर साइन्स एवं आधुनिकतम प्रौद्योगिकी
91वाँ	2004	चंडीगढ़	प्रोफेसर आशीष दत्ता	21वीं शताब्दी में विज्ञान और समाज:उत्कृष्टता की तलाश
92वाँ	2005	अहमदाबाद	प्रोफेसर एन.के. गांगुली	स्वास्थ्य प्रौद्योगिकी-राष्ट्र के विकास का आधार
93वाँ	2006	हैदराबाद	डॉ. आई. वी. सुब्बाराव	एकीकृत ग्रामीण विकास: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी
94वाँ	2007	अन्नामलाईनगर	प्रोफेसर हर्ष गुप्ता	पृथ्वीग्रह
95वाँ	2008	विशाखापट्टनम	प्रोफेसर आर. राममूर्ति	पर्यावरण अनुकूल विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करता ज्ञान आधारित समाज
96वाँ	2009	शिलांग	डॉ. टी. रामासामी	विज्ञान की शिक्षा और अनुसंधान की विशिष्टता के लिए प्रतिभा का आकर्षण
97वाँ	2010	तिरुवनंतपुरम	डॉ. जी. माधवन नायर	विज्ञान और प्रौद्योगिकी की 21वीं सदी में चुनौतियाँ

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महाध्यक्ष

अधिवेशन वर्ष	स्थान	नाम	महाध्यक्षीय भाषण की शीर्षक	
98वाँ	2011	चेन्नई	प्रो. के.सी. पाण्डेय	गुणवत्ता शिक्षा और भारतीय विश्वविद्यालयों में वैज्ञानिक अनुसंधान में उत्कृष्टता
99वाँ	2012	भुवनेश्वर	प्रो. गीता बाली	समावेशी नवाचार के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में महिलाओं की भूमिका
100वाँ	2013	कोलकाता	डॉ. मनमोहन सिंह	भारत के भविष्य को आकार देने के लिए विज्ञान
101वाँ	2014	जम्मू	प्रोफेसर रणवीर चंदर सोबती	समावेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार
102वाँ	2015	मुम्बई	डॉ. सरजेराव भावराव निमसे	मानव विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी
103वाँ	2016	मैसूर	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना	भारत में स्वदेशी विकास के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के महासचिव

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	श्री डी. हूपर	1973-76	डॉ. एस.एम. सरकार
1914-26	डॉ. जे.एल. साइमनसन	1974-77	प्रोफेसर आर.डी तिवारी
1914-20	श्री पी.एस. मैकमहन	1976-79	प्रोफेसर ए.के. शर्मा
1920-25	डॉ. सी.बी. रमन	1977-80	डॉ. बी. रामचन्द्र राव
1924-35	डॉ. एस.पी. आगरकर	1979-82	डॉ. डी. बसु
1926-30	डॉ. रोलॉ वी. नॉरिस	1980-83	प्रोफेसर अरुण कुमार डे
1930-32	डॉ. एच.बी. डन्नीक्लिफ़	1982-85	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा
1932-39	श्री डब्ल्यू. डी. वेस्ट	1983-86	प्रोफेसर एम. के. सिंघल
1935-40	प्रोफेसर जी. एन. मुखर्जी	1985-88	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा
1938-44	प्रोफेसर पी. परिजा	1986-89	डॉ. (सुश्री) एस.पी. आर्य
1939-45	प्रोफेसर एस. के. मित्रा	1988-91	डॉ. एस.सी. पक्राशी
1944-45	प्रोफेसर पी.सी. मिटर	1989-92	डॉ. (श्रीमती) गौरी गांगुली
1944-49	प्रोफेसर एम. कुरेशी	1991-94	प्रोफेसर डी.पी. चक्रवर्ती
1945-48	प्रोफेसर पी. सी. महालानोबिस	1992-95	प्रोफेसर एच.पी. तिवारी
1948-52	डॉ. बी. मुखर्जी	1994-97	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1948-52	डॉ. बी. संजीव राव	1995-98	डॉ. (श्रीमती) योगिनी पाठक
1952-53	डॉ. एस.आर. सेनगुप्ता	1997-2000	प्रोफेसर ए.एस. मुखर्जी
1952-55	डॉ. बी.एन प्रसाद	1998-2001	प्रोफेसर उमाकान्त
1953-57	डॉ. यू.पी. बसु	2000-2003	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1955-58	डॉ. बी.बी. जोशी	2001-2004	प्रोफेसर बी. सत्यनारायण
1957-60	डॉ. ए.के. डे	2003-2006	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1958-61	डॉ. बी.एन प्रसाद	2004-2007	प्रोफेसर एस.पी. सिंह
1960-62	प्रोफेसर बी.सी. गुहा	2006-2009	प्रोफेसर अभिजित बनर्जी
1961-65	प्रोफेसर पी.एस. गिल	2007-2010	डॉ. अशोक कुमार सक्सेना
1962-66	डॉ. आत्माराम	2010-2013	डॉ. मनोज कुमार चक्रवर्ती
1965-68	प्रोफेसर चंद्रशेखर घोष	2010-2013	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी सक्सेना
1966-70	प्रोफेसर ए.के. साहा	2013-2016	इंजीनियर नीलांशु भूषण बासु
1968-71	प्रोफेसर आर.एस. मिश्रा	2013-2016	प्रोफेसर अरुण कुमार
1970-73	प्रोफेसर (श्रीमती) असिमा चटर्जी	2016-2019	प्रोफेसर गंगाधर
1971-74	प्रोफेसर रामचंद्र पॉल	2016-2019	प्रोफेसर प्रेमेन्दु पी. माथुर

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के कोषाध्यक्ष

वर्ष	नाम	वर्ष	नाम
1913-14	डॉ. आर. डी. हूपर	1965-68	प्रोफेसर (श्रीमती) असिमा चटर्जी
1914-16	डॉ. जे. एल. साइमनसन	1968-71	डॉ. एस.एम. सरकार
1916-19	श्री आर. डी. मेहतता	1971-74	प्रोफेसर ए.के. शाहा
1919-20	श्री डी. आर. भंडारकर	1974-76	प्रोफेसर ए.के. शर्मा
1920-21	श्री डब्ल्यू. डब्ल्यू. के पाजे	1976-77	प्रोफेसर ए.के. साहा
1920-21	श्री ओसवाल्ड मार्टिन	1977-80	प्रोफेसर डी.एन. कुंडू
1921-22	श्री ए.के. हार्ले	1980-82	प्रोफेसर (श्रीमती) अर्चना शर्मा
1922-23	श्री डब्ल्यू. आर. सी. ब्रॉयरले	1982-85	प्रोफेसर डी. के. सिन्हा
1923-24	डॉ. सी. वी. रमन	1985-86	प्रोफेसर अशोक घोष
1924-25	डॉ. बेनी प्रसाद	1986-88	डॉ. सत्येश चंद्र पक्राशी
1925-26	डॉ. एस.एल. होरा	1988-89	प्रोफेसर डी.के. सिन्हा
	डॉ. बेनी प्रसाद	1989-91	प्रोफेसर डी.पी. चक्रवर्ती
1930-31	श्री के. सी. महिंद्रा	1991-92	डॉ. डी बसु
1931-32	श्री जैस इंश	1992-94	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1932-34	श्री के.सी. महिंद्रा	1994-95	डॉ. डी बसु
1934-37	डॉ. एस.एल. होरा	1995-98	डॉ. एस.बी. महतो
1937-38	राय बहादुर	1998-2000	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
	डॉ. एस.एल. होरा	2000-2001	प्रोफेसर एस.पी. मुखर्जी
1938-39	श्री पर्सी ब्राउन	2001-2003	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1939-44	प्रोफेसर जे.एन. मुखर्जी	2003-2004	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1944-49	प्रोफेसर पी. राय	2004-2006	प्रोफेसर अभिजीत बनर्जी
1949-52	प्रोफेसर के.एन. बग्ची	2006-2007	प्रोफेसर ए.बी. बनर्जी
1952-55	प्रोफेसर पी.सी. महालोबनिस	2009-2010	प्रोफेसर बी.पी. चटर्जी
1955-58	श्री बी. के. सरकार	2010-2013	इंजीनियर नीलांशु भूषण बासु
1958-60	प्रोफेसर बी.सी. गुहा	2013-2016	प्रोफेसर ध्यानेन्द्र कुमार
1960-65	प्रोफेसर पी.के. बोस	2016-2019	प्रोफेसर रंजीत कुमार वर्मा

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

लेखापरीक्षा रिपोर्ट एवं लेखे

31 मार्च, 2016

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के प्रति

वित्तीय विवरणों पर रिपोर्ट :

हम भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के संलग्न बैलेंस शीट और अक्षय निधि के समावेश के वित्तीय वक्तव्यों का लेखापरीक्षण 31 मार्च, 2015 का किए हैं और अनुदान के आय-व्यय लेखा (योजना और गैर-योजना) और अक्षय निधि और उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्तियों और भुगतान खाते के अलावा एक सारांश महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी दिया गया है।

वित्तीय वक्तव्यों के लिए प्रबंधन की ज़िम्मेदारी :

संस्था के प्रबंधन इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए और इन वित्तीय स्थितियों की सही और निष्पक्ष देखने के लिए, वित्तीय प्रदर्शन और समापन नकद/बैंक लेखा मानकों के अनुसार संस्था के लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप ज़िम्मेदार है और यह आमतौर पर भारत में स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुसार है। इस ज़िम्मेदारी को भी संघ की संपत्ति की सुरक्षा के लिए और रोकने और धोखाधड़ी और अन्य अनियमितताओं, चयन और उचित लेखांकन नीतियों के आवेदन का पता लगाने, निर्णय और अनुमान है कि उचित और विवेकपूर्ण बनाने के लिए कानून के अनुसार पर्याप्त लेखा अभिलेखों का रखरखाव शामिल और डिजाइन, कायन्वियन और आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रभावी ढंग से काम रहे थे सटीकता और तैयारी और वित्तीय बयान है कि एक सच्चे और निष्पक्ष दृश्य देने और सामग्री गलत बयान से मुक्त करना है। इसकी प्रस्तुति के लिए प्रासंगिक लेखा अभिलेखों की पूर्णता सुनिश्चित करने के लिए रखरखाव, धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण चाहिए।

लेखा-परीक्षकों की ज़िम्मेदारी :

हमारी ज़िम्मेदारी हमारे ऑडिट के आधार पर इन वित्तीय विवरणों पर एक राय व्यक्त करने के लिए है। हम भारत के चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स संस्थान द्वारा जारी किये गये अंकेक्षण मानकों के अनुसार अंकेक्षण किये हैं। उन मानकों का बयान हमारे नैतिक आवश्यकताओं के अनुरूप है और योजना और वित्तीय सामग्री को उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए प्रदर्शन की आवश्यकता होती है।

लेखा परीक्षा में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रक्रियाओं के प्रदर्शन शामिल है जो राशि और वित्तीय बयान में खुलासा करते हैं। चयनित प्रक्रिया लेखा परीक्षक के फैसले पर निर्भर करती है जिसमें वित्तीय विवरणों का बयान धोखाधड़ी या त्रुटिपूर्ण के जोखिम भी शामिल है। उन जोखिमों को आकलन करने में, लेखा परीक्षक संस्था की आंतरिक तैयारी और उचित हालात को समझता है और लेखा परीक्षा की प्रक्रिया डिजाइन करने के क्रम में वित्तीय बयान की निष्पक्ष प्रस्तुति करता है। लेखा परीक्षा लेखांकन नीतियों के औचित्य और लेखा की तर्कसंगतता का मूल्यांकन भी करता है जो प्रबंधन द्वारा दी गई है, साथ ही, वित्तीय बयान की समाग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन करने का अनुमान भी लगाता है।

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के प्रति

योग्य विचार के लिए आधार :

- 1) अनुदान सहित पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान आय के रूप में 12 उल्लंघन के रूप में की गई है, आगे कुल परिसंपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान खाते के बीच अंतर के लिए कोई सुलह उपलब्ध कराया जा सकता है जो सरकार की ओर से प्राप्त किया गया हों।
- 2) बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार देनदारियाँ पेंशन, ग्रेच्युटी और छुट्टी नकदीकरण के संबंध में प्रावधान नहीं किया गया है। (ध्यान दें 1,2 और 3 नोट्स के खातों के लिए) इस तरह AS-15 का उल्लंघन किया गया।
- 3) आयकर की गैर लेखा के दौरान 2015-2016 के सावधि जमा पर स्रोत पर कर कटौती रु 7,49,472 (खातों के लिए नोट करने के लिए 10 के आधार पर ध्यान देकर देखें)।
- 4) गैर प्रावधान रु 1,81,46,810 की आकस्मिक देयता के प्रकटीकरण AY 2012-13 और AY-2013-14 के लिए विवाद अपील के तहत आयकर की मांग के लिए AS-29 का उल्लंघन किया गया। संदर्भ 12 ध्यान दें कोई खातों के लिए नोट के लिए।
- 5) सेमिनार, संगोष्ठियाँ, चर्चा और व्याख्यान आदि आयोजन के लिए विभिन्न शाखाओं के लिए भेजे राशि प्रकृति के लिए किसी भी संबंध के बिना खर्च (ISCA शाखा) के लिए रवाना आरोप लगाया है और वास्तविक व्यय किए गए है। इसके अलावा, शाखाओं द्वारा किए गए किसी भी आय के लिए ज़िम्मेदार नहीं है। रुपये की कुल राशि 88.62 लाख (रुपये 44.62 नियमित खर्चे और रुपये 44.00 लाख सेमिनार आदि के लिए) 2015-16 के दौरान 25 शाखाओं में भेजा गया, उपयोगिता प्रमाण-पत्र लेखा परीक्षा की तिथि के आधार पर केवल 18 शाखाओं से प्राप्त किया गया है।
- 6) गैर रिकॉर्डिंग और हाथ में चेक की गैर लेखा बाद के वर्ष के लिए सदस्यता और प्रवेश शुल्क की दिशा में प्राप्त किया। हाथ में ऐसे चेकों की कुल राशि पर्याप्त विवरण के अभाव में पता नहीं चल सका।
- 7) बंदोबस्ती कोष के लिए ब्याज का भारी नुकसान के रूप में यह संस्था की मानक पद्धति के अनुसार सावधि जमा के बजाय बचत बैंक खाते में रखा जाता है।

स्वतंत्र लेखा-परीक्षकों का प्रतिवेदन भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के सदस्यों के प्रति

राय :

हमारी राय में और हमारी जानकारी के अनुसार और हमारे लिए दिये गए विवरण के अनुसार 'लेखा परीक्षा अवलोकन' (एक) से (तीन) के अधीन सच्चे तरीके से जानकारी देने के लिए वित्तीय वक्तव्यों के लेखांकन सिद्धान्तों के अनुरूप निष्पक्ष दृश्य आमतौर पर भारत में स्वीकार किये जाते हैं :-

- क) संस्था के मामलों में बैलेंस शीट 31 मार्च, 2015 के रूप में
- ख) उस तारीख को समाप्त हुए वर्ष के लिए अधिशेष की आय और व्यय खाते के मामले में, और
- ग) वर्ष के लिए वास्तविक प्राप्ति और भुगतान एवं प्राप्ति एवं भुगतान के मामले में उस तारीख पर और 31.03.2015 समापन नकद/बैंक बैलेंस समाप्त हो गया।

अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट :

हम रिपोर्ट करते हैं कि :-

- 1) हमारे ऑडिट के उद्देश्य के लिए हमें जो जानकारी और स्पष्टीकरण हमारे ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे उसे प्राप्त किये हैं।
- 2) हमारे राय में, उन किताबों की परीक्षा से प्रकट होता है कि कानून द्वारा अपेक्षित खातों का समुचित पुस्तकें अब तक संस्था द्वारा रखा गया है।
- 3) बैलेंस शीट, आय और व्यय खाते और इस रिपोर्ट से निपटा प्राप्ति और भुगतान खाते की पुस्तकों के साथ समझौते हैं।
- 4) हमारी राय में उक्त वित्तीय विवरण ICAI द्वारा जारी लेखा मानकों के अनुरूप है, जहाँ लागू हों सरकारी अनुदान (AS-12) के लेखांकन के अलावा पेंशन, ग्रेज्युटी पर, देनदारियाँ और (AS-15) छुट्टी नकदीकरण और आकस्मिक देयता (AS-29) हों।
- 5) मामलों के संबंध में लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किया जाता है, हमारी राय में और हमारी जानकारी का सबसे अच्छा और करने के लिए हमें स्पष्टीकरण के अनुसार हमें करने के लिए दिए गए।

- क) संस्था राइट्स के तहत टिप्पणी 12 में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमेबाजी के प्रभाव का खुलासा किया है।
- ख) संस्था व्युत्पन्न अनुबंध सहित किसी भी दीर्घकालिक अनुबंध नहीं था।
- ग) वहाँ कोई मात्रा में जो संस्था द्वारा निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष को हस्तांतरित करने के लिए आवश्यक थे।

एस.के. भट्टाचार्य के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन.-301081ई
Shyamal Kumar Mukherjee
सी.ए. एस.के. मुखर्जी
(पार्टनर)
एम.एन-017067

दिनांक : 20 सितम्बर, 2016

स्थान : कोलकाता

अवलोकन

1. अनुदान सहित पूंजीगत व्यय के लिए अनुदान आय के रूप में उल्लंघन के रूप में AS-12 के रूप में इलाज किया गया है। आगे, कुल परिसंपत्ति खाते और गैर आवर्ती निधि अनुदान खाते के बीच अंतर के लिए कोई सुलह उपलब्ध कराया जा सकता है जो सरकार से प्राप्त किया जा सके।

2. बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार देनदारियाँ पेंशन, ग्रेच्युटी के संबंध में प्रावधान नहीं किया गया है और छुट्टी नकदीकरण (ध्यान दें ताकि कोई 1,2 और 3 खातों के लिए नोटों को देखें)। इस तरह (AS-15) का उल्लंघन किया गया।

3. आयकर की गैर लेखा 2015-16 में सावधि जमा पर स्रोत पर कर कटौती रू. 7,49,472 (खातों के नोट के लिए 10 उल्लेख है)।

4. गैर प्रावधान रूपये 1,81,46,810 की आकस्मिक देयता के प्रकटीकरण 2012-13 और 2013-2014 के लिए विवाद अपील के तहत आयकर की मांग के लिए संदर्भ लें 12 खातों के नोट के लिए), AS-29 का उल्लंघन।

5. सेमिनार, संगोष्ठियाँ, चर्चा और व्याख्यान आदि आयोजन के लिए विभिन्न शाखाओं के लिए भेजा राशि खर्च की वास्तविक व्यय के लिए किसी भी संबंध के बिना खर्च (ISCA शाखा) के लिए बंद आरोप लगाया है। इसके अलावा, शाखा द्वारा किए गए किसी भी आय के लिए जिम्मेदार नहीं है। रूपये 88.62 लाख की कुल राशि से बाहर है। (रूपये नियमित खर्चे 44.62 और रूपये 44.00 लाख सेमिनार आदि के लिए)। 2015-16 के दौरान 25 शाखाओं के लिए भेजा गया, केवल उपयोगिता प्रमाण पत्र लेखा परीक्षा की तारीफ को 18 शाखाओं से प्राप्त किया गया है।

उत्तर

गैर आवर्ती निधि खाते में अचल संपत्तियों के हस्तांतरण राशि के बराबर लंबे समय के बाद अभ्यास किया गया है और कोई आपत्ति अतीत में उठाया गया था। अगले वित्त वर्ष से कुल पूंजी अनुदान गैर आवर्ती निधि खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

गैर-अचल संपत्तियों के साथ सुलह के रूप में निधि अनुदान आवर्ती आवश्यक दिशा-निर्देशों को इस संबंध में लेखा परीक्षा द्वारा प्रदान किए जाने के रूप में इस अभ्यास को शुरू से पालन नहीं किया गया।

बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार देनदारियाँ पेंशन, ग्रेच्युटी के संबंध में प्रावधान नहीं किया गया है और छुट्टी नकदीकरण (ध्यान दें ताकि कोई 1,2 और 3 खातों के लिए नोटों को देखें)। इस तरह (AS-15) का उल्लंघन किया गया।

फार्म 16 ब्याज पर टीडीएस की दिशा में बैंक द्वारा जारी किए गए स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित नहीं करता है जो ब्याज से टीडीएस की कटौती की गई है। आवश्यक जानकारी बैंक से एक ही लेखांकन प्रदान करने के लिए अनुरोध किया गया।

जब से आयकर की देनदारी अपील के अधीन है यह पुस्तकों में उपलब्ध नहीं कराया गया है। आकस्मिक देयता स्पष्ट रूप से खातों के लिए नोट में उल्लेख किया है।

अभ्यास के अनुसार कुल अनुदान शाखा राजस्व व्यय के रूप में आरोप लगाया गया है कि उपयोगिता प्रमाण-पत्र भेजा गया है और उसे उपलब्ध कराने पर खर्च के बयान अगले अनुदान में जारी किया जाएँ।

आज के तारीख तक 25 शाखाओं में 18 शाखा उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रदान किये हैं। 3 शाखा, प्रति कार्यकारी समिति के प्रस्ताव के रूप में नीचे बंद कर दिया गया है इसके रूप में वे उपयोग प्रदान करने में असमर्थ थे। 2 शाखा जांच के दायरे में है और शेष 2 शाखा ही उपयोगिता प्रमाण-पत्र की प्राप्ति के बाद अनुदान प्रदान किया जाएगा।

6 गैर-रिकॉर्डिंग और गैर लेखा सदस्यता और बाद के वर्षों के लिए प्रवेश शुल्क गैर लेखा हाथों में चेक जाँच की पर्याप्त विवरण के अभाव में पता नहीं चल सका।

7. ब्याज का भारी नुकसान बंदोबस्ती कोष के लिए किए गए रूप में यह संस्था की मानक पद्धति के अनुसार सावधि जमा के बजाय बचत बैंक खातों में रखा जाता है।

वित्तीय वर्ष की समाप्ति के 2 दिनों के लिए पीछले से पहले प्राप्त चेक अगले वर्ष के 1 अप्रैल के बाद उन्हें पुनः भेजने के अनुरोध के साथ वापस आ जाएगा। पीछले 2 दिनों पर प्राप्त चेकों को दर्ज की गई और जिम्मेदार हो जाएगा।

बैंको के साथ लग कर बचत बैंक खाते फ्लेक्सी जमा करने में परिवर्तित करने के लिए जहाँ भी संभव में पड़ी अप्रयुक्त राशि में परिवर्तन करने के लिए होगा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

14, डॉ० बीरेश गुहा स्ट्रीट, कोलकाता - 700 017

31 मार्च, 2016 के रूप में तुलन पत्र

	विवरण	नोट	31 मार्च 2016 के रूप में	31 मार्च 2015 के रूप में
I	देयनाएं			
1	निधि			
(क)	भंडार और अधिशेष-फंड - अनुदान	1 1क	12,59,01,948.20 2,15,44,801.67	10,51,22,083.89 2,07,64,099.67
2	गैर-वर्तमान देयताएं			
(क)	लंबी-अवधि के प्रावधान	2	4,21,43,571.57	4,34,69,674.90
3	मौजूदा देनदारी			
(क)	अन्य मौजूदा देनदारियाँ	3	17,98,932.00	9,66,712.00
	कुल		19,13,89,253.44	17,03,22,570.46
II	संपत्ति			
1	गैर-मौजूदा संपत्ति :			
(क)	अचल संपत्ति	4	2,18,90,802.54	2,26,53,316.19
	(i) मूर्त संपत्ति	4	61,493.00	52,943.00
	(i क) प्रगति कार्य में पूंजी-मूर्त			
(ख)	गैर-मौजूदा निवेश	5	13,01,10,453.30	11,78,09,443.44
(ग)	लंबी-अवधि ऋण और अग्रिम	6	22,69,425.00	23,39,037.00
(घ)	अन्य गैर-मौजूदा संपत्ति	7	3,92,414.51	3,92,414.51
2	मौजूदा संपत्ति			
(क)	माल	8	2,69,614.77	13,58,796.25
(ख)	नकद और नकद समकक्ष	9	3,62,77,565.32	2,55,12,750.07
(ग)	लघु-अवधि ऋण और अग्रिम	10	34,200.00	32,400.00
(घ)	अन्य मौजूदा संपत्ति	11	83,285.00	1,71,470.00
	कुल		19,13,89,253.44	17,03,22,570.46
	महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	17		
	लेखा पर नोट्स	18		

नोट इन वित्तीय विवरणों का एक अभिन्न हिस्सा है।
आज की तारीख में हमारी संलग्न रिपोर्ट के बारे में।

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट

Shyamal Kumar Nishchajin

(CA.S.K. मुखर्जी)
भागीदार
सदस्य संख्या 017607

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 20/09/2016

ganga

गंगाधर
महासचिव (सदस्यता कार्य)

Rajeev

रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31, मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए वित्तीय व्यय करने के लिए नोट्स

ध्यान दें.1 निधि	वर्ष समाप्त 31.03.2016	वर्ष समाप्त 31.03.2015
	राशि	राशि
	₹	₹
अन्य निधि		
सामान्य निधि		
उद्घाटन राशि	18,00,669.81	12,97,182.35
वर्ष के दौरान भुगतान	3,801.34	5,03,487.46
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	5,00,000.00	-
	13,04,471.15	18,00,669.81
आरक्षित निधि		
उद्घाटन राशि	52,49,998.82	47,28,316.40
वर्ष के दौरान जोड़	5,91,705.59	5,21,682.42
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	58,41,704.41	52,49,998.82
सार्वजनिक सूचना अधिकारी निधि		
उद्घाटन राशि	3,093.00	2,905.00
वर्ष के दौरान जोड़	385.00	188.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	3,478.00	3,093.00
सर आशुतोष मुखर्जी फेलोशिप अवार्ड फंड		
उद्घाटन राशि	11,20,888.00	37,42,510.00
वर्ष के दौरान जोड़	47,48,373.00	-
वर्ष के दौरान कम भुगतान	9,20,000.00	26,21,622.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	49,49,261.00	11,20,888.00
कुल	1,20,98,914.56	81,74,649.63
संपत्ति कोष		
भवन निधि		
उद्घाटन राशि	9,28,026.46	8,80,965.48
वर्ष के दौरान जोड़	49,134.60	47,060.98
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	9,77,161.06	9,28,026.46
आवास निर्माण अग्रिम निधि		
उद्घाटन राशि	8,77,383.83	8,21,184.62
वर्ष के दौरान जोड़	59,545.70	56,199.21
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	9,36,929.53	8,77,383.83
ISCA विकास निधि		
उद्घाटन राशि	1,02,17,045.16	94,74,109.01
वर्ष के दौरान जोड़	7,15,831.43	7,42,936.15
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,09,32,876.59	1,02,17,045.16
योजना आवास निधि		
उद्घाटन राशि	1,13,47,499.32	79,83,188.32
वर्ष के दौरान जोड़	-	33,64,311.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,13,47,499.32	1,13,47,499.32
	2,41,94,466.50	2,33,69,954.77

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

जीवन सदस्यता शुल्क निधि		
उद्घाटन राशि	5,61,51,811.08	4,76,17,718.35
वर्ष के दौरान जोड़	95,49,221.53	96,80,947.73
	6,57,01,032.61	5,72,98,666.08
वर्ष के दौरान कम भुगतान	9,25,420.00	11,46,855.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	6,47,75,612.61	5,61,51,811.08
आय व्यय खाते में जमा शेष		
उद्घाटन राशि	Rs	Rs
वर्ष के दौरान जोड़	1,74,25,668.41	1,10,56,640.64
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	74,07,286.12	63,69,027.77
कुल	2,48,32,954.53	1,74,25,668.41
	12,59,01,948.20	10,51,22,083.89
ध्यान दें 1क		
अनुदान (गैर आवर्ती निधि अनुदान)		
उद्घाटन राशि	2,07,64,099.67	2,02,72,539.67
वर्ष के दौरान जोड़	7,80,702.00	4,91,560.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	2,15,44,801.67	2,07,64,099.67
ध्यान दें 2		
गैर-मौजूदा देनदारियाँ		
लंबी अवधि के प्रावधान		
ग्रेच्युटी फंड		
उद्घाटन राशि	1,65,30,856.21	1,64,94,897.10
वर्ष के दौरान जोड़	9,65,667.28	9,35,836.11
	1,74,96,523.49	1,74,30,733.21
वर्ष के दौरान कम भुगतान	18,47,721.00	8,99,877.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,56,48,802.49	1,65,30,856.21
पेंशन निधि		
उद्घाटन राशि	1,49,98,283.43	1,23,66,882.71
वर्ष के दौरान जोड़	48,86,268.53	6,31,103.72
	1,98,84,551.96	1,29,97,986.43
वर्ष के दौरान कम भुगतान	48,57,951.00	4,99,703.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	25,00,000.00
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,50,26,600.96	1,49,98,283.43
छुट्टी नकदीकरण निधि		
उद्घाटन राशि	1,19,40,535.26	1,13,37,123.41
वर्ष के दौरान जोड़	7,11,072.86	6,63,758.85
	1,26,51,608.12	1,20,00,882.26
वर्ष के दौरान कम भुगतान	11,83,440.00	60,347.00
निधि का हस्तांतरण जोड़	-	-
वर्ष के अंत में शुद्ध अधिशेष	1,14,68,168.12	1,19,40,535.26
कुल	4,21,43,571.57	4,34,69,674.90

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

ध्यान दें- 3

मौजूदा देनदारियाँ

गैर योजना	1,39,245.00	35,886.00
योजना	13,38,086.00	5,71,059.00
	<u>14,77,331.00</u>	<u>6,06,945.00</u>
जमा		
पिछले खाते के अनुसार	1,94,814.00	1,54,941.00
जोड़ : जोड़	75,687.00	39,873.00
	<u>2,70,501.00</u>	<u>1,94,814.00</u>
योजना प्रतिधारण धन		
प्रारंभिक	1,64,253.00	1,64,253.00
वर्ष के दौरान जोड़	-	-
वर्ष के दौरान कम भुगतान	1,63,253.00	-
वर्ष के अंत तक निवल शेष	<u>1,000.00</u>	<u>1,64,253.00</u>
अग्रिम		
सदस्यता शुल्क	50,100.00	700.00
	<u>50,100.00</u>	<u>700.00</u>
कुल	<u>17,98,932.00</u>	<u>9,66,712.00</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची- 4

विवरण	दर	01-04-16 को मूल लागत	वृद्धि	बिक्री/समाप्तोजन	31-03-16 तक कुल लागत	31-03-15 तक मूल्यांकन	वर्ष से संबंधित मूल्यांकन	मूल्यांकन का समाप्तोजन	कुल मूल्यांकन	31-03-16 को निवल अंक	31-03-16 को निवल अंक	31-03-10 तक मूल्यांकन विवरण
		₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹
भवननिधि संबंधी												
मूल्य भवन	10	2,58,964.25	-	-	2,58,964.25	40,927.38	2,588.40	-	43,515.78	2,15,448.47	2,18,036.87	1,92,152.83
उपभवन	10	64,191.61	-	-	64,191.61	10,165.14	642.94	-	10,808.08	53,383.53	54,026.46	47,597.14
		3,23,155.86	-	-	3,23,155.86	51,092.52	3,231.34	-	54,323.86	2,68,832.00	2,72,063.33	2,39,749.97
कार्यालय को सल-सल्य के लिए												
योग												
योगमातृ अमुदान संबंधी												
i) सल-सल्यो साहल अतलरकत	10	27,75,466.82	-	-	27,75,466.82	10,12,187.53	64,014.90	-	10,76,202.43	16,99,264.37	17,63,279.27	11,23,130.28
भवन को नलमाण	10	4,67,573.12	-	-	4,67,573.12	27,571.59	1,743.70	-	29,315.30	4,38,257.82	4,40,001.53	4,22,564.50
ii) लकूप	10	32,04,590.74	25,500.00	-	32,30,090.74	2,28,105.34	15,502.18	-	2,43,607.52	29,86,483.23	29,76,485.41	28,32,222.50
iii) वल्यलनकस को वलतलनुकूलन	10	64,47,630.68	25,500.00	-	64,73,130.68	12,67,864.47	81,260.78	-	13,49,125.26	51,24,005.42	51,79,766.21	43,77,917.28
योग												
नर योवन अललती नलध												
अमुदान संबधी												
i) नकस सलण	10	51,979.20	-	-	51,979.20	1,143.25	72.29	-	1,215.54	50,763.66	50,835.95	50,113.08
ii) EPAB सलण	10	1,72,920.00	-	-	1,72,920.00	35,551.01	4,363.48	-	39,914.49	1,33,005.51	1,37,368.99	93,734.15
		2,24,899.20	-	-	2,24,899.20	36,694.26	4,435.77	-	41,130.03	1,83,769.17	1,88,204.94	1,43,847.23
योग												
नर भवन नलध												
अमुदान संबधी												
नर भवन	10	10,701.95	-	-	10,701.95	2,019.95	127.73	-	2,147.68	8,554.27	8,682.00	7,404.66
		10,701.95	-	-	10,701.95	2,019.95	127.73	-	2,147.68	8,554.27	8,682.00	7,404.66
योग												
डरसलडर के ललर नै योवन												
अमुदान संबधी												
i) डरसलडर	10	9,088.79	-	-	9,088.79	14.81	0.97	-	15.78	9,073.01	9,073.98	9,064.26
ii) डरसलडर	10	9,088.79	-	-	9,088.79	14.81	0.97	-	15.78	9,073.01	9,073.98	9,064.26
योग												
योगमातृ अललती नलध												
अमुदान संबधी												
i) डरसलडर	10	48,417.49	-	-	48,417.49	3,294.78	208.33	-	3,503.11	44,914.38	45,122.71	43,039.44
ii) डरसलडर	10	9,79,876.81	1,48,166.00	-	11,28,042.81	2,68,833.67	33,367.66	-	3,02,201.33	8,25,841.48	7,11,043.14	3,77,366.51
वल्यलन कस	10	90,726.00	-	-	90,726.00	37,972.46	4,144.71	-	42,117.17	48,608.83	52,753.54	11,306.40
अललर नर	10	1,40,334.04	-	-	1,40,334.04	58,173.90	3,679.14	-	61,853.04	78,481.00	82,160.14	45,368.79
सुल भवन कल वलतलनुकूलन	10	11,81,906.49	-	-	11,81,906.49	3,62,161.04	38,618.61	-	4,00,779.65	7,81,126.84	8,19,745.45	4,33,559.37
iii) अललरकत	10	1,93,300.00	-	-	1,93,300.00	45,741.84	7,789.19	-	53,511.03	1,39,788.97	1,47,558.16	69,866.25
iv) अललरकत	10	17,748.90	-	-	17,748.90	783.91	49.54	-	833.45	16,915.45	16,964.99	16,469.58
v) सुललर	10	35,755.75	-	-	35,755.75	2,346.21	148.41	-	2,494.62	33,261.13	33,409.54	31,925.46
vi) ललकननक डरसलडर	10	31,642.97	-	-	31,642.97	1,392.23	88.03	-	1,480.25	30,162.72	30,250.74	29,370.49
vii) नललन सलण	10	74,880.00	-	-	74,880.00	37,075.41	3,780.46	-	40,855.87	34,024.13	37,804.59	-
viii) डरसलडर	60	8,85,598.99	22,450.00	-	9,08,048.99	4,13,970.22	27,080.49	-	4,41,050.71	4,66,988.28	4,71,628.77	4,42,547.90
ix) डरसलडर	10	52,600.00	-	-	52,600.00	8,202.81	4,439.72	-	12,642.53	39,957.46	44,397.18	1,01,355.90
x) डरसलडर	10	1,01,656.95	-	-	1,01,656.95	9,900.52	626.18	-	10,526.70	91,130.25	91,756.43	85,494.63
xi) डरसलडर	60	1,68,786.10	-	-	1,68,786.10	60,509.78	9.52	-	60,519.30	1,08,266.80	1,08,276.32	1,08,260.46
xii) डरसलडर	10	2,26,885.00	-	-	2,26,885.00	90,995.95	6,852.52	-	97,848.47	1,29,036.53	1,35,889.05	67,363.86
xiii) डरसलडर	10	84,725.00	-	-	84,725.00	28,052.61	1,774.24	-	29,826.85	54,898.15	56,672.39	36,930.03
xiv) डरसलडर	60	13,500.00	-	-	13,500.00	13,499.00	-	-	13,499.00	1.00	1.00	-
xv) डरसलडर	15	4,68,031.70	7,11,986.00	4,68,031.70	7,11,986.00	1,56,504.33	15,792.22	-	11,969.33	7,00,016.67	3,11,527.37	2,64,344.30
xvi) डरसलडर	60	65,900.00	-	-	65,900.00	42,494.61	315.08	-	42,809.69	23,090.31	23,405.39	22,880.26
xvii) डरसलडर	60	3,57,860.00	-	-	3,57,860.00	1,53,138.16	1,22,833.10	-	1,75,971.26	81,888.74	2,04,721.84	-
xviii) डरसलडर	60	5,98,247.00	-	-	5,98,247.00	4,85,701.06	1,12,544.94	-	5,98,246.00	1.00	1.00	1,12,545.94
		58,18,379.19	8,82,602.00	4,68,031.70	62,32,949.49	22,80,744.51	3,84,122.08	-	25,04,539.36	37,28,410.12	35,37,634.68	21,89,429.63
योग												

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 5

गैर-चालू निवेश

	रु	रु
सामान्य निधि		-
अंतरिम जमा	46,038.40	42,237.06
बैंक में	-	-
	<u>46,038.40</u>	<u>42,237.06</u>
प्रारक्षित निधि		
अंतरिम जमा	56,68,465.94	51,29,604.35
बैंक में	73,238.47	70,394.47
	<u>57,41,704.41</u>	<u>51,99,998.82</u>
पेंशन निधि		
अंतरिम जमा	1,13,79,431.96	1,04,83,255.43
बैंक में	36,44,723.00	45,12,582.00
	<u>1,50,24,154.96</u>	<u>1,49,95,837.43</u>
भवन निधि		
अंतरिम जमा	6,14,427.27	5,66,829.67
बैंक में	39,577.93	38,040.93
	<u>6,54,005.20</u>	<u>6,04,870.60</u>
आजीवन सदस्यता निधि		
अंतरिम जमा	6,10,99,226.76	5,61,84,327.23
बैंक में	36,09,285.85	95,463.85
	<u>6,47,08,512.61</u>	<u>5,62,79,791.08</u>
उपदान निधि		
अंतरिम जमा	79,73,804.79	73,52,730.51
बैंक में	76,74,997.70	91,78,125.70
	<u>1,56,48,802.49</u>	<u>1,65,30,856.21</u>
भवन निर्माण अग्रिम निधि		
अंतरिम जमा	6,40,724.44	5,92,680.74
बैंक में	2,96,205.08	2,84,703.08
	<u>9,36,929.52</u>	<u>8,77,383.82</u>
संस्था विकास निधि		
अंतरिम जमा	87,65,318.73	86,55,783.30
बैंक में	21,67,557.86	15,61,261.86
	<u>1,09,32,876.59</u>	<u>1,02,17,045.16</u>
ISCA छुट्टी तुलना निधि		
अंतरिम जमा	59,76,773.12	55,08,026.26
बैंक में	54,91,395.00	64,32,509.00
	<u>1,14,68,168.12</u>	<u>1,19,40,535.26</u>
ISCA आशुतोष मुखर्जी निधि		
अंतरिम जमा	-	-
बैंक में	49,49,261.00	11,20,888.00
	<u>49,49,261.00</u>	<u>11,20,888.00</u>
योग	<u>13,01,10,453.30</u>	<u>11,78,09,443.44</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

ध्यान दें 6

लंबी अवधि ऋण और अग्रिम

अग्रिम-सामान्य	22,54,421.00	23,16,209.00
कर्मचारियों के लिए अग्रिम	15,004.00	22,828.00
इमारत के निर्माण के लिए अग्रिम	-	-
	<u>22,69,425.00</u>	<u>23,39,037.00</u>

ध्यान दें 7

अन्य गैर-मौजूदा परिसंपत्तियाँ

हाइड्रेशन लाइन के लिए सुरक्षा जमा	3,76,914.51	3,76,914.51
सी.ई.एस.सी. लिमिटेड में सुरक्षा जमा	1,000.00	1,000.00
टेलेक्स के लिए सुरक्षा जमा	10,000.00	10,000.00
सदस्यता प्राप्य	4,500.00	4,500.00
	<u>3,92,414.51</u>	<u>3,92,414.51</u>

ध्यान दें 8

माल

मुद्रण कागज का जायजा	2,69,614.77	13,58,796.25
----------------------	-------------	--------------

ध्यान दें 9

नकद और नकद समकक्ष

नकद	2,000.00	2,000.00
बचत बैंक	3,62,72,087.32	2,55,07,657.07
बैंक के साथ सार्वजनिक सूचना अधिकारी	3,478.00	3,093.00
	<u>3,62,77,565.32</u>	<u>2,55,12,750.07</u>

ध्यान दें 10

लघु-अवधि ऋण और अग्रिम

त्योहार अग्रिम	34,200.00	32,400.00
----------------	-----------	-----------

ध्यान दें 11

अन्य मौजूदा संपत्ति

प्रीपेड खर्च	11,450.00	94,459.00
मौजूदा सुविधाओं के सुधार में प्रीपेड उन्नयन	60,150.00	42,063.00
प्रीपेड बीमा	11,685.00	34,948.00
	<u>83,285.00</u>	<u>1,71,470.00</u>

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

	2015-2016			2014-2015		
	योजना	रु.-योजना	कुल	योजना	रु.-योजना	कुल
आय						
अनुसूची-12						
सरकारी अनुदान	₹	₹	₹	₹	₹	₹
	5,50,00,000.00	50,00,000.00	6,00,00,000.00	5,32,34,000.00	8,10,000.00	5,40,44,000.00
	5,50,00,000.00	50,00,000.00	6,00,00,000.00	5,32,34,000.00	8,10,000.00	5,40,44,000.00
अनुसूची-13						
अन्य कार्यकलापों से आय						
सदस्यता शुल्क प्राप्ति	₹	₹	₹	₹	₹	₹
घटाएँ : प्रारक्षित निधि में अंतरण	23,37,682.00	50,000.00	23,87,682.00	25,01,793.00	50,000.00	25,01,793.00
जोड़: प्रवेश शुल्क	22,87,682.00	1,77,400.00	24,65,082.00	24,51,793.00	2,51,200.00	27,03,993.00
जोड़: आजीवन सदस्यता शुल्क से अंतरण	9,23,220.00	-	9,23,220.00	-	-	-
	33,88,302.00	32,200.00	34,20,502.00	33,88,302.00	33,500.00	37,95,998.00
अतिथिगृह आवास प्रभार	80,600.00	-	80,600.00	1,03,900.00	-	1,03,900.00
संस्था के व्याख्यान कक्ष से संबंधित सेवा	3,025.00	-	3,025.00	-	-	-
प्रभारों की प्रतिपूर्ति (निवल)	-	-	-	-	-	-
विविध आय	-	-	-	-	-	-
कंप्यूटर ऋण से अर्जित व्याज	-	-	-	-	-	-
प्रकाशित ग्रंथों की बिक्री	16,000.00	-	16,000.00	8,000.00	-	8,000.00
निविदा कागजात की योजना बिक्री	28,021.00	-	28,021.00	18,780.00	-	18,780.00
जर्नल शुल्क (रौर सदस्य)	-	-	-	-	-	-
व्याज आय (प्रोद्भूत)	-	-	-	-	-	-
सामान्य निधि	-	3,801.34	3,801.34	3,487.00	-	3,487.00
भवन निधि	-	49,134.60	49,134.60	47,060.98	-	47,060.98
उपदान निधि	-	9,65,667.28	9,65,667.28	9,35,836.00	-	9,35,836.00
भवन निर्माण अग्रिम निधि	-	59,545.70	59,545.70	56,199.71	-	56,199.71
भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विकास निधि	-	7,15,831.43	7,15,831.43	12,28,740.15	-	12,28,740.15
आजीवन सदस्यता शुल्क	-	50,75,124.53	50,75,124.53	41,62,072.73	-	41,62,072.73
पेंशन निधि	-	11,08,100.53	11,08,100.53	6,31,103.72	-	6,31,103.72
आरक्षित निधि	-	5,41,705.59	5,41,705.59	4,71,682.42	-	4,71,682.42
योजना निर्माण निधि	-	125.00	125.00	168.00	-	168.00
जनसूचना अधिकारी निधि	-	7,11,072.86	7,11,072.86	6,63,758.85	-	6,63,758.85
छुट्टी तुलना निधि	-	-	-	-	-	-
कुल	44,021.00	1,27,34,235.86	1,27,78,256.86	82,26,889.56	39,38,260.00	1,21,65,149.56
	-	92,30,108.86	92,30,108.86	82,00,109.56	-	82,00,109.56
	44,021.00	35,04,127.00	35,48,148.00	26,780.00	39,38,260.00	39,65,040.00

कम : निधि स्थानांतरण (व्याज उपर्जित लेकिन देय नहीं)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

व्यय	2015-2016			2014-2015		
	योजना	गैर-योजना	कुल	योजना	गैर-योजना	कुल
अनुसूची-14						
वैज्ञानिक कार्यक्रमों और पुरस्कार पर खर्च						
सत्रीय व्यय	₹ 18,634.00	-	₹ 18,634.00	₹ 21,544.00	-	₹ 21,544.00
यात्रा व्यय	₹ 45,94,935.00	-	₹ 45,94,935.00	₹ 49,66,374.50	-	₹ 49,66,374.50
बैठक फीस	₹ 11,35,000.00	-	₹ 11,35,000.00	₹ 5,54,000.00	-	₹ 5,54,000.00
संस्था की शाखाएँ	₹ 44,00,000.00	-	₹ 44,00,000.00	₹ 7,25,212.00	-	₹ 7,25,212.00
संगोष्ठी, परिसवाद, वाद-विवाद एवं व्याख्यान	₹ 44,62,170.00	-	₹ 44,62,170.00	₹ 44,75,000.00	-	₹ 44,75,000.00
संस्था के प्लेटिनम जयंती व्याख्यान से संबंधित मानदेय	₹ 1,20,000.00	-	₹ 1,20,000.00	₹ 1,40,000.00	-	₹ 1,40,000.00
पोस्टर प्रस्तुति पुरस्कार	₹ 1,25,000.00	-	₹ 1,25,000.00	₹ 1,30,000.00	-	₹ 1,30,000.00
स्वर्णपदकों एवं बिल्लों की लागत	₹ 5,82,113.00	-	₹ 5,82,113.00	-	-	-
सदस्यता शुल्क	-	-	-	₹ 10,000.00	-	₹ 10,000.00
युवा वैज्ञानिक :						
पुरस्कार	₹ 2,75,000.00	-	₹ 2,75,000.00	₹ 3,50,000.00	-	₹ 3,50,000.00
यात्रा व्यय	₹ 1,85,872.00	-	₹ 1,85,872.00	₹ 1,73,684.00	-	₹ 1,73,684.00
प्रकाशन	-	-	-	₹ 5,838.00	-	₹ 5,838.00
लेखन-सामग्री	₹ 45,000.00	-	₹ 45,000.00	₹ 23,000.00	-	₹ 23,000.00
विज्ञापन	₹ 10,500.00	-	₹ 10,500.00	₹ 14,000.00	-	₹ 14,000.00
आवकस्मित व्यय	₹ 38,823.00	-	₹ 38,823.00	₹ 47,246.00	-	₹ 47,246.00
विदेश में बैठकों में भाग लेने वाले प्रतिनिधि मंडल से संबंधित व्यय	₹ 80,000.00	-	₹ 80,000.00	₹ 85,000.00	-	₹ 85,000.00
कागज की स्क्रीनिंग और मूल्यांकन						
	₹ 1,60,73,047.00	-	₹ 1,60,73,047.00	₹ 1,17,20,898.50	-	₹ 1,17,20,898.50
अनुसूची-15						
अन्य व्यय						
दूरभाष प्रभार	-	₹ 86,129.00	₹ 86,129.00	-	₹ 88,242.00	₹ 88,242.00
परिवहन प्रभार	-	₹ 46,802.00	₹ 46,802.00	-	₹ 1,07,114.00	₹ 1,07,114.00
नगरपालिका कर	-	₹ 181.00	₹ 181.00	-	₹ 182.00	₹ 182.00
सुरक्षा गार्ड पर व्यय	-	₹ 12,48,018.00	₹ 12,48,018.00	-	₹ 11,93,855.00	₹ 11,93,855.00
लेखापरीक्षा शुल्क	-	₹ 34,500.00	₹ 34,500.00	-	₹ 34,200.00	₹ 34,200.00
सफाई एवं भवन-अनुक्षण	-	₹ 3,34,031.00	₹ 3,34,031.00	-	₹ 4,86,040.00	₹ 4,86,040.00
महाध्यक्ष के लिए डाक एवं लेखन-सामग्री पर व्यय	₹ 2,10,000.00	-	₹ 2,10,000.00	₹ 1,00,000.00	-	₹ 1,00,000.00
विज्ञापन	₹ 92,460.00	-	₹ 92,460.00	₹ 30,838.00	-	₹ 30,838.00

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

विद्युत शुल्क	6,16,985.00	-	6,16,985.00	5,66,908.00	-	5,66,908.00
विद्यमान सुविधा का उन्नयन एवं उसमें सुधार	3,77,634.00	-	3,77,634.00	3,20,259.77	-	3,20,259.77
साधारण प्रकाशन	12,85,111.00	-	12,85,111.00	13,04,790.00	-	13,04,790.00
अतिथि गृह व्यय	-	19,752.00	19,752.00	-	16,014.00	16,014.00
बीमा	-	43,294.00	43,294.00	-	15,502.00	15,502.00
बैंक प्रभार	-	14,023.25	14,023.25	-	5,778.00	5,778.00
ए.सी.संयंत्र का प्रचालन एवं अनुरक्षण	-	1,06,561.00	1,06,561.00	-	1,14,611.00	1,14,611.00
अचल संपत्तियों की बिक्री पर लाभ और हानि	-	2,02,704.48	2,02,704.48	3,58,843.28	-	3,58,843.28
अन्य संचालन व्यय	-	-	-	-	-	-
स्टेशनरी का खर्च	1,49,535.00	-	1,49,535.00	2,11,457.00	-	2,11,457.00
डाक व्यय	39,95,621.00	-	39,95,621.00	33,96,546.00	-	33,96,546.00
आकास्मिक व्यय	1,24,810.50	-	1,24,810.50	6,41,921.50	-	6,41,921.50
भवन की मरम्मत और नवीकरण	24,000.00	-	24,000.00	10,83,535.00	-	10,83,535.00
विधि व्यय	85,497.00	-	85,497.00	1,86,966.00	-	1,86,966.00
राजभाषा बैठक के लिए	-	-	-	-	-	-
आकास्मिक व्यय	32,125.00	-	32,125.00	3,85,102.00	-	3,85,102.00
प्रकाशन व्यय	-	-	-	-	-	-
सत्रीय प्रकाशन	6,79,012.00	-	6,79,012.00	6,12,807.00	-	6,12,807.00
कार्यवाही के प्रकाशन	6,79,012.00	-	6,79,012.00	6,94,591.00	-	6,94,591.00
पत्रिकाओं के प्रकाशन	28,75,311.00	-	28,75,311.00	5,87,587.00	-	5,87,587.00
मुद्रण पेपर की कीमत	10,89,181.48	-	10,89,181.48	23,05,519.62	-	23,05,519.62
	1,23,16,294.98	21,35,995.73	1,44,52,290.71	1,27,87,671.17	20,61,538.00	1,48,49,209.17

	2015-2016			2014-2015		
	योजना	नै-योजना	कुल	योजना	नै-योजना	कुल
	₹	₹	₹	₹	₹	₹
कर्मचारियों के लाभ का खर्च	4,74,242.00	1,37,75,991.00	1,42,50,233.00	7,96,587.00	1,24,64,549.00	1,32,61,136.00
स्थापना	-	69,080.00	69,080.00	-	82,321.00	82,321.00
तदर्थ बोनस	-	3,72,444.00	3,72,444.00	-	3,07,798.00	3,07,798.00
कर्मचारियों को नई-पेंशन योजना के लिए योगदान	-	37,78,108.00	37,78,108.00	-	56,47,321.00	56,47,321.00
कर्मचारियों के पेंशन कोष में योगदान	-	2,18,115.00	2,18,115.00	-	5,75,097.00	5,75,097.00
छुट्टी यात्रा रियायत	-	2,000.00	2,000.00	-	1,000.00	1,000.00
कर्मचारियों की वर्दी	-	-	-	-	-	-
बच्चों की प्रतिपूर्ति	-	1,74,931.00	1,74,931.00	-	1,57,311.00	1,57,311.00
शिक्षा भत्ता	4,74,242.00	1,83,90,669.00	1,88,64,911.00	7,96,587.00	1,92,35,397.00	2,00,31,984.00

निवेश और बैंक के साथ आजीवन सदस्यता शुल्क निधि की मेलमिलाप

आजीवन सदस्यता शुल्क निधि

₹

01-04-2015 का शेष राशि

5,61,51,811.08

जोड़ : वर्ष 2015-2016 के दौरान प्राप्त शुल्क

₹
46,18,300.00

जोड़ : नीचे विस्तृत रूप में वर्ष के दौरान

ब्याज प्रोद्भूत दिया गया

	टी. डी. एस. संख्या	₹		
	33251159345	5,47,793.22		
	33171568280	5,03,611.19		
	10959318633	2,36,977.43		
	10959318622	7,57,748.52		
	33062685839	6,32,821.25		
	34803843458	4,25,000.00		
	30275144311	1,61,403.48		
	32225475315	7,82,742.73		
	32399434877	3,09,294.88		
	32654087378	1,06,131.34		
	32529725604	1,76,038.17		
	34069506239	2,75,337.32	49,14,899.53	
बचत बैंक ब्याज				
31/03/2016		16,022.00		
			16,022.00	95,49,221.53
				6,57,01,032.61
कम : 20% सदस्यता आय के रूप में ISCA को हस्तांतरित				9,23,220.00
				6,47,77,812.61
कम : ISCA द्वारा निधि की ओर से किए गए व्यय			2,200.00	
				2,200.00
आजीवन सदस्यता निधि का शेष राशि (अ)				<u>6,47,75,612.61</u>

आजीवन सदस्यता निवेश

पिछले खाता के मुताबिक शेष राशि

जो : : वर्ष के दौरान ब्याज प्रोद्भूत

₹
5,61,84,327.23

	टी. डी. एस. संख्या	₹	
	33251159345	5,47,793.22	
	33171568280	5,03,611.19	
	10959318633	2,36,977.43	
	10959318622	7,57,748.52	
	33062685839	6,32,821.25	
	33529725604	1,76,038.17	
	34803843458	4,25,000.00	
	30275144311	1,61,403.48	
	32225475315	7,82,742.73	
	32399434877	3,09,294.88	
	32654087378	1,06,131.34	
	34069506239	2,75,337.32	49,14,899.53

(आ) 6,10,99,226.76

भारतीय स्टेट बैंक का आजीवन सदस्यता खाता

01-04-2015 का शेष राशि 95,463.85
जो : : वर्ष के दौरान स्थानांतरण

10-03-2016 35,00,000.00
35,00,000.00

बचत बैंक ब्याज
31/03/2016 16,022.00
35,16,022.00
36,11,485.85

कम : वर्ष के दौरान भुगतान विशेष 2,200.00

36,09,285.85 (C)

अ =	आ +	क
₹	₹	₹
6,47,75,612.61	6,10,99,226.76	36,09,285.85

चालू वर्ष में हस्तांतरित करने के लिए फर्क
कम : पीछले साल का तबादला
अतिरिक्त समायोजित

(67,100.00)

1,27,980.00

(60,880.00)

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

नोट - 17

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

- 1) लेखे एतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए गए हैं।
- 2) शुल्क, सरकारी अनुदान और निवेश में ब्याज का आय का विवरण सटीक आधार पर दिया गया।
- 3) फरवरी और मार्च महीनों के शुल्क प्राप्त हो अगले वर्ष के पूर्व रसीद शुल्क में लिया गया है।
- 4) प्राप्त वर्ष में आजीवन सदस्यता शुल्क के 20% की आय के रूप में हिसाब में लिया गया है और शेष 80% को आजीवन सदस्यता निधि लेखा में रखा गया है। वित्त समिति की 21.09.2013 की बैठक के निर्णय के अनुसार जिसे कार्यकारिणी समिति में दिनांक 04.10.2013 द्वारा बाद में अनुमोदित किया गया।
- 5) ₹ 25,000/- के बदले ₹ 50,000/- का स्थानांतरण साधारण निधि लेखा से आरक्षित निधि लेखा में वित्त समिति के मतानुसार किया गया जिसकी बैठक 21.09.2013 को हुई थी और जिसे कार्यकारिणी समिति की बैठक ने अनुमोदन 04.10.2013 को दिया।
- 6) स्थायी परिसंपत्ति तुलन-पत्र में यथामूल्य में कम इस वर्ष ह्रास के लिए केवल ललिया गया 2006-07 से प्रभावी है। “जर्नल के योजना शुल्क को छोड़कर जो तुलन-पत्र दिखाया गया है वह यथामूल्य में मूल्यह्रास की कमी को जो 2010-11 से प्रभावी हुआ है। यथा अचल परिसंपत्ति में मूल्यह्रास का बकाया (जर्नल के योजना शुल्क से अलग) 31.03.2006 तक को अचल परिसंपत्ति के यथामूल्य से कम करके w.d.v. में प्रवेश करके मूल्यह्रास का अभिकलन।
- 7) वित्त पोषण के अधिकारियों से किसी भी दिशा निर्देशों के अभाव में योजना और गौर के बीच खर्च का बंटवारा -प्लान खाता प्रबंधन की धारणा के आधार पर किया जाता है।
- 8) निवेश ज्यादातर ब्याज की इस अवधि की पैदावार अधिकतम दर के लिए ब्याज के बाद से 39 महीने की अवधि के लिए बने हैं।
- 9) बंदोबस्ती कोष में सावधि जमा में निवेश पर ब्याज नकदी आधार के लिए ज़िम्मेदार है।
- 10) गेस्ट हाउस आवास शुल्क और ISCA व्याख्यान के लिए सेवा शुल्क वर्ष के दौरान नकदी आधार के लिए ज़िम्मेदार किया गया है।

अनुसूची - 18

लेखा पर टिप्पणी

- 1) ग्रेच्युटी प्रावधान 31.03.2016 को समाप्त वर्ष के लिए लेखा पर टिप्पणी नहीं किया गया है। बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है पर प्रति वैल्यूएशन रूपये 53.60 लाख है जो 31.03.2016 में उपदान और दायित्व के कारण निर्धारित किया जाता है। (अतिरिक्त प्रावधान पहले से ही रूपये 102.88 लाख की सीमा तक पहले के वर्षों में की गई)।
- 2) छुट्टी नकदीकरण प्रावधान को समाप्त वर्ष 31.03.2016 के लिए नहीं बनाया गया है। बीमांकिक मूल्यांकन 31.03.2016 के रूप में छुट्टी नकदीकरण के कारण दायित्व और दायित्व निर्धारित करने के प्रति के रूप में मूल्यांकन रूपये 47.57 लाख है। (अतिरिक्त प्रावधान पहले से ही रूपये 67.11 लाख की सीमा तक पहले के वर्षों में बनाया गया है।)
- 3) पेंशन प्रावधान 31.03.2016 के वर्ष समाप्त होने तक नहीं किया गया है। बीमांकिक मूल्यांकन किया जाता है 31.03.2016 के रूप में पेंशन के खाते पर दायित्व और प्रति वैल्यूएशन के रूप में दायित्व का निर्धारण करने के लिए 31.03.2016 के रूप में रु. 362.98 लाख है। रु. 212.72 लाख की सीमा तक खुला दायित्व छोड़ा जा सकता है।
- 4) “जर्नल का योजना शुल्क 2008-09 में पूंजीगत किया गया है। कोई मूल्य हास 31.03.2016 तक प्रभार नहीं हुआ है। जबकि, वर्तमान में वर्ष के दौरान रु. 5,237.30 को मूल्य हास के तौर पर आय और व्यय योजना लेखा के अंदर प्रभार किया गया।
- 5) जैसा कि अभ्यास किया गया है 1991-92 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था के लेखा नीति के संदर्भ में (पैरा 2-3) रु. 36,95,280/- को 80% आजीवन सदस्यता शुल्क वर्तमान वर्ष के दौरान आजीवन सदस्यता शुल्क में रखा गया है। एक विवरण आजीवन सदस्यता शुल्क निधि और निवेश के समाधान के रूप में 31.03.2016 तक उप सूची सं. 1ए तक उपसूची में दिया गया है।
- 6) भवन निधि योजना (नोट-1) की हस्तांतरित गैर आवर्ती निधि अनुदान के आबंटन का आधार निर्माणाधीन इमारत के खाते में (नोट-4) पर वास्तविक व्यय के अनुसार है। अवशिष्ट राशि अनुदान निधि (नोट-1ए) को दिया गया है।
- 7) योजना और गैर योजना अनुदान उपप्रमुखों को सौंप निर्दिष्ट के बिना (1) सामान्य (2) वेतन और (3) पूंजी के तहत डीएसटी से प्राप्त होता है 3 मुख्य है। हालांकि, ऊपर उल्लेख किया गया है शीर्षों की सुलह किया जाता है। संस्था भी तिमाही आधार पर डीएसटी के लिए उपयोगिता प्रमाण करें।
- 8) पुराने जमा और देनदारियाँ समय-समय पर समीक्षा की जाएगी और निपटान के लिए आवश्यक कार्रवाई के रूप में जब जरूरत होगा ले जाया जाएगा।
- 9) पूंजी रूपये 52,943.00 के लिए प्रगति में काम करते हैं। 2012-2013 के बाद से शताब्दी भवन के निर्माण के लिए 2016-2017 में समायोजित किया जाएगा।

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

- (10) आयकर बैंकों के साथ सावधि जमा पर ब्याज से स्रोत पर कर कटौती के लिए बैंक से आवश्यक विवरण की अनुलब्धता के कारण के लिए ज़िम्मेदार नहीं किया गया है। इस मामले में बैंक के साथ उठाया गया है और आवश्यक कार्रवाई उचित दस्तावेजों की उपलब्धता पर ले जाया जाएगा।
- (11) चेक के रूपये की राशि रु. 1,22,500/- बैंक खाते के अंतर्गत दिखाए हाथ में चेक के रूप में दिखाया जाना चाहिए।
- (12) रूपये 1,81,46,810/- के आयकर की मांग के लिए आकस्मिक देयता (आकलन वर्ष 2012-2013 रु. 32,40,200/- और आकलन वर्ष 2013-2014 रूपये 1,49,06,610/-) जो अपील के तहत प्रदान नहीं कर रहे हैं।
- (13) पूर्ववर्ती वर्ष के आंकड़ों को पुनर्विभाग और पुनआयोजित किया गया है जहाँ पर ज़रूरत हुई है ताकि वर्तमान वर्ष के आँकड़ों के द्वारा उनकी तुलना की जा सकें।

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउन्टेंट
FRN 301081E

Shyamal Kumar Mukherjee
(C.A.S.K. मुखर्जी)
भागीदार
सदस्य संख्या 017607

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 20/09/2016

गंगाधर

महासचिव (सदस्यता कार्य)

रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2016 तक प्राभूत निधि का तुलन-पत्र

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष ₹	पूर्ववर्ती वर्ष ₹
देयता			
शेष प्राभूत निधि	19	2,62,18,237.70	2,43,75,057.70
	योग	<u>2,62,18,237.70</u>	<u>2,43,75,057.70</u>
संपत्ति एवं परिसंपत्ति	20		
प्राभूत निवेश		2,62,18,237.70	2,43,75,057.70
	योग	<u>2,62,18,237.70</u>	<u>2,43,75,057.70</u>
		-	-

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार



गंगाधर
महासचिव (सदस्यता कार्य)



रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 20/09/2016

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन. 301081



(C.A. S.K. मुखर्जी)
भागीदार
सदस्यता संख्या 017607

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

31 मार्च 2016 तक प्राभूत निधि का आय एवं व्यय लेखा

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	पूर्ववर्ती वर्ष
		₹	₹
<u>आय</u>	21	22,93,574	17,50,022
		22,93,574	17,50,022
<u>व्यय</u>	21	9,50,394	2,73,997
		9,50,394	2,73,997
व्यय पर अधिक आय		13,43,180	14,76,025
कम : संबंधित निधि से अंतरण		13,43,180	14,76,025
		-	-

हमारी इसी तारीख की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार



गंगाधर
महासचिव (सदस्यता कार्य)



रणजीत कुमार वर्मा
कोषाध्यक्ष

कृते एस. के. भट्टाचार्य और कंपनी
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफ.आर.एन. 301081



(C.A. S.K. मुखर्जी)
भागीदार
सदस्यता संख्या 017607

स्थान : कोलकाता
दिनांक : 20/09/2016

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 19

अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण

	1-04-2015 का अधिशेष		संबंधित निधि में अंतरित अधिशेष (+)/ घाटा (-)		दान प्राप्त		31-03-2016 का अधिशेष	
	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹	₹
1 बी. सी. गुहा मीरक निधि	1,84,649.39	(13,988.00)	-	-	-	-	1,70,661.39	
2 जी. पी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	7,31,830.25	45,437.00	-	-	-	-	7,77,267.25	
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	3,32,386.60	18,898.00	-	-	-	-	3,51,284.60	
4 प्रोफेसर के. पी. रोड़े : मीरक व्याख्यान निधि	1,67,078.66	1,124.00	-	-	-	-	1,68,202.66	
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	6,50,764.13	16,642.00	-	-	-	-	6,67,406.13	
6 वृष्टो दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,71,535.00	(486.00)	-	-	-	-	1,71,049.00	
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	3,23,470.81	14,964.00	-	-	-	-	3,38,434.81	
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	6,06,367.39	28,794.00	-	-	-	-	6,35,161.39	
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,79,553.42	6,286.00	-	-	-	-	1,85,839.42	
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	2,74,993.74	20,130.00	-	-	-	-	2,95,123.74	
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	2,88,576.45	7,066.00	-	-	-	-	2,95,642.45	
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	1,85,699.00	11,947.00	-	-	-	-	1,97,646.00	
13 डॉ. (श्रीमती) गौरी गंगुली स्मारक पुरस्कार निधि	3,24,587.15	15,788.00	-	-	-	-	3,40,375.15	
14 प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	6,58,968.00	12,694.00	-	-	-	-	6,71,662.00	
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	82,23,717.66	5,61,020.00	-	-	-	-	87,84,737.66	
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	12,54,274.29	77,646.00	-	-	-	-	13,31,920.29	
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार निधि	29,89,277.00	2,17,064.00	-	-	-	-	32,06,341.00	
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी, निधि	6,36,745.50	39,748.00	-	-	-	-	6,76,493.50	
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉर्मिस फाउंडेशन यात्रा पुरस्कार निधि	7,72,092.26	1,378.00	-	-	-	-	7,73,470.26	
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	24,06,999.00	1,57,914.00	-	-	-	-	25,64,913.00	
21 प्रोफेसर एम. के. सिंघल स्मारक पुरस्कार निधि	11,65,027.00	1,558.00	-	-	-	-	11,66,585.00	
22 प्रो अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	5,85,631.00	33,681.00	-	-	-	-	6,19,312.00	
23 प्रो. जी. के. मत्ता स्मारक अवार्ड निधि	6,45,593.00	38,255.00	-	-	-	-	6,83,848.00	
24 प्रो. व्ही. के. पुरी स्मारक अवार्ड निधि	6,15,241.00	26,380.00	-	-	-	-	6,41,621.00	
25 प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	-	3,240.00	5,00,000.00	-	-	-	5,03,240.00	
	2,43,75,057.70	13,43,180.00	5,00,000.00	-	-	-	2,62,18,237.70	

भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था

अनुसूची 20

अक्षयनिधि अधिशेष

विवरण

2014-2015

2015-2016

योग

मियादी

जमा में

बैंक में

	₹	₹	₹	₹
1 बी. सी. गुहा स्मारक निधि	1,25,000.00	45,661.39	1,70,661.39	1,84,649.39
2 जी. सी. चटर्जी एवं श्रीमती सुनील चटर्जी निधि	4,20,000.00	3,57,267.25	7,77,267.25	7,31,830.25
3 प्रोफेसर हीरालाल चक्रवर्ती एवं श्रीमती तोरु चक्रवर्ती निधि	2,25,000.00	1,26,284.60	3,51,284.60	3,32,386.60
4 प्रोफेसर के. पी. रो : स्मारक व्याख्यान निधि	95,000.00	73,202.66	1,68,202.66	1,67,078.66
5 प्राण वोहरा पुरस्कार निधि	4,25,000.00	2,42,406.13	6,67,406.13	6,50,764.13
6 कृष्टो दत्ता स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	71,049.00	1,71,049.00	1,71,535.00
7 प्रोफेसर उमाकांत सिन्हा स्मारक पुरस्कार निधि	1,85,000.00	1,53,434.81	3,38,434.81	3,23,470.81
8 डॉ. बी. सी. देव स्मारक पुरस्कार निधि	3,79,955.00	2,55,206.39	6,35,161.39	6,06,367.39
9 प्रोफेसर आर. सी. शाह स्मारक पुरस्कार निधि	1,20,000.00	65,839.42	1,85,839.42	1,79,553.42
10 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक पुरस्कार निधि	2,30,000.00	65,123.74	2,95,123.74	2,74,993.74
11 प्रोफेसर एस. के. मुखर्जी स्मारक पुरस्कार निधि	1,50,000.00	1,45,642.45	2,95,642.45	2,88,576.45
12 प्रोफेसर (श्रीमती) अणिमा सेन स्मारक पुरस्कार निधि	1,00,000.00	97,646.00	1,97,646.00	1,85,699.00
13 डॉ. (श्रीमती) नैरी गांगुली स्मारक पुरस्कार निधि	2,00,000.00	1,40,375.15	3,40,375.15	3,24,587.15
14 प्रोफेसर एस. एस. कटियार स्मारक व्याख्यान निधि	5,00,000.00	1,71,662.00	6,71,662.00	6,58,968.00
15 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था पुरस्कार निधि	64,00,000.00	23,84,737.66	87,84,737.66	82,23,717.66
16 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विक्रम साराभाई स्मारक पुरस्कार निधि	8,00,000.00	5,31,920.29	13,31,920.29	12,54,274.29
17 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी उत्कृष्टता पुरस्कार निधि	20,00,000.00	12,06,341.00	32,06,341.00	29,89,277.00
18 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था रॉयल्टी, निधि	3,00,000.00	3,76,493.50	6,76,493.50	6,36,745.50
19 भारतीय विज्ञान कांग्रेस संस्था इनफॉसिस फाउन्डेशन यात्रा पुरस्कार निधि	5,00,000.00	2,73,470.26	7,73,470.26	7,72,092.26
20 प्रोफेसर आर. सी. मेहरोत्रा स्मारक जीवन-काल उपलब्धि पुरस्कार निधि	15,00,000.00	10,64,913.00	25,64,913.00	24,06,999.00
21 प्रोफेसर एम. के. सिधूल स्मारक पुरस्कार निधि	10,00,000.00	1,66,585.00	11,66,585.00	11,65,027.00
22 प्रो अर्चना शर्मा स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	1,19,312.00	6,19,312.00	5,85,631.00
23 प्रो. जी. के. मत्ता स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	1,83,848.00	6,83,848.00	6,45,593.00
24 प्रो. व्ही. के. पुरी स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	1,41,621.00	6,41,621.00	6,15,241.00
25 प्रो. डब्ल्यू. डी. वेस्ट स्मारक अवार्ड निधि	5,00,000.00	3,240.00	5,03,240.00	-
	1,77,54,955.00	84,63,282.70	2,62,18,237.70	2,43,75,057.70

